धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 16 मई 2024 ● बैशाख शुक्ल पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 37

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	41.2	30.8
जमशेदपुर	38.2	26.4
डालटनगंज	41.8	25.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ईडी ने कसा शिकंजा

पहले दिन 9, दूसरे दिन 6 घंटे पूछताछ

मंत्री आलमगीर आलम गिरफ्तार

24 साल के इतिहास में पहली बार किसी मंत्री की पद पर रहते गिरफ्तारी

सौरभ सिंह। रांची

पहले दिन नौ घंटे और दूसरे दिन बुधवार को छह घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को गिरफ्तार कर लिया. झारखंड के 24 साल के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी मंत्री को ईडी ने गिरफ्तार किया है. इससे पहले पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को भी ईडी ने गिरफ्तार किया था. गिरफ्तारी के बाद मंत्री आलम को गुरुवार को विशेष अदालत में पेश कर ईडी रिमांड पर लेने का आग्रह करेगी. इससे पहले बुधवार दोपहर 12 बजे आलमगीर आलम पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस पहुंचे थे. उनके पीएस संजीव लाल के हाउस हेल्पर के घर से 35.23 करोड़ रुपए की बरामदगी मामले में ईडी ने आलम से जितने भी सवाल पूछे, उसके बारे में वो स्पष्ट रूप से कोई जानकारी नहीं दे पाये. कई सवालों को उन्होंने टालने की भी कोशिश की. मंत्री आलमगीर के साथ उनके पीएस संजीव लाल और हाउस हेल्पर जहांगीर आलम को आमने-सामने बैठा कर दोपहर 12.30 बजे ईडी ने पूछताछ शुरू की. जैसे-जैसे पूछताछ का सिलसिला आगे बढ़ता गया, मंत्री आलमगीर नर्वस होते गये. आखिरकार ईडी ने उन्हें देर शाम गिरफ्तार कर लिया.

मंत्री ने कहा था- न कमीशनखोरी की जानकारी थी, न पैसों की...

बता दें कि मंत्री आलमगीर आलम इससे पहले मंगलवार को तय समय से पहले ही सुबह 10.45 बजे ही हिनू स्थित ईडी क्षेत्रीय कार्यालय पहुंच गये थे. ईडी के अधिकारियों ने उनसे उनके आप्त सचिव संजीव लाल और उनके हाउस हेल्पर जहांगीर के बारे में पूछताछ की थी. मंत्री आलम ने पूछताछ में बताया था कि निजी सहायक जहांगीर के पास करोड़ों रुपए होने की जानकारी उन्हें नहीं थी. जहांगीर गलत कार्यों में लिप्त था, यह भी उन्हें नहीं पता था. इसके अलावा विभाग में हो रही कमीशनखोरी के बारे में भी उन्हें नहीं पता था. ईडी के अधिकारियों ने मंत्री से कमीशनखोरी से जुड़े कई सवाल पूछे. अधिसंख्य सवालों के जवाब में मंत्री ने अपनी अनभिज्ञता जतायी.

इंजीनियर बीरेंद्र राम से जुड़े सवालों में घिरे

हालांकि ईडी की पूछताछ में इंजीनियर बीरेंद्र राम से जुड़े सवालों में वह घिर गये. पूछताछ के दौरान अधिकारियों ने मंत्री को पीएमएलए की धारा 50 के तहत दिये जानेवाले बयान और उसके कानूनी महत्व की जानकारी दी. उनसे उनकी और उनके पारिवारिक सदस्यों की आमदनी और संपत्ति से संबंधित जानकारी मांगी. मंत्री से उनके आप्त सचिव संजीव लाल के बारे में भी पूछताछ हुई. संजीव की गतिविधियों के बारे में भी जानकारी मांगी गयी. मंत्री आलमगीर आलम ने संजीव लाल की अनैतिक गतिविधियों की जानकारी होने से इनकार किया था.

- पेज 7 भी देखें

ईडी ऑफिस में गुजरेगी रात

मंत्री आलमगीर आलम को ईडी ने बुधवार देर शाम को गिरफ्तार किया. जिस कारण आलम की रात ईडी ऑफिस में ही गुजरेगी. बताया गया कि ईडी की ओर से गुरुवार को उन्हें पीएमएलए की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा.

टेंडर कमीशन घोटाले में ये हो चुके हैं गिरफ्तार

ग्रामीण कार्य विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता बीरेंद्र राम, उनका भतीजा आलोक रंजन, बीरेंद्र राम के चार्टर्ड अकाउंटेंट मुकेश मित्तल के सहयोगी हरीश यादव, उनके सहयोगी नीरज मित्तल, रामप्रकाश भाटिया, तारा चंद, मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल, संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम और अब मंत्री आलमगीर आलम.

घटनाक्रम कब क्या हुआ

05 मई : ईडी ने आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल समेत नौ ठिकाने पर छापेमारी की.

05 मई : संजीव लाल के सहायक जहांगीर आलम और मुन्ना सिंह के ठिकाने से 35.23 करोड़ रुपए बरामद हुए

5 मई : संजीव लाल और जहांगीर आलम को ईडी ने देर रात गिरफ्तार कर लिया.

6 मई : ईडी ने संजीव लाल और जहांगीर आलम को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया.

6 मई : ईडी ने पांच ठिकानों पर छापेमारी कर कांट्रैक्टर राजीव सिंह के ठिकाने से 1.50 करोड़ बरामद किये

7 मई : संजीव लाल को अपने साथ लेकर ईडी की टीम झारखंड मंत्रालय स्थित ग्रामीण विकास विभाग पहुंची.

7 मई : संजीव लाल के चैंबर से दो लाख रुपया नकद ईडी ने बरामद किये.

9 मई: संजीव लाल की पत्नी रीता लाल से भी ईडी के अधिकारियों ने पूछताछ की.

12 मई : ईडी ने मंत्री आलमगीर आलम को समन भेजकर पूछताछ के लिए 14 मई को बुलाया.

14 मई : ईडी ने मंत्री आलमगीर से नौ घंटे तक पूछताछ की.

15 मई : छह घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने आलमगीर आलम को गिरफ्तार कर लिया.

कौन हैं आलमगीर आलम

आलमगीर आलम पाकुड़ विधानसभा से कांग्रेस के 4 बार विधायक रहे हैं और अभी राज्य सरकार में संसदीय कार्य और ग्रामीण विकास मंत्री हैं. इससे पहले आलमगीर आलम 20 अक्टूबर 2006 से 12 दिसंबर 2009 तक झारखंड विधानसभा अध्यक्ष भी रहे थे. विरासत में राजनीति मिलने के बाद आलमगीर ने सरपंच का चुनाव जीत कर राजनीति में प्रवेश किया था. 2000 में पहली बार वह विधायक बने और तब से लेकर अभी तक 4 बार विधायक बन चुके हैं. 2005 में आलमगीर आलम पाकुड़ से विधायक चुने गए थे. उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा के अकील अख्तर को 18066 वोटों से हराया था. 2009 में झामुमो के अकील अख्तर विधायक बन गए थे. लेकिन 2014 में अचानक राजनीतिक बदलाव हो गया. कांग्रेस से विधायक रहे आलमगीर आलम ने तब झारखंड मुक्त मोर्चा के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत गए थे.

सीएम चंपाई के साथ ली थी मंत्री पद की शपथ

झारखंड में कांग्रेस में आलमगीर आलम के कद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद हाल ही में झारखंड में बनी नई चंपाई सोरेन की सरकार में आलमगीर आलम को डिप्टी सीएम बनाए जाने की चर्चा थी. उन्होंने सीएम चंपाई सोरेन के साथ ही शपथ ली थी. हालांकि, चंपाई कैबिनेट में कांग्रेस कोटे से पुराने चेहरों को दोहराए जाने से विधायकों में पार्टी नेतृत्व के प्रति गहरी नाराजगी थी. ये विधायक हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में शामिल रहे कांग्रेस कोटे के सभी चेहरों को इस बार बदलने की मांग कर रहे थे.

बड़हरवा टेंडर विवाद में भी आया था नाम

साहिबगंज के बड़हरवा में टेंडर विवाद मामले में मारपीट का एक केस 22 जून 2020 को दर्ज हुआ था. इस केस में मुख्य आरोपित राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के अलावा तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बरहेट विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, तपन सिंह, दिलीप साह, इश्तखार आलम, तेजस भगत, कुंदन गुप्ता, धनंजय घोष, रांजीव रंजन शर्मा, संजय रमाणी, टिंकू रज्जक अंसारी व अन्य अज्ञात थे. इस प्राथमिकी के दर्ज होने के महज 24 घंटे के भीतर यानी 23 जून 2020 को बिना विधिवत अनुसंधान के तत्कालीन बड़हरवा एसडीपीओ प्रमोद कुमार मिश्रा ने मंत्री आलमगीर आलम व पंकज मिश्रा को क्लीन चिट दे दिया था. इसी केस को आधार पर बनाकर ईडी ने एक ईसीआइआर दर्ज किया था, जिसमें छानबीन के बाद ईडी ने 1250 करोड़ के अवैध पत्थर खनन का मामला पकड़ा था. इस मामले में भी मंत्री आलमगीर आलम ईडी की रडार पर थे. इसी बीच टेंडर कमीशन घोटाले का दूसरा मामला सामने आया, जिसमें मंत्री की गिरफ्तारी हुई है.

इधर, न्यूक्लियस मॉल पहुंची ईडी की टीम ने जमीन की मापी की

रांची। ईडी की टीम बुधवार को शहर के न्यूक्लियस मॉल पहुंची. टीम ने पूरी मॉल का असेसमेंट किया. मॉल की पूरी जमीन की मापी भी करायी. कार्यालय की भी तलाशी ली. ईडी की टीम घोटाले के सिलसिले में दर्ज पुराने मामले में या फिर किसी नए मामले में मॉल पहुंची, इसका खुलासा नहीं हो पाया. मॉल के मालिक विष्णु अग्रवाल हैं. जमीन घोटाले के एक मामले में वह आरोपी हैं. 31 जुलाई 2023 को ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था. अभी वह जमानत पर हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,900
चांदी (किलो)	88,000

ब्रीफ खबरें

साढ़े सात लाख मामलों की सुनवाई वीसी से हुई

नयी दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बुधवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 7,50,000 से अधिक मामलों की सुनवाई की और 1,50,000 से अधिक मामले ऑनलाइन दायर किए गए.

सीएए के तहत 14 लोगों को मिली नागरिकता

नयी दिल्ली। संशोधित नागरिकता कानून के तहत नागरिकता प्रमाणपत्रों का पहला सेट बुधवार को जारी करने के साथ 14 लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान की गई.

डब्ल्यूएचओ ने दी डेंगू के दूसरे टीके को मंजूरी

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने डेंगू के दूसरे टीके को मंजूरी दे दी है. डब्ल्यूएचओ का यह कदम दुनिया में लाखों लोगों को मच्छर जनित बीमारी से बचाने में मदद कर सकता है. डब्ल्यूएचओ ने कहा कि उसने जापानी कंपनी टाकेडा के डेंगू के टीके को मंजूरी दे दी है.

कांग्रेस का बड़ा ऐलान : झारखंड की प्रस्तावित पॉलिसी को 9 वीं अनुसूची में डालेंगे

सरकार बनी तो 67% आरक्षण

चौथे चरण में 'इंडिया' को मिल चुका पूर्ण बहुमत,आगे के चरण में भी बनेगी बढ़त

कौशल आनंद। रांची

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि देश में चार चरणों में संपन्न हुए 380 सीटों के चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल हो चुका है. आगे के बचे तीन चरणों में हम केवल बढ़त बनाने का काम करेंगे. नरेंद्र मोदी अब आउट गोइंग पीएम हो गए हैं. चार जून को उनकी विदाई की औपचारिकताएं निभाई जाएंगी. चार जून को देश को झूठ की महामारी से मुक्ति मिल जाएगी. जयराम रमेश बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे. करीब 32 मिनट तक वह मीडिया से बात करते रहे. उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित कई नेता भी उपस्थित थे. रमेश ने एक सवाल के जवाब में कहा कि तमिलनाडु देश में एक ऐसा राज्य है, जहां पर आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक 69 प्रतिशत है. क्योंकि पूर्व पीएम नरसिंह राव के समय तमिलनाडु की आरक्षण नीति को संविधान की 9वीं अनुसूची में डाला जा चुका है. हमारी सरकार बनने पर हम इस 50 प्रतिशत की सीमा को हटाते हुए इसे बढ़ाने का काम करेंगे. झारखंड सहित कई राज्यों की आरक्षण नीति को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करेंगे. बताते चलें कि हेमंत सोरेन सरकार ने 11 नवंबर 2022 को झारखंड विधानसभा से नयी आरक्षण नीति पास करके, उसे संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने का प्रस्ताव राजभवन को भेजा था. राज्यपाल ने इसे संविधान के विपरीत बताते हुए वापस कर दिया. सरकार ने फिर से दोबारा उसे पास करके राजभवन के पास भेजा है.

-शेष पेज 11 पर

कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने कहा

- नरेंद्र मोदी अब आउट गोइंग पीएम, 4 जून को निभायी जाएंगीं औपचारिकताएं
- साउथ में भाजपा साफ, उत्तर-पूर्व-पश्चिम में हो गयी हाफ
- हार से बौखलाए पीएम मोदी 19 अप्रैल के बाद हो चुके हैं डी-रेल
- कभी धार्मिक ध्रुवीकरण की बात कहे हरे हैं, तो अब कह रहे मैने कभी हिंदू-मुस्लिम की बात नहीं की
- कांग्रेस के 5 न्याय और 25 गारंटी का फ्री में प्रचार कर रहे मोदी, जिस दिन कुछ बोलते हैं, उस दिन 5 लाख से अधिक लोग डाउनलोड कर देखते हैं

प्रस्तावित आरक्षण

जाति	अभी	प्रस्तावित
ओबीसी	14 प्रतिशत	27 प्रतिशत
अनुसूचित जनजाति	26 प्रतिशत	28 प्रतिशत
अनुसूचित जाति	10 प्रतिशत	12 प्रतिशत

कांग्रेस के मोदी से चार सवाल

1- मोदी जी संविधान संशोधन पर भागवत की बात पर चुप क्यों हैं?

आरएसएस प्रमुख अपने लेख में कहते हैं कि भारत का संविधान मनुवादी मूल्यों से मेल नहीं खाता है. इससे प्रेरणा नहीं ली गयी. इसमें संशोधन की जरूरत है. जबकि सभी जानते हैं कि आरक्षण का लाभ इसी संविधान के तहत मिल रहा है. मतलब साफ है कि आरएसएस और भाजपा संविधान संशोधन करके एसटी -एससी और ओबीसी का आरक्षण खत्म करना चाहते हैं. पर मोदी नही बोल रहे.

2- जाति और आर्थिक जनगणना पर चुप क्यों हैं मोदी जी?

भाजपा के सहयोगी जदयू ने बिहार में जाति जनगणना करवा दी. तो फिर मोदी जी को जातिगत जनगणना कराने में क्या दिक्कत है. 2011 के बाद जातिगत और आर्थिक जनगणना मोदी जी ने क्यों रोक रखी है. जबकि कांग्रेस खुल कर रही है कि वह जातिगत और आर्थिक जनगणना कराएगी ताकि उस हिसाब से वंचितों को लाभ पहुंचाया जा सके.

3- आरक्षण सीमा 50% से बढ़ाने की बात पर चुप क्यों हैं मोदी जी?

1992 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद तमिलनाडु को छोड़ बाकी राज्यों में आरक्षण की सीमा 50% है. तमिलनाडु की आरक्षण पॉलिसी 9वीं अनुसूची में है. वह भी कांग्रेस के कारण. तो मोदी जी यह क्यों नहीं कहते कि सत्ता में आए, तो वे 50% आरक्षण सीमा बढ़ाएंगे. जबकि हम कह रहे कि हमारी सरकार बनने पर हम आरक्षण की सीमा बढ़ाने जा रहे हैं.

4- देश के लिए जरूरी कानूनों को कमजोर क्यों किया मोदी जी ने?

कांग्रेस ने कई अधिनियम और कानून बनाए. जिसमें वनाधिकार कानून, वन संरक्षण व भूमि अधिग्रहण कानून को मोदी ने कमजोर क्यों किया. क्या इसका सीधा मतलब यह नहीं है कि जंगल को खत्म करके वहां से आदिवाासियों को उजाड़ देने की प्लानिंग है. जल, जंगल और जमीन लूट कर अपने पूंजीपति मित्रों को दे देना है. मोदी जो को इसका जवाब देना चाहिए.

चुनावी समर 2024

भाजपा संविधान व आरक्षण को खत्म करना चाहती है

अगली सरकार हमारी : राहुल

बोलांगीर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा संविधान को नष्ट करने के साथ ही आदिवासियों, दलितों तथा पिछड़े वर्ग के लोगों को दिए गए आरक्षण को खत्म करना चाहती है. ओडिशा के बोलांगीर में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने आशंका जतायी कि अगर भाजपा यह चुनाव जीतती है तो वह सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण कर देगी और देश को 22 अरबपति चलाएंगे. राहुल ने दावा किया कि देश में अगली सरकार इंडिया गठबंधन की बनने जा रही है. सत्ता में आते ही जाति जनगणना होगी और दलितों, आदिवासियों तथा पिछड़े वर्ग को उचित आरक्षण दिया जाएगा.

हमारी सरकार देगी 10 किलो राशन फ्री

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस संबोधित की. घोषणा की कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है, तो गरीबों को मिलने वाले मुफ्त राशन की मात्रा दोगुनी कर देंगे. उन्होंने मोदी सरकार की ओर से गरीबों को हर महीने पांच किलो राशन देने की योजना का जिक्र किया और कहा, कांग्रेस खाद्य कानून लाई. आपने कुछ नहीं किया. आप पांच किलो राशन दे रहे हैं, अगर हमारी सरकार बनी तो हम गरीबों को 10 किलो मुफ्त राशन देंगे.

नीतीश का तन वहां, मन यहीं है

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार की वापसी की सूरत में राजद का दरवाजा खुले रहने का संकेत देते हुए कहा कि चाचा जी का शरीर वहां है, मन यहीं है. हमारे साथ 17 महीने सरकार चलाने के बाद नीतीश ने जनवरी में दूसरी बार हमारा हाथ छोड़ कर एनडीए में वापसी की थी. तेजस्वी अपने बयानों में नीतीश को लेकर नरम हैं. लोस के साथ-साथ विस चुनाव पर नजर गड़ाए तेजस्वी ने मोदी के पटना रोड शो में नीतीश की मौजूदगी पर कहा- रोड शो में नहीं देखे, कैसे मुंह उतरा हुआ था.

भविष्यवाणी मौसम विभाग ने मॉनसून को लेकर दी सुकून वाली जानकारी, इस बार खूब बरसेंगे बदरा

झारखंड में 15 जून तक हो जाएगी मॉनसून की इंट्री

एजेंसी। नयी दिल्ली

झारखंड और बिहार समेत देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बदल चुका है. बढ़ रही गर्मी के बीच मौसम विभाग ने मॉनसून को लेकर बड़ा अपडेट दिया है मौसम विभाग (आईएमडी) ने देश के मॉनसून को लेकर पूर्वानुमान जारी कर दिया है. आईएमडी के अनुसार, साउथवेस्ट मॉनसून के दौरान इस बार जून से सितंबर तक सामान्य से अधिक बारिश होने के आसार हैं.

मौसम विभाग के मुताबिक, मॉनसून की रफ्तार अच्छी है. वक्त से पहले आ रहा है. आमतौर पर अंडमान-निकोबार तट तक मॉनसून 22 मई तक आता है. लेकिन, इस बार 19 मई तक पहुंचने के आसार है. आईएमडी के डीजी डॉ. मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि स्थिति भारत में अच्छे मॉनसून की तरफ इशारा कर रही है. कई सालों बाद देश में अच्छे मॉनसून की स्थिति बन रही है. 15 जून तक झारखंड में मॉनसून की इंट्री हो सकती है. इस वर्ष राज्य में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है।

कब होगी बारिश?

शहर	मॉनसून की तारीख
दिल्ली	28-30 जून
मुंबई	10-11 जून
कोलकाता	10-11 जून
चेन्नई	08-10 जून

मॉनसून के दौरान 106% बारिश की संभावना

देश में साउथवेस्ट मॉनसून के दौरान 106% बारिश की संभावना है. इसमें 5% का एरर रह सकता है. 94 से 105% बारिश को सामान्य बारिश माना जाता है. विभिन्न मॉडल से संकेत मिल रहे हैं कि मॉनसून के शुरुआती दौर में अल नीनो कमजोर होगा. इसके साथ ही मॉनसून के सेकंड हॉफ में ला नीना विकसित हो जाएगा. आईएमडी के अनुसार, देश के 80 प्रतिशत हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश की उम्मीद है. अनुमान के मुताबिक, 29 प्रतिशत सामान्य बारिश और 31 प्रतिशत संभावना सामान्य से अधिक बारिश की है.

इन राज्यों में सामान्य से अधिक बारिश

दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, पंजाब, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, पुड्डुचेरी, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षदीप, दादरा और नगर हवेली, दमन-दीव.

यहां होगी सामान्य बारिश : छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, ओडिशा, असम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा.

कब-कहां पहुंचेगा मॉनसून

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के 19 मई तक अंडमान और निकोबार द्वीप पहुंचने का अनुमान है. 29 मई से 1 जून के बीच ये केरल दस्तक देगा. महाराष्ट्र में मॉनसून की इंट्री 10 जून तक होती है. इस साल वक्त पर पहुंच जाएगा. 15 जून तक गुजरात, एमपी, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में मॉनसून आ जाएगा. 20 जून तक ये गुजरात और एमपी के आंतरिक इलाकों में दस्तक देगा. 20-25 जून के बीच यूपी, उत्तराखंड और कश्मीर में आएगा. 30 जून को राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में दस्तक दे सकता है.

न्यूज क्लिक के संपादक को मिली जमानत

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने न्यूज क्लिक के संपादक प्रबीर पुरकायस्थ को जमानत दे दी है. इसके साथ ही कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी के तरीकों पर सवाल उठाते हुए गंभीर टिप्पणी की है. पूछा है कि पुरकायस्थ की गिरफ्तारी के बाद उनके वकील को सूचना दिए बिना मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने की जल्दबाजी क्यों की. बता दें कि पुलिस ने तीन अक्टूबर 2023 को यूएपीए की धाराओं के तहत प्रबीर पुरकायस्थ को गिरफ्तार किया था. उन पर राष्ट्रविरोधी खबर प्रसारित करने व छापने के लिए चीन से फंड लेने के गंभीर आरोप लगाए गए थे.

जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस पर गंभीर टिप्पणी की. कहा कि पुलिस के पास गिरफ्तारी का आधार नहीं था. इस लिए उन्हें जमानत मिलनी चाहिए. कोर्ट ने गिरफ्तारी के आधार को गलत माना है. प्रबीर संस्थापक मीडिया संस्थान न्यूजक्लिक के संस्थापक व संपादक हैं. गिरफ्तारी के वक्त दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उन पर देश की एकता और अखंडता को खत्म करने और देश के खिलाफ लोगों में असंतोष पैदा करने के लिए चीन से फंड लेने का आरोप है. उनके साथ पुलिस ने न्यूजक्लिक के एचआर अमित चक्रवर्ती को भी गिरफ्तार किया था, जो बाद में सरकारी गवाह बन गए. जिसके बाद अदालत ने उन्हें रिहा कर दिया था. कोर्ट के आदेश के बाद न्यूजक्लिक के पत्रकार अभिसार शर्मा ने कहा कि जिस फंडिंग को रिजर्व बैंक ने जायज ठहराया था, उस पर ईडी ने रेड की. और आज तक चार्जशीट दाखिला नहीं की. जब तक न्यूयॉर्क टाइम्स का आधा अधूरा लेख नहीं आया था तब तक हमारे संपादक को गिरफ्तार कर लिया गया था और उनके खिलाफ यूएपीए की धाराएं लगायी हैं. यह पूरा मामला फर्जी है. सिर्फ इसलिए,क्योंकि न्यूजक्लिक किसानों, वंचितों, और शाहीनबाग की आवाज बना. चार्जशीट से लगता है कि मनोहर कहानियां पढ़ने वाले व्यक्ति ने लिखी है.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- गिरफ्तारी गलत

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष संतान के लिए दिन शुभ है. पंचम भाव में चन्द्रमा है. नए स्थान पर घूमने का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में कोई नया विचार क्रियान्वित हो सकता है. कार्य की प्रशंसा होगी.

वृषभ हृदय रोग से बचाव आवश्यक है. कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करना पड़ेंगे. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा.

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आय में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. भरपूर प्रयास करें.

कर्क समय उत्तम फल प्रदान करेगा. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

सिंह व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है. विदेश से मिलने वाले शुभ समाचार से मन खुश रहेगा. सूर्य को जल दें.

कन्या कहीं घूमने का भी समय है. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. आय बनी रहेगी.

तुला चोट व रोग से हानि की आशंका है, लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. नये कार्य को लेकर जल्दबाजी न करें.

वृश्चिक सरकारी कार्य में गति मिलेगी. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. कार्य होने से सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

धनु बड़ों के अनुभव का लाभ लेना चाहिए. अनहोनी की आशंका रह सकती है. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर पार्टनर से विवाद हो सकता है. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी.

कुंभ शुक्र के प्रभाव से जीवनसाथी का सुख बढ़ेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. कार्य होगा, जिससे अच्छा लाभ होगा. शनि को बल दें

मीन मौसमी बीमारियों से बचें. किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. अन्न दान करें.

सेवानिवृत्त हो चुकीं अफसर पर लगे आरोप से जुड़ी फाइल निरस्त, कार्मिक ने जारी कर दिया आदेश

19 साल तक जांच के बाद आरोपमुक्त हुईं राज्य सेवा की अफसर

रवि भारती। रांची

राज्य प्रशासनिक सेवा की एक अफसर, जिसपर बिहार से लेकर झारखंड तक 19 साल से अधिक समय तक विभागीय कार्यवाही चली. यह विभागीय कार्यवाही 14 हजार रुपये की अनियमितता को लेकर चली. अफसर पर आरोप यह लगा था कि 14 हजार रुपये से डीसी बिल की अनियमित तरीके से छपाई करवाई गई थी. लेकिन 19 साल तक चली जांच में यह पाया गया कि इसमें किसी भी तरह की अनियमितता प्रतीत नहीं होती है, क्योंकि यह सक्षम पदाधिकारी के द्वारा विपत्र पारित किया गया था. जिस अफसर पर इतने लंबे समय तक विभागीय कार्यवाही चली, उस अफसर का नाम खीस्तीना हांसदा है. इसी सप्ताह कार्मिक ने आदेश जारी कर कहा कि आरोप से जुड़ी संचिका अस्त कर दी गई है. अब खीस्तीना हांसदा सेवानिवृत्त हो चुकी हैं.

14 हजार रुपये की अनियमितता का लगा था आरोप

क्या है पूरा मामला

खीस्तीना हांसदा के खिलाफ नालंदा के तत्कालीन जिला पदाधिकारी द्वारा 26 जून 2005 को गठित जांच समिति से प्राप्त प्रतिवेदन में अनुशंसा की गई कि किस परिस्थिति में 14 हजार रुपये का डीसी बिल की छपाई करायी गयी. इसका कोई औचित्य नहीं प्रतीत नहीं होता है. इस संबंध में खीस्तीना हांसदा को स्थिति स्पष्ट करने के लिए विभाग से आदेश देने का अनुरोध किया गया. इसके बाद 26 सितूंबर 2005 को हांसदा को जिला पदाधिकारी, नालंदा को वस्तुस्थिति से अवगत कराने के लिए निर्देशित किया गया. इसके अनुपालन में उन्होंने जिला पदाधिकारी को स्थिति स्पष्ट करते हुए आरोप मुक्त करने का अनुरोध किया.

जांच में नहीं मिली अनियमितता

खीस्तीना हांसदा के खिलाफ लगे आरोपों के संबंध में जांच समिति ने पाया कि इसमें अनियमितता प्रतीत नहीं होती है. क्योंकि सक्षम पदाधिकारी द्वारा यह विपत्र पारित है. इसके बाद जिला पदाधिकारी, नालंदा के पत्र के साथ संलग्न जांच प्रतिवेदन की अनुमंडल नजारत, हिलसा की जांच वित्त विभाग (अंकेक्षण), बिहार, पटना के विशेष दल से कराने की अनुशंसा की गई. साथ ही सुस्पष्ट मंतव्य मांगा गया. जांच समिति की अनुशंसा के आलोक में अनुमंडल नजारत, हिलसा के लेखाओं का विशेष अंकेक्षण कराया गया. समीक्षा के बाद मामले से जुड़ी फाइल निरस्त कर दी गई. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया है.

झारखंड के पहले चरण में तीन लोस सीटों पर रही नेक टू नेक फाइट

साइलेंट वोटरों की भूमिका अहम

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड की 14 लोकसभा सीटों पर हो रहे लोकसभा चुनाव में साइलेंट वोटरों की भूमिक अहम मानी जा रही है. राज्य के पहले चरण में पलामू, सिंहभूम, खूंटी और लोहरदगा सीट पर चुनाव संपन्न हो चुका है. यहां नेक-टू नेक फाइट के कयास लगते रहे थे. हालांकि एनडीए और इंडिया, दोनों गठबंधन चारों सीटों पर जीत का दंभ भर रहे हैं. पहले चरण में भी साइलेंट वोटरों की भूमिका अहम रही है.

चुनाव में अक्सर साइलेंट वोटर राजनीतिक वाद-विवाद में उलझे या चर्चा करते नहीं दिखते हैं. हालांकि, चुनावी बाजी पलटने में इनकी भूमिका अहम होती है. वहीं, विगत 13 मई को हुए चुनाव में राजनीतिक दल के नेता और कार्यकर्ता की पहुंच से कई गांव दूर रहे. वहां लोगों ने अपने मतों का आधार सरकारी योजना से मिल रहे लाभ को बनाया. फिलहाल, झारखंड में तीन चरणों का चुनाव शेष है. इसमें 20 मई को चतरा, कोडरमा व हजारीबाग, 13 मई को रांची, गिरिडीह, जमशेदपुर व धनबाद और अंतिम चरण में एक जून कोराजमहल, दुमका व गोड्डा लोकसभा में मतदान होना है. अब चार जून को पता चलेगा है कि शह और मात के इस चुनावी खेल में किसकी नैया पार लगी और कौन बीच मंझधार में डूब गया.

खास बातें

- झारखंड में तीन चरणों में 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव बाकी
- चार जून को शह-मात के चुनावी खेल का आयेगा परिणाम

राजनीतिक पंडितों की गणित में हाशिये पर रहते हैं साइलेंट वोटर

आमतौर पर महिलाओं और बुजुर्गों को साइलेंट वोटरों की श्रेणी में रखा जाता है. इनका एक पक्का राजनीतिक मत होता है, लेकिन ये राजनीतिक पंडितों की गणित में हाशिये पर रहते हैं. राजनीति के माहिर खिलाड़ी का सबसे ज्यादा फोकस युवाओं या फिर पुरुषों पर रहता है. वे मानते हैं कि वोट तय करने में इन दोनों वर्गों की भूमिका सबसे अहम होती है, जो काफी हद तक सही भी है. लेकिन वोटों का अंतर प्रभावित करने में साइलेंट वोटर बड़ा खेल कर जाते हैं.

सिंहभूम में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के वोटों का अंतर निर्णायक

सिंहभूम लोकसभा में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के पड़े वोटों का अंतर ही निर्णायक भूमिका अदा करेगा. यहां भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा और झामुमो प्रत्याशी जोबा माझी के बीच कड़ा मुकाबला था. कई समाजिक संगठनों ने हो जनजाति के उम्मीदवार को चुनाव लड़ाने की बात झामुमो से की थी. दूसरी ओर भाजपा से कुर्मी जाति नारज चल रही थी. कयास लगाये जा रहे हैं कि भाजपा को इसका खामियजा उठना पड़ा है. वहीं, साफ छवि के निर्दलीय माधव चंद्र कुनकल भी झामुमो की हार-जीत के बीच के ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकते हैं. वैसे जोबा मांझी के लिए झामुमो के विधायकों ने पूरी मेहनत की है.

इस बार भी रोचक रहेगा खूंटी लोकसभा का परिणाम

खूंटी लोकसभा की सीट भाजपा के अर्जुन मुंडा के लिए इस बार भी आसान नहीं रही. पार्टी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा भी ऊपरी तौर पर ही साथ दिखे. सूत्र बताते हैं कि वह खेल करने में सफल हो गये हैं. वहीं, कोलेबिरा और सिमडेगा विधानसभा में भाजपा को बढ़त मिल सकती है. विधानसभा स्तर पर देखें, तो हर क्षेत्र में अलग-अलग वर्ग का प्रभाव देखने को मिला है. ईसाई और मुस्लिम वोटर एकजुट रहे हैं. सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस की तरफ इनका रुझान रहा. खूंटी विधानसभा में सरना वोटरों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई. बहरहाल, पिछले चुनाव की तरह इस बार भी खूंटी का परिणाम रोचक रहने वाला है.

लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र में दिखा धार्मिक ध्रुवीकरण

लोहरदगा में चमरा लिंडा की वजह से त्रिकोणीय मुकाबले की बात हो रही थी. लेकिन, कुछ हद तक ही ऐसा होता दिखा. स्थानीय स्तर पर लोहरदगा में धार्मिक ध्रुवीकरण भी देखा गया है, जिसका लाभ भाजपा के खाते में आ सकता है. वहीं, इस बार के कांग्रेस उम्मीदवार 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा में चले गये थे. इस कारण इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पुराने वोटर चमरा लिंडा की ओर शिफ्ट कर गये थे. हालांकि, सिसई व बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र में पड़े वोट कांग्रेस के लिए सिरदर्द साबित हो सकते हैं. अब चार जून को ही तय होगा कि जीत की खुशी किस खेमे में गयी और हार का गम किस खेमे में.

ओरमांझी जू में चार नवजात शावकों की मौत, उठे सवाल

खास बातें

- जू प्रबंधन का तर्क- दम घुटने से हुई शावकों की मौत
- पांच दिन पहले बाघिन ने दिया था शावकों को जन्म

प्रमुख संवाददाता। रांची

राजधानी रांची के ओरमांझी जैविक उद्यान में हुई चार शावकों की मौत पर सवाल उठ रहे हैं. इन शावकों को बाघिन गौरी ने महज पांच दिन पहले जन्म दिया था. 10 मई को चार शावकों का जन्म हुआ था. जू प्रबंधन का तर्क है कि चारों शावक बाघिन के बेहद करीब आ गए थे और बाघिन के नीचे दबने के कारण दम घुटने से उनकी मौत हो गई. दूसरी बात जो सामने आ रही है, उसमें कहा जा रहा है कि शावकों के जन्म के बाद से ही सीसीटीवी के जरिए पूरी मॉनिटिरिंग की जा रही थी. जू प्रबंधन द्वारा आनन-फानन में चारों शावकों का पोस्टमार्टम कराने के बाद उनके शव को शवदाहगृह में जला दिया गया.

वर्ष 2021 में भी हुई थी एक बाघ की मौत : ओरमांझी जू में वर्ष 2021 को बाघ शिवा की मौत हो गई थी. उसके बार में कहा गया था कि वह बीमार था. उसका इलाज उद्यान व कांके वेटनरी कॉलेज के चिकित्सक कर रहे थे. बुखार भी ठीक हो गया था. फिर कहा गया कि बाघ ने भोजन करना बंद कर दिया. फिर जांच की गई, तो कहा गया कि बाघ की किडनी और लीवर खराब होने के कारण मौत हो गई. हालांकि, बाघ का सैंपल लिया गया था, जिसे जांच के लिए बरेली भेजा जाना था. साथ ही इलाज के लिए जमशेदपुर से चिकित्सक को बुलाया गया था. इस पर कई सवाल भी खड़े हुए थे.

सात लोमड़ियों की भी हुई थी मौत

वर्ष 2022 में ओरमांझी जू में सात लोमड़ियों की भी मौत हो गई थी. इसकी वजह संक्रामक कैनाइन डिस्टेंपर वायरस बताई गई थी. लोमड़ियों की मौत के बाद उद्यान प्रबंधन ने जांच के नमूने आईवीआरआई को भेजे थे. आईवीआरआई ने अपनी रिर्पोट में बताया कि लोमड़ियों की मौत कैनाइन डिस्टेंपर वायरस से हुई. इसके बाद उद्यान में सभी जानवरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक एहतियात बरते जा रहे थे. निगरानी के लिए अलग-अलग टीमें भी बनाई गई थीं. इसके बावजूद उद्यान में हादसे हो रहे हैं, जिस पर सवाल उठ रहे हैं.

बिलासपुर से लायी गयी थी बाघिन गौरी

बाघिन गौरी को वर्ष 2018 में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से लाया गया था. गौरी ने पहली बार 10 मई की रात को एक और 11 मई को तीन शावकों को जन्म दिया था. सभी शावक सामान्य व स्वस्थ बताए गए थे. बाघ के शावकों की आंख जन्म के 15वें दिन खुलती है. ऐसे में समान्य तौर पर बाघिन ही अपने शावकों की देखरेख करती है.

बड़कागांव रंगदारी मामला

अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने ट्रैक्टरों को जलाने में गिरोह की संलिप्तता से कर दिया इनकार

रांची। हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र स्थित सांढ़ गांव में सोमवार की देर रात तीन ट्रैक्टरों को जला दिया गया था.

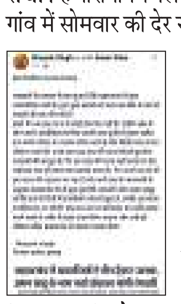

घटना को अंजाम देने के बाद अज्ञात अपराधियों ने घटनास्थल पर अमन साहू गिरोह के नाम का पर्चा छोड़ा था. लेकिन अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने इस घटना में अपनी संलिप्तता से इनकार किया है. इस संबंध में मयंक सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रेस विज्ञप्ति जारी की है. मयंक सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि अखबारों से पता चला कि बड़कागांव में आसमाजिक तत्वों ने कुछ वाहनों को जलाया और बॉस के नाम से रंगदारी मांगी. लेकिन इस घटना से हमारे गैंग का कोई लेना देना नहीं है.

हजारीबाग जेल से छूटे छुटभैया अपराधी की संलिप्तता आ रही सामने : मयंक सिंह ने लिखा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए अपनी जमा-पूंजी से ट्रैक्टर खरीदते हैं और किसी तरह अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं. उनके साथ इस तरह की घटना किसी छूटभैया अपराधी की करतूत है. गैंग इस तरह की घटना नहीं करता है और ना ही इस तरह की घटना का समर्थन करता है. गैंग अपने स्तर से भी इस घटना की जांच कर रहा है. अभी तक सामने आयी जानकारी के अनुसार, बड़कागांव के ही कुछ छुटभैये अपराधी और उनका समूह है, जो हाल के दिनों में हजारीबाग जेल से छूटा है, उनकी इस घटना में संलिप्तता आ रही है. बॉस के नाम का इस्तेमाल कर छवि खराब करने वालों के शरीर का खाल उतार लिया जायेगा और उन्हें पूरे परिवार सहित बड़कागांव से पलायन करना होगा. अज्ञात अपराधियों ने ट्रैक्टर मालिकों से सालाना दो हजार रंगदारी की मांग की थी. अमन साहू के नाम से बड़कागांव थाना क्षेत्र के सांढ़ गांव में सोमवार की रात 12 बजे तीन ट्रैक्टर को जला दिया गया था. पर्चा में वार्निंग देते हुए कहा गया था कि बड़कागांव कमेटी को सूचित किया जाता है कि प्रत्येक ट्रैक्टर से दो हजार रुपये सालाना चाहिए, पैसा नहीं मिलने पर जान माल की हानि होती रहेगी.

प्रशिक्षण संस्थान के पासिंग आउट परेड में एकरूपता की कमी, गाइडलाइन जारी

संवाददाता। रांची

झारखंड पुलिस के प्रशिक्षण संस्थान में होने वाले पासिंग आउट परेड में एकरूपता की कमी देखी जा रही है. इसे लेकर डीजीपी अजय कुमार सिंह ने गाइडलाइन जारी की है. जारी आदेश में कहा गया है कि इस वर्ष जैप - 1 रांची और जैप -9 साहेबगंज में जिला और सशस्त्र वाहिनी के नवनियुक्त आरक्षियों का पासिंग आउट परेड संपन्न हुआ. परेड के निरीक्षण के दौरान देखा गया कि प्रशिक्षण संस्थान वार पासिंग परेड की प्रक्रिया में काफी भिन्नता है. इसे लेकर झारखंड पुलिस के सभी प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण के बाद होने वाले पासिंग आउट परेड के लिए 38 बिंदुओं का एक गाइडलाइन जारी किया गया है.

38 बिंदुओं का एक गाइड लाइन जारी किया गया है

गाइडलाइन का पालन करने का आदेश

- पासिंग आउट परेड के लिए परेड ग्राउंड की क्षमता के अनुसार पुरुष-महिला प्रशिक्षुओं का प्लाटून तैनात किया जाएगा.
- **परेड शुरू होने से न्यूनतम 20 मिनट पहले मैदान में निर्मित किले का द्वार खोल दिया जाएगा.**
- सभी प्लाटून अपने-अपने निर्धारित निरीक्षण लाइन पर पहुंचकर कदमताल करते हुए बैंड की धुन पर थम जाएंगे.
- **विशिष्ट-अति विशिष्ट व्यक्ति के सलामी मंच पर निर्धारित स्थान पर पहुंचते ही परेड कमांडर द्वारा कमांड दिया जाएगा.**
- परेड किया बाजू शस्त्र की स्थिति में आने पर परेड कमांडर सलामी मंच की ओर मार्च करेंगे.
- **राष्ट्रीय सैल्यूट के समय आमंत्रित सभी अतिथि परेड ग्राउंड में खड़े होंगे और उनमें जो वर्दीधारी अधिकारी होंगे, उन्हें सैल्यूट करेंगे.**
- परेड कमांडर द्वारा मानवाधिकार और पुलिस कर्तव्य को पढ़ाते हुए सभी प्रशिक्षुओं को शपथ दिलायी जाएगी
- **शपथ ग्रहण के बाद डंके की आवाज पर पुरुष-महिला प्रशिक्षु सावधान की स्थिति में आएंगे.**
- ध्वज टोली के निर्धारित स्थान पर पहुंचने के बाद परेड कमांडर द्वारा कमांड दिया जाएगा.

झारखंड अग्निशमन विभाग को मिलेंगे 13 नए दमकल वाहन

रांची। अग्निशमन विभाग का संसाधन इस गर्मी में बढ़ने वाला है. आग से मुकाबला करने के लिए फायर ब्रिगेड में 13 नये दमकल वाहन जुड़ने जा रहे हैं. इनके फेब्रिकेशन का काम पूरा हो गया है. जिसके बाद अग्निशमन विभाग की चार सदस्यीय टीम दमकल वाहन के निरीक्षण के लिए महाराष्ट्र के पालघर गयी है. जून महीने में सभी 13 दमकल वाहन झारखंड अग्निशमन विभाग के मुख्यालय आ जायेगी.

निर्वाचन आयोग ने जारी किया फाइनल वोटर टर्नआउट

पहले चरण में चार लोस सीटों पर 66.01% मतदान

संवाददाता। रांची

झारखंड के पहले चरण में चार लोकसभा सीटों (सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू) पर 13 मई

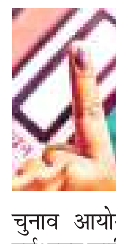

को शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न हुआ. चुनाव संपन्न होने के एक दिन बाद 14 मई की देर रात को चुनाव आयोग ने फाइनल वोटर टर्नआउट जारी किया है. जारी लिस्ट के अनुसार, सिंहभूम में 69.32%, खूंटी में 69.93%, लोहरदगा में 66.45% और पलामू में 61.27% मतदान हुआ.

खूंटी लोकसभा सीट पर अनुमानित वोट प्रतिशत

खरसावां	78.38%
खूंटी	68.72%
कोलेबिरा	66.49%
सिमडेगा	66.75%
तमाड़	72.35%
तोरपा	66.75%

लोहरदगा लोकसभा सीट पर अनुमानित वोट प्रतिशत

बिशुनपुर	63.36%
गुमला	64.74%
लोहरदगा	70.05%
मांडर	67.39%
सिसई	66.12%

पलामू लोकसभा सीट पर अनुमानित वोट प्रतिशत

भवनाथपुर	63.69%
बिश्रामपुर	59.30%
छतरपुर	60.05%
डाल्टनगंज	62.39%
गढ़वा	64.72%
हुसैनाबाद	55.45%

सिंहभूम लोकसभा सीट पर अनुमानित वोट प्रतिशत

चाईबासा	71.39%
चक्रधरपुर	68.31%
जगन्नाथपुर	69.41%
मंझगांव	69.18%
मनोहरपुर	65.35%
सरायकेला	70.98%

दो साल में सीआईडी की साइबर सेल में 22924 मामले दर्ज

रांची। झारखंड सीआईडी के अधीन कार्यरत साइबर अपराध थाना में मार्च 2022 से अबतक 22924 मामले दर्ज हुए हैं. इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 11.32 करोड़ रुपये फ्रीज किये गये. वहीं फरवरी 2024 से लेकर अब तक यानी पिछले तीन महीने में साइबर अपराध थाना में साइबर ठगी संबंधित 18 कांडों में पैसा रिफंड भी कराया गया. साइबर सेल की टीम ने साइबर अपराधियों द्वारा ठगी किये गये 1.01 करोड़ पीड़ितों को रिफंड कराया.

हेल्पलाइन नंबर 1930 दर्ज कराये शिकायत : साइबर ठगी का शिकार होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं. रिपोर्ट किये जाने पर साइबर थाना ठगी से संबंधित बैंक खाता और ट्रांजैक्शन को ब्लॉक करता है. गृह मंत्रालय ने नेशनल साइबर क्राइम रिर्पोटिंग पोर्टल की शुरुआत की है.

क्लासिफाइड

उत्कर्ष साइंस इंटर कॉलेज हजारीबाग (साइंस एवं आर्ट्स)

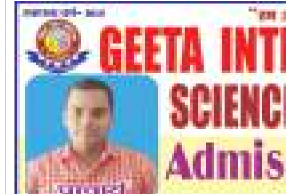

साइंस, आर्ट्स नामांकन जारी (सत्र 2024/2026)

छात्रों का निशुल्क नामांकन

कॉलेज फैसिलिटी

1. रेगुलर क्लास की व्यवस्था
2. प्राइवेट ट्यूशन की आवश्यकता नहीं
3. प्रत्येक माह 2 दिन प्रैक्टिकल कीसुविधा
4. रिवीजन के साथ टेस्ट
5. साइंस टेस्ट की सुविधा
6. कमजोर छात्रों के लिए एक्स्ट्रा क्लासेस की सुविधा
7. इंग्लिश स्पोकन क्लासेस
8. हॉस्टल फैसिलिटी
9. स्कॉलरशिप कीसुविधा

संपर्क करें : जावरा रोड, नियर शिव मंदिर, कोर्रा, हजारीबाग
मोबाइल नंबर- 971141963,7209563687,7970724567

आशंका — झारखंड में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, तापमान में होगी वृद्धि

18 मई से चलने लगेगा हीट वेब, येलो अलर्ट जारी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलेगा. मौसम विभाग ने 18 मई से हीट वेब चलने की आशंका जताई है. सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम व पश्चिमी सिंहभूम के अलावा संताल परगना के कम से कम चार जिलों में हीट वेब चलने की आशंका है. इसको लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है. वहीं राज्य में अगले तीन से चार दिनों में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक तापमान में वृद्धि हो सकती है. वहीं 20 व 21 मई से राज्य के उत्तर-पूर्वी तथा दक्षिणी भागों यानी संताल परगना व कोल्हान प्रमंडल में कहीं-कहीं गरज के साथ हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है.

इन जगहों पर चलेगी लू

राज्य के सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में 18 मई को कहीं-कहीं लू की स्थिति देखी जा सकती है. इसी तरह 19 मई को राज्य के सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, गढ़वा, पलामू, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ व साहिबगंज जिले में कहीं-कहीं लू की स्थिति देखी जा सकती है.

20 मई को इन जगहों पर हो सकती है बारिश

ज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिणी भागों में 20 व 21 मई को कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश होने की उम्मीद है. इसका असर पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा व धनबाद जिले में देखने को मिलेगा.

19 मई को भी चलेगा हीट वेब

मौसम विभाग के अनुसार दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज के अलावा गढ़वा और पलामू में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना होगा. वहीं राजधानी रांची के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि होगी. पारा 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | धनबाद, गुरुवार 16 मई 2024 ● बैशाख शुक्ल पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 37 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

जब्त वाहन के मालिक कागजात कराएं अप टू डेट

धनबाद। नोडल अधिकारी ने लोकसभा चुनाव के लिए जब्त किए गए वाहनों के मालिकों को सभी कागजात अप-टू-डेट कराने का निर्देश दिया है. अप-टू-डेट कागजात तथा वाहन मालिकों के बैंक डिटेल्स भी जमा करने को कहा गया है. गोल्फ ग्राउंड में बने वाहन कोषांग में सभी कागजात जल्द से जल्द जमा करने को कहा गया है. वीएमएस (व्हीकल्स मैनेजमेंट सिस्टम) में शामिल सभी पेट्रोल पंप के मालिकों को निर्देश दिया गया है कि चुनाव के लिए वाहनों में पेट्रोल की जरूरत पड़ेगी. इस कारण ऐसे सभी पेट्रोल पंप डीजल-पेट्रोल का पर्याप्त मात्रा में भंडार रखें.

चिरकुंडा : वाहन जांच में 1.15 लाख रु जब्त

मैथन। झारखंड-बंगाल सीमा के चिरकुंडा (बराकर) चेकपोस्ट पर मंगलवार की रात वाहन जांच के दौरान दो वाहनों से एसएसटी टीम ने कुल 1.15 लाख रुपये जब्त किया है. मंगलवार की रात पश्चिम बंगाल के आसनसोल निवासी शमशेर खान से 60 हजार रुपये एवं सासाराम, बिहार निवासी धीरज कुमार से 55 हजार 9 सौ रुपये कुल 1 लाख 15 हजार 9 सौ रुपये जब्त किया गया है. चिरकुंडा पुलिस ने बताया कि बरामद नगदी के संबंध में वे दोनों संतोषजनक जवाब नहीं दिया और ना ही कोई कागजात प्रस्तुत किये.

एसएनएमएमसीएच में गिरिडीह का बिरहोर भर्ती

धनबाद। गिरिडीह के हजारीबाग रोड के पिपराडीह के रहनेवाले बिरसा बिरहोर को इलाज के लिए सोमवार की देर रात एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है. अस्पताल पहुंचते ही उसका इलाज शुरू कर दिया गया है. निःशुल्क दवा समेत अन्य तरह की सुविधाएं मुहैया करायी जा रही हैं. एसएनएमएमसीएच के सर्जरी विभाग में उसे भर्ती किया गया है. उसके शरीर में जख्म हो गये हैं. उसे स्पाइन में भी समस्या है

जलेश्वर महतो के नेतृत्व में निकली डेढ़ किलोमीटर की लंबी पदयात्रा, कहा अबकी बार, गंगा पार

धनबाद में सुख-चैन चाहिए तो कांग्रेस को चुनें : जलेश्वर महतो

संवाददाता ।पुटकी

धनबाद लोकसभा की कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पक्ष में महागठबंधन समर्थकों ने जलेश्वर महतो के नेतृत्व में करकेंद नेहरू पार्क से केंदुआ पुल तक डेढ़ किलोमीटर की पदयात्रा निकाली. इसमें सैकड़ों समर्थक शामिल हुए. केंदुआ पुल स्थित बीच सड़क पर आयोजित डेढ़ घंटे की सभा के चलते आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया. कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने कहा कि देश में महंगाई,बेरोजगारी बढ़ी है. झारखण्ड का हृदय धनबाद से एयरपोर्ट, एम्स छीन गया पर बीजेपी की जुमलेबाजी बंद नहीं हो रही. चुनाव में जनता सबक दिखाएगी व उन्हें 400 पार नहीं गंगा पार कर देगी.

उन्होंने अपील किया कि धनबाद में अमन चैन, शांति के लिए कांग्रेस प्रत्याशी को जिताएं. प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने कहा कि जनता सत्य व न्याय की लड़ाई में साथ दें उनका साथ निभाने के लिए आई हूं. जनता को ही तय करना है कि विकास,बच्चों का भविष्य उन्नति चाहते हैं कि नहीं.देश व जन विकास के लिए कांग्रेस ही विकल्प है. पदयात्रा में शामिल होकर सभा को सम्बोधित करनेवालों में पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक,जिलाध्यक्ष सन्तोष सिंह,सुंदर यादव,प्रो डीके सिंह,असलम मंसुरी, राजकुमार महतो,संजय जयसवाल,सुखदेव विद्रोही,मुर्तजा अंसारी,शाहरुख खान,जय प्रकाश चौहान,राम गोपाल भुवानियां,जावेद रजा, गोपाल कृष्ण चौधरी, अजय रवानी आदि थे.

चुनावी समर 2024

जनसंपर्क व नुक्कड़ सभा में उमड़े समर्थक

धनबाद : अनुपमा सिंह का कारवां धनसार के अशोक नगर से प्रारंभ हुआ. मटकुरिया अफसर कॉलोनी, गोधर कुर्मीडीह बस्ती, गोधर 26 नंबर बस्ती, हाजरा बस्ती, कुसुंडा दलित बस्ती, न्यू कॉलोनी हनुमान मंदिर, न्यू कालोनी खरिकाबाद, छोटा खरिकाबाद दास बस्ती, अंबेडकर चौक, जेटीसी ट्रेनिंग स्कूल काली मंदिर के पास, राजेंद्र ग्राउंड में नुक्कड़ सभा, कबाड़ी पट्टी वार्ड नंबर 19 , वासेपुर मिल्लत हाई स्कूल कमर मखदुमी रोड वार्ड नंबर 14 निषाद नगर फारुकगंज, बेकारबांध काली मंदिर मालती रेजिडेंसी, हाउसिंग कॉलोनी के सर्वेश्वरी आश्रम के समीप, हाउसिंग कॉलोनी के रामाशंकर सिंह के आवास के समीप, जयप्रकाश नगर, बाबूडीह सहित कई जगहों पर जनसंपर्क किया.

एसएसपी ने किया चेकिंग प्वाइंट का निरीक्षण

धनबाद। धनबाद एसएसपी एचपी जर्नादनन ने बुधवार को जिले के कई चेकिंग प्वाइंट का औचक निरीक्षण किया. जीटी रोड से लेकर झरिया समेत कई ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में बनाए गए चेक पोस्ट की जांच की. इस दौरान वहां तैनात पुलिस कर्मियों को सजग रहने का निर्देश दिया. नियमानुसार चेकिंग करने और वाहनों की जांच पड़ताल करने की बात कही. बताते चलें कि एसएसपी लगातार चेकिंग प्वाइंट पर नजर बनाए हुए हैं और इनका निरीक्षण भी कर रहे हैं. इन चेकिंग प्वाइंट से लगातार नगद रुपये की बरामदगी भी हो रही है. इंटरस्टेट चेकपोस्ट लेकर थाना स्तर पर बनाए गए चेकपोस्ट से अब तक लाखों रुपये की बरामदगी हो चुकी है. चेकपोस्ट पर लगातार एसएसपी नजर बनाये हुए हैं और अधिकारियों को भी समय-समय पर निरीक्षण का निर्देश दे रखा है.

झारखंड में लूट के सिवा और कोई काम नहीं हुआ : हेमंत विश्वा सरमा

चिरकुंडा में ढुल्लू महतो के समर्थन में चुनावी सभा को असम के सीएम ने किया संबोधित

संवाददाता ।मैथन

खास बातें

- वाजपेयी ने किया था झारखंड प्रदेश का गठन
- 15 सालों में बन जाना चाहिए था देश का नंबर वन राज्य

असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वा सरमा ने कहा कि झारखंड में मोदी लहर ही नहीं मोदी की सुनामी चल रही है. झारखंड के सभी सीट बीजेपी जीत रही है. 400 सीट हासिल करने के मेकैनिज्म को लेकर के विपक्ष परेशान है। असम के सीएम बुधवार को चिरकुंडा श्रम कल्याण केंद्र परिसर में एनडीए प्रत्याशी ढुल्लू महतो के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि यह मिशन 2029 में 500 पार कर जाएगा. 300 पार किया तो देश में बहुत बदलाव हुआ. महिलाओं को आरक्षण मिला, अयोध्या में रामलला का मंदिर बना और प्राण प्रतिष्ठा हुआ. धनबाद समेत झारखंड में कई नामी गिरामी उद्योग जो बंद पड़े हैं, उन उद्योगों को चालू करने की प्राथमिकता यहां से जो प्रत्याशी हैं, उनकी जिम्मेवारी होगी और वे उन बंद पड़े फैक्ट्री को चालू कराएंगे. जिससे रोजगार उत्पन्न होगा और यहां के युवाओं को रोजगार भी मिलेगा. देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड नहीं है. कांग्रेस को यही बात हजम नहीं हो रही है और वह कह रही है कि जब कांग्रेस की सरकार बनेगी तो राम मंदिर का शुद्धिकरण किया जाएगा. वे झामुमो पर भी जमकर बरसे और कहा कि लूट मचा कर रखा है, जिसका प्रमाण कांग्रेस के मंत्रियों के घर से 35 करोड़ रूपये का मिलना है.

कांग्रेस नेताओं के घर के पैसे को जब्त करेंगे और भाजपा की सरकार का 15 साल में झारखंड को नंबर वन प्रदेश बनाना ही मुख्य लक्ष्य है. उन्होंने कहा कि यहां युवाओं को नौकरी मिलती नहीं है. मोदी जी ने असम में एक लाख नौकरी दिया, झारखंड में युवाओं में 5 लाख नौकरी देना चाहिए, लेकिन यहां रुपया लूटने के सिवा झारखंड सरकार ने कुछ नहीं किया है. असम में माताओ को 1250 रुपये उनके अकाउंट में मिलता है. यहां कोई स्कीम नहीं है, बल्कि केंद्र के पैसा को भी यहां पर लूटा जाता है. यहां पर हेमंत जेल में है तो पत्नी को नेता बना दिया गया. अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा झारखंड प्रदेश का गठन किया गया, तो 10 से 15 सालों के अंदर में नंबर वन राज्य बन जाना चाहिए था, पर ऐसा कुछ नहीं हुआ. मौके पर राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश बाघमारा के यशस्वी विधायक व लोकसभा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के पक्ष में कहा कि वह जब बोलते हैं तो कांग्रेस की दिल दहलती है. कार्यक्रम की शुरूआत निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता के स्वागत भाषण से हुआ.

अग्निवीर रिटायर हो सकते हैं तो मोदी क्यों नहीं : तेजस्वी

विशेष संवाददाता।गिरिडीह/रांची

खास बातें

- बेंगाबाद में एक मंच पर आए तेजस्वी, चंपाई व कल्पना
- गांडेय विस से झामुमो प्रत्याशी कल्पना के लिए मांगे वोट
- माले प्रत्याशी विनोद सिंह के समर्थन में की चुनावी सभा

गांडेय विधानसभा के बेंगाबाद में बुधवार को राजद के स्टार प्रचारक बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन, मंत्री बन्ना गुप्ता, माले विधायक एवं कोडरमा से प्रत्याशी विनोद सिंह सहित इंडिया के अन्य नेता एक मंच पर आए. तेजस्वी ने कोडरमा लोकसभा से माले प्रत्याशी विनोद सिंह और गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी कल्पना सोरेन के समर्थन में सभा की.

चुनावी सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गलत नीतियों के कारण 25 करोड़ युवा ओवर एज्ड होकर बेरोजगार हैं. पीएम भी अब ओवर एज्ड हैं. प्रधानमंत्री ने स्वयं यह नीति बनाई है कि 75 वर्ष की आयु प्राप्त होने के बाद रिटायर होकर 'मार्गदर्शक मंडली' मंर शामिल होना है. अगर वो अग्निवीर को 22 साल की उम्र में जबरन सेवानिवृत्त कर रहे हैं, तो मुझे उम्मीद है कि पीएम 75 वर्ष में रिटायर होने की अपनी ही बनायी नीति, नियम और सिद्धांत का अनुपालन अवश्य करेंगे.

हेमंत के काम से भाजपा के पेट में दर्द : चंपाई

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज झारखंड की दशा एवं दिशा के लिए पूर्ववर्ती भाजपा की सरकारें जिम्मेवार हैं. 2019 में हेमंत बाबू के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत वाली गठबंधन की सरकार बनी. सरकार बनते ही कोरोना आ गया. इसके बाद काम में तेजी आयी. हर वर्ग के लिए काम शुरू हुआ, योजनाएं चलने लगी. इसके बाद भाजपा के पेट में दर्द होने लगा. कभी सरकार गिराने का प्रयास, तो कभी सरकार को अस्थिर करने का प्रयास. जब इसमें ये विफल रहे, तो हेमंत बाबू को बिना कोई कागज-पत्तर, बिना कोई सबूत के जेल भेजने का काम किया.

भोलेनाथ की आराधना

संवाददाता ।धनबाद

श्रीश्री चरक पूजा समिति ग्राम पंचायत सरायढेला की ओर आयोजित चार दिवसीय भोक्ता पर्व के दूसरे दिन ढाक सिद्धो पूजा की गयी. समिति के संरक्षक शिव प्रसाद महतो ने बताया कि 70 भक्तों ने तालाब में स्नान कर शिव मंदिर में भोलेनाथ की आराधना के साथ ढाक सिद्धो पूजा की. शिव बाबा व अन्य देवी देवता की पूजा अर्चना करने के बाद कार्यक्रम स्थल की पूजा की. पुजारी गोलक मंडल ने ढाक सिद्धो मंत्रोच्चारण किया. ढाकी ने ढाई काठी ढाक बजाया. इसपर भोक्तियां घुटने के बल जमीन में झुककर शिव बाबा के चरणों में भक्ति समर्पित की.

टुंडी में विधायक-सांसद के विरोध में जुलूस

- ढोल-नगाड़े के बीच लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन, खूब लगे मुर्दाबाद के नारे
- कह दिया कि रोड नहीं तो वोट नहीं, सांसद-विधायक गांव आकर करें बात

संवाददाता ।टुंडी

गिरिडीह लोकसभा के टुंडी खाखुडीह के लोगों ने बुधवार को स्थानीय सांसद और विधायक के विरोध में जोरदार जुलूस निकाला. जुलूस में बाजाब्ता माइक व ढोल नगाड़े बजाते हुए गिरिडीह सांसद और टुंडी विधायक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई. लोगों ने साफ कह दिया कि यहां रोड नहीं तो वोट भी नहीं मिलेगा.नारेबाजी के बीच जुलूस ने गांव के कई इलाकों का भ्रमण भी किया.जुलूस में महिलाओं की संख्या काफी थी. ग्रामीणों में सड़क को लेकर काफी आक्रोश देखा गया. सांसद व विधायक को गांव आकर इस मसले पर बात करने की चेतावनी दी गई है.

खाखुडीह के लोगों ने बताया कि गांव में सड़क नहीं है. गांव के लोग पगडंडियों से ही आना-जाना करते हैं. ऐसे में दर्जनों बार जनप्रतिनिधियों के चौखट पर हाजिरी देकर हम लोगों ने यहां सड़क बनाने की गुहार लगाई. हर बार चुनाव आता है तो हम भोले-भाले ग्रामीणों को नेताओं द्वारा ठगा जाता है. हर बार कहा जाता है कि यहां अब सड़क बना दी जाएगी. लेकिन चुनाव खत्म होते ही कोई जीतता और कोई हारता है लेकिन हम ग्रामीण सिर्फ ठगे जाते हैं. इस कारण गांव के लोगों ने वोट बहिष्कार करने का एलान किया है. इस बार ग्रामीण तब तक वोट नहीं करेंगे, जब तक सड़क के मसले पर कोई ठोस पहल नहीं की जाती है. जन प्रतिनिधियों को गांव आकर बात करनी होगी.

गैस सिलेंडर लेकर सीपी चौधरी का विरोध किया

गिरिडीह लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी सह पूर्व सांसद सीपी चौधरी के विरोध के वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहे हैं. सोशल मीडिया में ये वीडियो चर्चा का विषय बने हुए हैं. तोपचांची क्षेत्र के लोगों के बीच एक नया वीडियो वायरल है. इसमें गैस सिलेंडर के साथ खड़े युवक भाजपा नेताओं का विरोध कर रहे हैं और जयराम महतो के समर्थन में नारेबाजी हो रही है. वीडियो में भाजपा के नेताओं का वाहन और उसमें सवार लोग भी साफ दिखाई दे रहे हैं. भाजपा के समर्थक भी झंडा फहरा रहे थे. दोनों के समर्थकों के आमने-सामने होने जैसे हालात दिख रहे थे. लेकिन बाद में भाजपा नेताओं का वाहन वहां से गुजर जाता है.

आईआईटी -आईएसएम के नए निदेशक के तौर प्रो. सुकुमार मिश्रा ने किया पदभार ग्रहण किया

प्रो. मिश्रा आईआईटी धनबाद में गढ़ेंगे विश्वस्तर के इंजीनियर

- इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बड़ा नाम है प्रो. मिश्रा का, कई पुरस्कारों से नवाजे जा चुके हैं
- डीन ने किया संस्थान में चल रही गतिविधियों व भविष्य की योजनाओं का विवरण पेश

संवाददाता ।धनबाद

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल आफ माइन्स) धनबाद की नये निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने 15 मई 2024 को अपना पदभार ग्रहण कर लिया. उन्होंने प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. जेके पटनायक से पद भार लिया. प्रो. पटनायक 1 जुलाई 2023 से संस्थान के कार्यवाहक निदेशक के रूप में सेवारत थे.

पदभार ग्रहण के पश्चात उन्होंने संस्थान के प्रशासनिक भवन के कांफ्रेंस हॉल में सभी दिन के साथ बैठक में भाग लिया. मौके पर संबंधित डीन द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से संस्थान में चल रही गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं का विवरण पेश किया गया. इसके बाद शाम में रजिस्ट्रार प्रमोद पांडेय के नेतृत्व में सभी अधिकारियों के साथ नए निदेशक की बैठक हुई. बता दें कि नए निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने प्रशंसित शोधकर्ता एवं प्रभावी प्रशासक के तौर पर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है.अपनी प्रशासनिक भूमिका के तहत उन्होंने आईआईटी दिल्ली-अबू धाबी कैंपस में डीन रिसर्च एंड एक्सटर्नल एंगेजमेंट और एसोसिएट डीन (आर एंड डी) के रूप में सेवा दी है. वह इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (आईईईई) के दिल्ली अनुभाग के कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में साथ-साथ काम कर रहे हैं. उनके शोध विशेषज्ञ पावर सिस्टम पावर क्वालिटी स्टडीज रिन्यूएबल एनर्जी एंड स्मार्ट गाइड विद्युतीय प्रणाली (विद्युत गुणवत्ता अध्ययन नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट ग्रिड विद्युत प्रणाली (विद्युत प्रणाली गुणवत्ता अध्ययन नवीकरण ऊर्जा और स्मार्ट ग्रिड के क्षेत्र में है). प्रोफेसर मिश्रा ने टाटा पावर, माइक्रोटेक और अन्य के साथ कई महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल कंसलटेंसी औद्योगिक परामर्श पर भी कार्य किए हैं. वह कंपनी अधिनियम 2013 के तहत स्लो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक हैं. यह कंपनी विशेष रूप से घरेलू स्तर के साथ-साथ व्यावसायिक सेटअप के उपयोग से किए जाने वाले रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स (नवीकरण ऊर्जा स्रोत) से संबंधित उत्पादों में काम करती है.

जानिए किन-किन अवार्ड से नवाजे जा चुके हैं प्रो. मिश्रा

उड़ीसा विज्ञान अकादमी द्वारा यंग साइंटिस्ट अवार्ड (1999) यंग साइंटिस्ट के लिए आईएनएसए यंग इंजीनियरिंग अवार्ड (2002), आईएनएसई सिल्वर जुबली यंग इंजीनियर अवार्ड (2012), दो सामान्य चंद्रशेखर पुरस्कार (2016), विमल बोस पुरस्कार (2019) और एनएएसआई रिलायंस प्लेटिनम जुबली पुरस्कार (2019), एनएएसआई रिलायंस प्लेटिनम जुबली पुरस्कार (2019), राष्ट्रीय मिशन इनोवेशन चैंपियन पुरस्कार (2019), आईएनएई उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार (2021), इनोवेशन लीडरशिप अवार्ड (2023), पुरस्कार के एल चोपड़ा अप्लाइड रिसर्च अवॉर्ड (2023), सहित अन्य उल्लेखनीय है। इन्हें आईएनएई-एनसीआरबी डीएसटी अब्दुल कलाम टेक्नोलॉजी इन्नोवेशन नेशनल फैलोशिप एनएएसआई (भारत), आईएनएई (भारत) और आईईटी(यूके) आईईटीटीइ (भारत), आईई भारत से फेलोशिप प्रदान की गई है.

दूर्गापुर पावर प्लांट जा रही मालगाड़ी हुई डिरेल

संवाददाता ।झरिया

बुधवार को 9 नंबर साइडिंग से कोयला लेकर दुर्गापुर पावर प्लांट जा रही मालगाड़ी कालिथान के पास बेपटरी हो गई. हादसे के बाद लगभग 4 घंटे तक उक्त लाइन पर परिचालन बाधित रही. 9 नंबर साइडिंग से दुर्गापुर समेत कई पावर प्लांटों में कोयला भेजा जाता है.

रेलवे अधिकारी के अनुसार हादसे लेकर जांच टीम गठित की गई हैं. प्रथम दृष्टिया में पोइंट में गड़बड़ी के कारण मालगाड़ी बेपटरी हुई है. मालगाड़ी बेपटरी होने के बाद क्रेन से बेपटरी डिब्बे को पटरी पर लाया गया. उसके बाद रेलवे ट्रैक को दुरूस्त किया गया. टीम में शामिल पदाधिकारी जांच कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपेंगे.

ब्रीफ खबरें

पूर्व विधायक अरूप चटर्जी को जमानत

धनबाद। मैथन डैम के पास मिलेनियम पार्क के पास बने अवैध दुकानों को हटाने के विरोध में कंबाइंड बिल्डिंग प्रशासनिक भवन के समीप धरना प्रदर्शन करने सुरक्षा कर्मियों पर जानलेवा हमला करने, पथराव करने, सरकारी काम में बाधा पहुंचाने के मामले में निरसा के पूर्व विधायक अरूप चटर्जी को राहत मिली. धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीसी अवस्थी की अदालत ने अरूप चटर्जी की अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार कर उन्हें जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया है.

बिरयानी दुकान के स्टाफ ने लगाई फांसी

झरिया। झरिया उपर कुल्ही सिंदरी रोड स्थित मनपसंद बिरयानी दुकान के स्टाफ ने बुधवार को फांसी लगा ली. उक्त स्टाफ मो. खालिद मोहलबनी का रहने वाला बताया जा रहा है. पंद्रह दिनों पूर्व ही मनपंसद बिरयानी की दुकान में काम करने आया था. उपर कुल्ही में बेलाल मस्जिद कैंपस में ही भाड़े में मकान ले कर रहा था. बुधवार को दुकान से लौटा और कमरे में आकर उसने फांसी लगा ली.

बिजखामसं के शाखा सचिव कार्तिक महतो बने

कतरास। बिहार जनता खान मजदूर संघ के महामंत्री रणविजय सिंह ने बीसीसीएल एरिया दो के एएमपी कोलियरी का शाखा कमिटी का पुनर्गठन करते हुए डुमरी के भूतपूर्व विधायक शिवा महतो के पुत्र कार्तिक महतो को शाखा सचिव बनाया है. साथ ही कमिटी में अध्यक्ष महेश कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष संजय सिंह, उपाध्यक्ष बिरुलाल साव, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार, उप-सचिव नरेश यादव, उप-सचिव रोहित कुमार दास, कोषाध्यक्ष कार्तिक कुमार, कार्यकारिणी सदस्य भारत कुमार, अनिल चौहान, सूरज चौहान, दिनेश रवानी, अरूण कुमार व अनंत गुप्ता को बनाया गया है.

रंजय हत्याकांड : अनुसंधानक का प्रतिपरीक्षण मुकम्मल

धनबाद। संजीव सिंह के करीबी रंजय सिंह की सरेआम गोली मारकर हत्या कर देने के मामले में अनुसंधानक सह सरायढेला के पूर्व थाना प्रभारी अरविंद कुमार का प्रतिपरिक्षण जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत में पूरा हुआ. बीते दो दिनों से उनके प्रति परीक्षण वरीय अधिवक्ता समर श्रीवास्तव आयुष श्रीवास्तव एवं सिद्धार्थ शर्मा द्वारा किया जा रहा था. अदालत ने सुनवाई लिए गुरुवार की तारीख निर्धारित की है. कोर्ट को दिए बयान में अनुसंधानकर्ता अरविंद कुमार ने कहा कि राजा यादव की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी.

सामान्य प्रेक्षक ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

धनबाद। सामान्य प्रेक्षक के. थवसीलन ने आज पांडरपाला में मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया. उन्होंने पांडरपाला पंचायत भवन के बूथ संख्या 52, 53 का निरीक्षण किया. इस क्रम में मतदान केंद्रों में पानी, बिजली, शौचालय, रैंप, शेड सहित सभी एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी सुनिश्चित करने व अन्य दिशा निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान सामान्य प्रेक्षक के. थवसीलन के साथ सहायक श्रमायुक्त रंजीत कुमार, जिला उद्यान पदाधिकारी जनार्दन शर्मा मौजूद थे.

मंदिर से चोरी हुआ बैग युवक के पास से बरामद

झरिया। झरिया मानबाद निवासी रमेश प्रसाद केसरी मंगलवार की रात झरिया चिल्ड्रेन पार्क स्थिति राधा कृष्ण मंदिर में पूजा करने आए थे . इसी दौरान एक युवक उनका बैग लेकर फरार हो गया. जिसमें 35 सौ नगद व कागजात चोरी होने कि बात कही, मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरा में संदिग्ध युवक को बैग चोरी करते हुए फुटेज कैद हो गया है. उसके बाद खोजबीन के दौरान युवक नशे में घुत झरिया नई दुनिया में पकड़ा गया, जिससे कुछ नगद रुपये बरामद किया गया है. रमेश केसरी ने बताया कि मंगलवार की रात 8.30 बजे उन्होंने मंदिर के अंदर दरवाजे के बगल में बैग रख दिया था. पीछे से एक युवक आया और सीढ़ी पर बैठकर मौका मिलते ही बैग को ले भागा. मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगाला तो देखा की एक युवक बड़े आराम से बैग को उठाकर ले गया. वहीं भुक्तभोगी ने कहा कि जब हमारा बैग और पैसा मिल गया तो थाना में शिकायत नहीं किये.

अवैध बालू लदे छह ट्रैक्टर को लोगों ने पकड़ा

पुलिस ने युवकों से सुलह करा कर ट्रैक्टरों को करवाया मुक्त

संवाददाता। मधुबन

मधुबन थाना क्षेत्र के फुलारीटांड खटाल के युवकों ने बुधवार की अहले सुबह आधा दर्जन अवैध बालू लोड ट्रैक्टर सहित चालकों को विभिन्न क्षेत्रों से पकड़कर अपने कब्जे में कर लिया. कब्जे की जानकारी होने के बाद अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के जगह पुलिस दिनभर सुलह कराने में हाफ्ती रही. बाद में पुलिस द्वारा ट्रैक्टर को छोड़ने के दवाब पर लगभग 13 घंटे बाद ट्रेक्टर सहित चालक को मुक्त किया गया. मामला महुदा थाना क्षेत्र के कुंजी बस्ती में मंगलवार को अवैध कोयला में रंगदारी को लेकर खूनी संघर्ष हुई थीं. जहाँ फुलारीटांड खटाल व कुंजी बस्ती के युवकों के बीच जमकर मारपीट में दोनों पक्षों के पांच लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए थे.

अवैध कारोबार को लेकर दोनों पक्षों में तनाव

अवैध कोयला कारोबार को लेकर जहाँ कुंजी बस्ती के ग्रामीण एक जुट हो गए हैं, वहीं फुलारीटांड खटाल के ग्रामीण भी अवैध बालू कारोबार को लेकर विरोध में है. दोनों पक्षों में आपसी समझौता नहीं होने से जहाँ कुंजी बस्ती के ग्रामीण अवैध कोयला लोड मोटरसाइकिल नहीं चलने की हिदायत दी है. वहीं फुलारीटांड खटाल के ग्रामीण भी अवैध बालू कारोबार मधुबन थाना क्षेत्र में नहीं चलने की बात कही है. जिसको लेकर अवैध धंधोंबाजो में हड़कंप मचा हुआ है. अवैध कारोबार पर रोक होने से जहाँ पुलिस को राहत की सांस लेनी थी. वहीं मधुबन व महुदा पुलिस मामले को लेकर परेशान दिख रहे हैं. गत 15 अप्रैल को धनबाद ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने मनियाडीह (टुंडी) में अवैध बालू कारोबार पर नकेल कसते हुए कार्रवाई की थी. वहीं महुदा व मधुबन थाना क्षेत्र में डंके की चोट पर बड़े पैमाने पर कारोबार फल फूल रहा है. दामोदर नदी से प्रतिदिन बड़े पैमाने पर अवैध बालू का कारोबार चल रहा है. जहाँ संगठित एक गिरोह सक्रिय है.

परिवार सहित करें वोटिंग : अवर सचिव

लाउडस्पीकर से मतदान की तिथि व केंद्र की जानकारी मतदाताओं को कराने का दिया निर्देश

संवाददाता। धनबाद

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के निर्देश पर सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह अवर सचिव देवदास दत्त ने बुधवार को न्यू टाउन हॉल में सभी बीएलओ सुपरवाइजरों के साथ बैठक कर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए दिशा निर्देश दिए. सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाताओं को उनके परिवार सहित वोटिंग करने की अपील करें. भीड़-भाड़ वाले स्थान, गली, मोहल्ला, प्रमुख चौक चौराहा में लाउडस्पीकर से मतदान की तिथि, समय एवं उसे क्षेत्र के मतदान केंद्र की सूचना मतदाताओं को उपलब्ध कराए. उन्होंने मतदान दिवस की आवश्यकता के अनुसार सभी मतदान केंद्रों के लिए मूवमेंट प्लांट तैयार करने, मतदान केंद्रों पर पीने का पानी, हेल्प डेस्क, मेडिकल सुविधा, शौचालय, टेंट, दिव्यांग एवं बुजुर्गों के लिए निःशुल्क वाहन की व्यवस्था आदि की सूचना मतदाताओं को देने का निर्देश दिया.

कार्यक्रम को लेकर दत्ता ने बताया कि झारखंड के मुखिया निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश पर आम नागरिकों को मतदान के लिए प्रोत्साहित करने के लिए स्वीप के तहत इसका आयोजन किया गया है.

स्वयं सहायता समूह वोट के लिए करेंगे प्रेरित

जिसमें मतदान दिवस और इसके एक दिन पूर्व प्रत्येक मतदाता से संपर्क स्थापित कर उन्हें मतदान करने के लिए जागरूक करना है. स्वयं सहायता समूह को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के अनुसार छोटे-छोटे क्षेत्र का प्रभार सोपा गया है. वे मतदाताओं को मतदान में भाग लेने के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएंगे. मतदान के दिन मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे. कार्यक्रम में सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह अवर सचिव देवदास दत्ता मौजूद थे.

44 दिनों में 4.87 लाख यात्रियों से 31.55 करोड़ का जुर्माना वसूला

जीएम के निर्देश पर धनबाद समेत पांच रेल मंडल में चला चेकिंग अभियान

संवाददाता। धनबाद

मई माह में रेलवे अधिकारियों ने टीटीई के साथ पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर जोन अंतर्गत धनबाद समेत पांच रेल मंडल चेकिंग अभियान चलाया. एक अप्रैल से 14 मई तक 44 दिनों में 4.87 लाख यात्रियों से 31.55 करोड़ की जुर्माना वसूली की गई. रेलवे अधिकारी के अनुसार बेटिकट यात्रियों और अनबुक्ड लगेज लेकर चलनेवाले लोगों के रेलवे को राजस्व का नुकसान हो रहा था. महिला व दिव्यांग कोच में भी कई लोग सवार हो जाते हैं. जिससे जरूरतमंत यात्रियों को काफी परेशानी होती है. जीएम के निर्देश पर धनबाद समेत सोनपुर, समस्तीपुर, दानापुर व पंडित दीन दयाल उपाध्याय रेल मंडल में ट्रेनों व स्टेशनों में चेकिंग अभियान चलाया गया. सभी रेल मंडल से कुल मिलाकर 4 लाख 87 हजार 600 लोग पकड़े गए. जिनसे 31 करोड़ 50 लाख जुर्माना वसूला गया. जांच अभियान के दौरान दानापुर मंडल में 01 लाख 23 हजार लोगों से 07.67 करोड़, सोनपुर मंडल में 01 लाख 12 हजार लोगों से 07.32 करोड़, पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 86 हजार 500 लोगों से 5.45 करोड़, समस्तीपुर मंडल में 01 लाख लोगों से 7.46 करोड और धनबाद मंडल में 65 हजार लोगों से 3.69 करोड़ जुर्माना वसूले गए.

धनबाद मंडल में 2 हजार यात्रियों से 12.43 लाख जुर्माना

रेलवे अधिकारी के अनुसार धनबाद रेल मंडल में एक दिन में विभिन्न ट्रेनों व स्टेशनों पर चेकिंग अभियान चलाया गया, जहां से 2 हजार बेटिकट यात्री पकड़े गए. जिनसे 12 लाख 43 हजार 470 रुपये वसूले गए. धनबाद समेत गोमो, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना व सिंगरौली समेत कई स्टेशनों में गहन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. चेकिंग अभियान में 164 टिकट चेकिंग कर्मियों को लगाया गया था. इस अभियान का उद्देश्य टिकट काउंटर की बिक्री बढ़ाना, बिना टिकट के यात्रा करनेवाले यात्रियों पर लगाम लगाना और यात्रियों को टिकट लेने के लिए प्रेरित करना है.

रेलवे अस्पतालों में बेहतर इलाज की व्यवस्था नहीं

धनबाद। बुधवार को डीआरएम कार्यालय के सभागार में स्थाई वार्ता तंत्र की बैठक हुई. जिसमें ईसीआरकेयू के नेताओं व सदस्यों ने चर्चा किया गया कि रेलकर्मियों को रेलवे अस्पतालों में बेहतर इलाज नहीं होता है और न ही जांच के लिए मशीन उपलब्ध है. बेहतर इलाज व जांच के लिए दूसरे अस्पताल व जांच केंद्र जाना पड़ता है. जबकि धनबाद रेल मंडल कमाई के मामले में भारतीय रेलवे में नंबर वन है. हर साल 26 हजार करोड़ की कमाई करता है. बैठक का नेतृत्व वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अजीत कुमार ने किया. इस बैठक में रेल कर्मचारियों के पक्ष की अध्यक्षता अपर महामंत्री सह स्थाई वार्ता तंत्र प्रभारी मोहम्मद जियाउद्दीन ने किया.। बैठक में ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के धनबाद मंडल के सभी शाखों से जुड़े समस्याओं को धनबाद मंडल रेल प्रशासन के समक्ष गंभीरता से रखा. इस बैठक में चोपन क्षेत्र में पूर्ण अस्पताल की व्यवस्था, कोडरमा में एंबुलेंस की व्यवस्था, बरकाकाना में 24 घंटे चिकित्सक की व्यवस्था, बरवाडीह व गढ़वा रोड में डॉक्टर की व्यवस्था, कुसुंडा में आरआरआई बिल्डिंग के लिए बाउंड्री वॉल, पीडब्ल्यूआई ऑफिस में महिला शौचालय, सभी स्टेशन पर सफाई की व्यवस्था, कोचिंग वाशिंग पिट लाइन और सिक लाइन में लाइट की व्यवस्था, ब्रेकडाउन स्टाफ को सेफ्टी जूते उपलब्ध करवाना व शुद्ध पानी उपलब्ध कराने की मंग की गई. बैठक में केंद्रीय सहायक मंत्री ओमप्रकाश, केंद्रीय संगठन मंत्री नेताजी सुभाष, सोमेन दत्ता, मीडिया प्रभारी एनके खवास व धनबाद मंडल के सभी शाखाओं से आए यूनियन के पदाधिकारी मौजूद थे।

टाटा स्टील जामाडोबा के कर्मी की मौत

झरिया। टाटा स्टील झरिया डिवीजन अंतर्गत जामाडोबा 3 पिट कोलियरी में सरफेस बॉडी चेकर के पद पर कार्यरत 51 वर्षीय एनुल अंसारी की मौत हो गए. वे रात्रि पाली ड्यूटी पूरी कर बुधवार सुबह 8 बजे 2 पिट कोलियर के पार्किंग क्षेत्र के निकट अपने सहकर्मियों के साथ बात कर रहे थे, तभी वे बेहोश होकर गिर पड़े. सहकर्मियों ने जामाडोबा स्थित टाटा सेंट्रल अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई. मृतक डिगवाडीह इस्लामपुर बस्ती के रहनेवाले थे. सूचना पर जोरापोखर थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा पहुंचे और कागजी कार्रवाई पूरा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक एनुल की पत्नी मुनेजा खातून को घटना की सूचना नहीं दी गई है.

धनबाद के लिए बुधवार का दिन दुर्भाग्यपूर्ण : झामुमो

संवाददाता। धनबाद

झामुमो जिला प्रवक्ता समीर रवानी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बुधवार दुर्भाग्यपूर्ण दिन बताया. कहा कि असम सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा के चिरकुंडा में आयोजित सभा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह दिन धनबाद लोकसभा के लिए दुर्भाग्य का दिन है. देश के सबसे बड़े शारदा चीटफंड घोटाले के मुख्य आरोपी हेमंत बिस्वा शर्मा धनबाद के सबसे बड़े भ्रष्टाचारी नेता ढुल्लू महतो के चुनाव प्रचार में शामिल होकर वोट की अपील कर रहें हैं ये वही हेमंत बिस्वा शर्मा हैं, जिन्होंने आम गरीब लोगों के करोड़ों रुपये हड़पे हैं. जब से भाजपा में शामिल हो गए, तब से भ्रष्टाचारी नहीं रहें. मुख्यमंत्री काल में आदिवासियों पर लगातार हमला व शोषण हुआ. आदिवासियों के गांव के गांव उजाड़ दिए गए. एक भ्रष्टाचारी दूसरे भ्रष्टाचारी के लिए वोट मांग रहा हैं. जो व्यक्ति यहां के आदिवासी-मूलवासी का 200 एकड़ जमीन हड़प लिया हैं, सैकड़ों लोगों को प्रत्यक्ष रूप से प्रताड़ित किया हैं, पूरा बाघमारा जिसकी रंगदारी का दंश झेल रहा हैं, उसे धनबाद को अशांत करने नहीं देंगे. धनबाद की जनता सजग है. इन दोनों भ्रष्टाचारी नेता और भ्रष्टाचारी भाजपा को माकूल जवाब देंगे.

मानव कंकाल मिलने की घटना हत्या या आत्महत्या, नहीं उठ सका पर्दा

कहीं अपराधियों के लिए सुरक्षित जोन तो नहीं बन गई ओबीआर की पहाड़ी

राम कुमार पाण्डेय । कतरास

रामकनाली ओपी के छह नंबर पोखरिया के समीप बीसीसीएल के ओबीआर से बने पहाड़ी के ऊपर एक मानव कंकाल मिलने की घटना हत्या या आत्महत्या इससे पर्दा नहीं उठ सका है. हालांकि पुलिस कंकाल को जप्त कर फॉरेंसिक जांच करवाने की बात जरूर कर रही है. घटना को लेकर पुलिस ने यूडी केश दर्ज कर लिया है. वहीं घटना को लेकर इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही है. लोग दबे जुबान से इसे हत्या की घटना मान रहे हैं. लोगों का कहना है कि आखिर कोई व्यक्ति उस पहाड़ के ऊपर चढ़कर आत्महत्या क्यों करेगा अगर आत्महत्या करता भी है तो उसके परिजन जरूर खोजबीन करते और पुलिस को लापता होने की सूचना करते. लेकिन आसपास के इलाके से कहीं से कोई गुमशुदगी की मामला प्रकाश में नहीं आया है ऐसे में लोग कयास लग रहे हैं कि अपराधियों के द्वारा वहां हत्या की घटना को अंजाम दिया गया होगा और घटना को छिपाने के लिए आग लगाई गई होगी. लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि कहीं अपराधियों के लिए यह पहाड़ सुरक्षित जोन तो नहीं बन रहा है.

इससे पूर्व भी उक्त पहाड़ी में एक युवक व युवती का शव एक पेड़ में एक ही फंदे से लटका मिला था लोगों की माने तो उक्त पहाड़ी में यह चौथी घटना है. पहाड के उपर मानव कंकाल की हड्डियां इधर उधर बिखरा पड़ा होना तथा शव का गला सड़ा हुआ, सर एक पेड़ में गंजी कपड़े में लपेटकर बेल्ट के सहारे टंगा होना, आसपास में आग लगाने की निशानी, कंकाल के कुछ दुरी पर एक बड़े पत्थर के चट्टान में एक कंबल व कुछ दुरी में एक जोड़ी जली चप्पल की अवशेष पड़ा होना कई सवालों को जन्म देता है. हत्या जैसी बात को भी आशंकित करता है. हालांकि घटना आत्महत्या है हत्या यह पुलिसिया जांच पड़ताल में ही स्पष्ट हो सकता है.

मैथन में लघु कथा लेखन और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता। मैथन

बीएसके महाविद्यालय मैथन में हिंदी विभाग द्वारा लघु कथा लेखन और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें कॉलेज के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. हिंदी विभाग के शिक्षकों ने बताया कि तत्कालीन विषयों पर विद्यार्थियों के मन की अभिव्यक्तियों को शब्दों में ढालने के लिए यह आयोजन किया गया. विद्यार्थी जीवन की जितनी ऊर्जा है, वह सकारात्मक रूप से खर्च हो, इसके लिए इस तरह का आयोजन करना आवश्यक है.

वर्तमान समाज में नई तकनीक के आने से लिखने की कला में कमी आई है. उसी कड़ी में इस सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्राचार्य डॉ. डीपी सिंह ने आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी. हिंदी विभाग की शिक्षिका डॉ. संध्या गुप्ता, प्रो. मनीला समद और प्रो. नितिशा खलखो ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

कोयला श्रमिकों को भाजपा की जुमलेबाजी से दूर रहने की जरूरत : अरूप चटर्जी

संवाददाता। तेतुलमारी

केंद्र सरकार की तानाशाही रवैया से जनता परेशान है. इसबार झारखंड में महागठबंधन के सभी सीटों पर जीत दिलाने के लिए जनता तैयार है. उक्त बातें तेतुलमारी पाण्डेडीह बाजार में बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के द्वारा गिरिडीह लोकसभा प्रत्याशी मथुरा प्रसाद महतो के पक्ष में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने कही. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने श्रमिकों के साथ धोखा किया है. अपनी तुगलकी फरमान से कोयला श्रमिकों के साथ अन्याय किया है. संगठित व असंगठित क्षेत्र के कोयला मजदूरों के अधिकारों को कुचलने का काम किया है. इसलिए कोयला श्रमिकों को भाजपा के जुमलेबाजी से सावधान रहने की आवश्यकता है और अपना एक-एक वोट महागठबंधन के प्रत्याशी के पक्ष में करें. ताकि हिटलर शाही के तर्ज पर देश की गद्दी पर बैठी भाजपा सरकार को सत्ता से हटाया जा सके. वहीं कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता नागेंद्र वर्मा व संचालन राजेंद्र प्रसाद राजा ने किया.

मौके पर बीसीकेयू के वरीय नेता हरिप्रसाद पप्पू, राजेंद्र प्रसाद राजा, पूर्व मुखिया सुरेश कुमार महतो, झामुमो महिला प्रखंड अध्यक्ष प्रेमा पाण्डेय, कंचन महतो, माधव सिंह, मनोज रवानी, राजाराम यादव, अशोक यादव सहित अन्य मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

धनबाद के 216 वोटरों को कराई जाएगी होम वोटिंग

धनबाद। पोस्टल बैलेट कोषांग द्वारा होम वोटिंग की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है. होम वोटिंग हेतु धनबाद जिला में कुल 216 वोटरों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें पोस्टल बैलेट के माध्यम से वोटिंग कराई जाएगी. धनबाद जिला के 216 वोटरों के घर पोलिंग पार्टी जाएगी और पोलिंग कराएगी, इसके लिए जिला प्रशासन ने 15 पोलिंग पार्टियों मतदान दल का गठन किया है. पोलिंग पार्टियों में दो पोलिंग ऑफिसर तथा एक-एक माइक्रो आब्जर्वर तैनात किए गए हैं. 17 मई को होम वोटिंग की प्रक्रिया जिले भर में शुरू होगी और 18 को एक साथ पूरी की जाएगी. होम वोटिंग की पूरी प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की गई है. सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्र में होने वाली होम वोटिंग की प्रक्रिया पर नजर रखेंगे. जिले में कुल 216 होम वोटरों की सूची तैयार की गई है. इसका प्रखंडवार ब्यौरा तैयार किया गया है, इसमें 85 प्लस आयु तथा पीडब्लूडी वोटर भी शामिल है. मतदान दल बैलेट पेपर से मतदाता के घर जाकर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करते हुए मतदान करना सुनिश्चित करेंगे.

ऑब्जर्वरों ने किया ईवीएम कमिश्निंग का निरीक्षण

धनबाद। सामान्य प्रेक्षक के. थवसीलन और व्यय प्रेक्षक निखिल गोयल ने बुधवार को कृषि बाजार समिति व धनबाद पॉलिटेक्निक में ईवीएम कमिश्निंग का निरीक्षण किया. इस दौरान ईवीएम कमिश्निंग में लगे पदाधिकारियों व कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान कृषि बाजार समिति में सामान्य प्रेक्षक के. थवसीलन व व्यय प्रेक्षक निखिल गोयल के साथ अपर समाहर्ता विनोद कुमार, डीसीएलआर संतोष गुप्ता, निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज़ अहमद, सहायक श्रमायुक्त रंजीत कुमार, जिला उद्यान पदाधिकारी जनार्दन शर्मा मौजूद थे. वहीं धनबाद पॉलिटेक्निक में अपर समाहर्ता विनोद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक, सहायक श्रमायुक्त रंजीत कुमार व जिला उद्यान पदाधिकारी जनार्दन शर्मा मौजूद थे.

न्यू दिल्ली बस्ती में चला मतदाता जागरुकता अभियान

झरिया। धनसार न्यू दिल्ली बस्ती में बुधवार को अखिल भारतीय धारी विकास मंच के द्वारा मतदाता जागरुकता अभियान चलाया गया. जिसमें लोगों को बताया गया कि आपका हर एक वोट कीमती है. इस बार लोकसभा चुनाव

में आपलोग शत-प्रतिशत मतदान जरूर करें. कम से कम 90 फीसदी मतदान करने का संकल्प लें और मतदान कर अपना मनपसंद सांसद चुने. देश में अच्छी सरकार बनाने में अपनी भूमिका निभाएं. मतदान से चुके नहीं. यह अवसर 5 वर्षों में आता है. संविधान में जो मौलिक अधिकार हमें दिया गया है उसमें मतदान भी एक है. कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने पहले मतदान फिर जलपान का संकल्प लिया. लोगों से मंच ने अपील किया कि खुद भी वोट करें और अपने परिजनों, मित्रों से भी वोट कराएं. लोगों को एक-एक वोट के महत्व के बारे में बताया गया. लोगों से यह भी कहा गया कि वोट की ताकत को पहचाने. ज्यादा से ज्यादा की संख्या में मतदान करने मतदान केंद्र जरूर पहुंचे. कार्यक्रम के नेतृत्व सुरेश कुमार धारी ने किया. मौके पर मधुराम धारी, धर्मराज धारी, कासराम पंजाबी, रामधारी, शिव कुमार धारी, बैजु धारी, उमेश राम धारी, मोती धारी, महेंद्र राम, भोलाराम रामाशीष राम, सूरज चौहान, गौतम रवानी व लालू पासवान समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

अब सरकारी अस्पतालों में मिलेगी 114 प्रकार की दवाएं

धनबाद में है 203 सरकारी अस्पताल, सालों भर रहती है दवा की किल्लत

खास बातें

- शिकायत के बाद झारखंड सरकार गंभीर

संवाददाता । धनबाद

अब धनबाद के सभी सरकारी अस्पतालों में 114 प्रकार की दवाएं मिलेगी. ताकि सामान्य व गंभीर मरीजों को दवाओं की किल्लत के कारण परेशानियों का सामना न करना पड़े. स्वास्थ्य केंद्र हो या फिर एसएनएमएमसीएच व सदर अस्पताल, सभी केंद्रों में सालों भर मरीजों को सस्ती व महंगी दवाएं मिलती रहेगी. मरीजों की हमेशा शिकायत रहती है कि उन्हें गंभीर बीमारियों की दवाएं अस्पताल के दवा वितरण केंद्र पर नहीं मिलती है. इस संबंध स्वास्थ्य सचिव ने धनबाद समेत सभी जिलों के सिविल सर्जन व अस्पताल अधीक्षक को पत्र जारी कर दिया है. शीघ्र ही सभी केंद्रों तक दवाएं पहुंच जाएगी. धनबाद जिला में कुल 203 सरकारी अस्पताल हैं, जहां सालों भर दवा की किल्लत रहती है. ओपीडी हो या फिर इनडोर के मरीज चिकित्सकों की ओर से लिखी गई दवाओं को रिश्तेदारों के माध्यम से बाहरी दुकानों से मंगाते हैं. 90 फीसदी दवाएं उन्हें अस्पताल के दवा वितरण केंद्र से नहीं मिल पाती है. मध्यम वर्ग के लोग किसी तरह रुपये की जुगाड़ कर दवा खरीद लेते हैं, लेकिन आर्थिक रूप से काफी कमजोर व्यक्ति दवा नहीं ले पाते हैं. जिसके कारण बीमारी पहले की अपेक्षा काफी बढ़ जाती है. इस संबंध में पूर्व में कई लोगों ने जिला प्रशासन व मुख्यमंत्री के साथ-साथ स्वास्थ्य मंत्री को भी पत्र लिखा था और दवा नहीं मिलने की बात लिखी थी.

स्कूली बच्चों को डेंगू के प्रति किया जागरुक

झरिया। मच्छर जनित रोग डेंगू पर जागरुकता को लेकर सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र झरिया सह जोड़ापोखर के एनवीबीडीपी की टीम द्वारा डीनोबिली स्कूल डिगवाडीह में मेगा सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार में विद्यालय के आठवीं से बारहवीं के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. इस दौरान टीम के डॉक्टर दिलीप कुमार ने बच्चों को डेंगू को लेकर विस्तृत जानकारी दी. बरूण कुमार ने डेंगू से बचाव के बारे में बताया. स्पेशल एजुकेटर अखलाक अहमद ने मतदान को लेकर बच्चों को जागरूक किया और कहा कि मतदान से राष्ट्र निर्माण होता है. इसलिए अपने माता-पिता से पहले मतदान करने फिर जलपान करने को कहें. कार्यकर्म के अंत में विद्यार्थियों से सवाल जवाब पूछे गए. सही जबाव देने वाले कुल 09 विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य के हाथों पुरस्कृत करवाया गया.

पुलिस ने प्रेमी जोड़े को पकड़ा ग्रामीणों ने कराई शादी

महुदा। संदेह के आधार पर महुदा पुलिस ने मंगलवार की देर रात प्रेमी जोड़े को पकड़ा. मामला प्रेम प्रसंग का होने के कारण सिंगड़ा बस्ती स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में बुधवार को रजक टोला के ग्रामीणों ने प्रेमी युगल की शादी करवा दी. बताया जाता है कि दोनों प्रेमी युगल एक ही जाति के हैं और उनके परिजन दोनों की शादी नहीं करवा रहे थे. दोनों ने घर से भाग कर शादी करने का फैसला किया. मंगलवार की देर रात प्रेमिका अपने घर से प्रेमी के साथ एक ओटो से निकल गई. ऑटो चालक तेलमच्चो पुल के पास दोनो ओर बोकारो-धनबाद सीमा पर चेकनाका के पास पुलिस से बचने से पुपुनकी के पास टोल प्लाजा के निकट प्रेमी-प्रेमिका को उतार दिया. वहां से से खाली ऑटो लेकर आगे बढ़ने लगा. फिर युवक-युवती पैदल चले. पुलिस पदाधिकारी को संदेह होने पर दोनों को सिपाही से कहकर बुलाया गया. आवाज लगाने पर प्रेमी युगल भागने लगे. फिर पुलिस टीम ने दौड़ा कर दोनों को पकड़ा.

ब्रीफ खबरें

मतदान दल का प्रथम रैंडमाइजेशन संपन्न

साहिबगंज। मतदान दल का प्रथम रैंडमाइजेशन बुधवार को यहां संपन्न हो गया. राजमहाल (अजजा) लोकसभा निर्वाचन को निष्पक्ष एवं पारदर्शी रुप से संपन्न कराने के निमित समाहरणालय के एनआईसी कार्यालय कक्ष में समान्य प्रेक्षक सौरभ पहाडी, जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह-उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मतदान दल में प्रतिनियुक्त पठासीन अधिकारी ,मतदान अधिकारी प्रथम, मतदान अधिकारी द्वितीय एवं मतदान अधिकारी तृतीय का प्रथम रैंडमाइजेशन संपन्न किया गया.

मांगों को लेकर मजदूर संघ ने किया प्रदर्शन

ललमटिया। संथाल परगना औद्योगिक मजदूर संघ के बैनर तले मजदूर संघ के सचिव सह एटक नेता रामजी साह के नेतृत्व में ललमटिया केबिन के पास गैंग मेट विजय मुर्मू को बेसिक मजदूरी दिलाने की मांग को लेकर एनटीपीसी फरक्का प्रबंधन के खिलाफ एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया. धरना प्रदर्शन पर मजदूर संघ के सचिव रामजी साह ने कहा कि विजय मुर्मू गैंग मेट के रूप में कार्यरत है. एनटीपीसी फरक्का एमजीआर में कार्यरत ठेका कंपनी द्वारा गैंगमेट विजय मुर्मू को बेसिक बेतन 20 हजार की जगह 10 हजार रूपये का भुगतान किया जाता था. जिसको लेकर एनटीपीसी प्रबंधन के साथ बैठक कर लिखित निर्णय लिया गया था.

मथुरा महतो की जीत पक्की है : हीरालाल

जरीडीह (बोकारो) ।इंडिया गठबंधन समर्थित झामुमो प्रत्याशी मथुरा प्रसाद महतो को गिरिडीह लोकसभा से जीत दिलाने के लिए क्षेत्र के मतदाता तैयार हैं. इस बार इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित है. उक्त बातें हीरालाल मांझी ने जैनामोड़ में इंडिया गठबंधन कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर कहा. उद्घाटन मंत्रोच्चार के साथ ही फीता काटकर किया गया. उद्घाटन समारोह के अवसर पर मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष हीरालाल मांझी, जरीडीह प्रखंड झामुमो अध्यक्ष पंकज मरांडी, किष्टो भगत, बैजनाथ महतो, अभिविलास भगत, रामा मांझी, अयूब अंसारी, अकबर अंसारी, सरजू मिश्रा, सोमर मुंडा, अशोक मूर्मू , विष्णु कुमार मौजूद थे.

झामुमो प्रत्याशी को जीत का लिया संकल्प

डुमरी। महागठबंधन के झामुमो प्रत्याशी मथुरा प्रसाद महतो की चुनावी कार्यालय का उद्घाटन बुधवार को मंत्री बेबी देवी ने डुमरी में फीता काट एवं नारियल फोड़ कर किया .इस दौरान कार्यालय में इंडियन गठबंधन के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर लोकसभा प्रत्याशी मथुरा प्रसाद महतो का चुनाव चिह्न तीर धनुष छाप पर मुहर लगा कर विजय बनाने का कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया.मोहन सोरेन आदिवासी समाज के प्रखंड अध्यक्ष ने कहा हम बिकने वाले पार्टी नहीं है जबकि रूस्तम अंसारी ने कहा कि 90 फीसदी अल्पसंख्यक वोट मथुरा महतो को दिलाने का काम करेंगे.

गिरिडीह जिले में पोस्टल बैलेट के तहत 3561 वोटरों ने मताधिकार का प्रयोग किया

मतदान कर्मी, पदाधिकारी व सुरक्षा जवानों ने किया मतदान

संवाददाता । गिरिडीह

लोकसभा निर्वाचन 2024 में इस बार सभी वर्गों को केंद्रित रखकर हर मतदाता को जोड़ने की संपूर्ण प्रक्रिया की प्रसंशा की जा रही है. जिसमें एसेंशियल सेवा, मतदान कार्य में लगे कर्मी, पदाधिकारी, सेक्टर पदाधिकारी व पुलिस–सुरक्षा जवानों ने मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग किया.

मतदान करने के उपरांत उत्साहित मतदाताओं ने एक सुर में समाज के हर एक तबके के वोटर को 20 मई मतदान दिवस के दिन मतदान करने की अपील भी की,ताकि सशक्त लोकतंत्र की नींव रखी जा सके.

गिरिडीह जिले में पोस्टल बैलेट के तहत कुल 3561 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. जिसके तहत सिंहभूम से कुल 48, खूंटी से कुल 50, लोहरदग्गा से कुल 135, पलामू से कुल 108, चतरा से कुल 89, कोडरमा से कुल 2842, हजारीबाग से कुल 203, गिरिडीह से कुल 81 तथा धनबाद से अबतक कुल 05 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर सशक्त लोकतंत्र बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया.

पोस्टल बैलेट के क्या है उद्देश्य

इस लोकसभा निर्वाचन 2024 में कोई भी मतदाता वोट देने से वंचित न रहे . कई मतदाता आवश्यक सेवाओं में रहते हुए मतदान प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकते है वें अब इस प्रक्रिया के तहत अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे. विदित हो कि लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत कोडरमा लोकसभा का मतदान 20 मई तथा गिरिडीह लोकसभा आम चुनाव का मतदान 25 मई 2024 को होना है. इसके साथ ही 31 गांडेय विधानसभा उप चुनाव की मतदान तिथि 20 मई है. इसी के निमित्त सभी आवश्यक तैयारियां को सुदृढ़ किया गया है, ताकि अधिकाधिक संख्या में मतदाताओं को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक व प्रोत्साहित किया जा सकें.

सब्जबाग दिखाकर भ्रमित करने वालों को पहचाने : सुबोध यादव

संवाददाता । डुमरी

गिरिडीह लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी सुबोध यादव ने बुधवार को कई क्षेत्रों का दौरा किया और लोगों से वोट की अपील की. उन्होंने प्रखंड पीरटांड, डुमरी एवं गिरिडीह तीनों प्रखंडों में जनसम्पर्क किया.सुबोध यादव ने डुमरी प्रखंड के मंझिलाडीह, भावानद पीरटांड़ प्रखंड के खरपोका, तुईयो, चिरुडीह, ताराटांड़, मंझलीडीह, सोबरनपुर,अजीबाद, बरियारपुर, पोखरना, खुखरा, बहादुरपुर गांवों का दौरा किया और लोगों से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की. जनसंपर्क अभियान के दौरान मतदाताओं से यादव ने कहा कि चुनाव में बड़े बड़े सपने को साकार करने का सब्जबाग दिखाकर दिग्भ्रमित करने के लिए बहुत से बहुरूपिये चुनाव के मैदान में खड़े हो जाते हैं जिसे पहचानने की आवश्यकता है.

झामुमो प्रत्याशी विजय हांसदा ने किया जनसंपर्क अभियान, कहा

मोदी ने लोगों को नौकरी देने का वादा पूरा नहीं किया

संवाददाता। पाकुड़

जनसंपर्क अभियान के दौरान सांसद प्रत्याशी विजय हांसदा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा नौकरी में आरक्षण समाप्त करने की बात कही गई है.

एक ओर जहां लोगों को नौकरी नहीं मिल रही है. वहीं आरक्षण समाप्त कर आदिवासी, मुस्लिम एवं पिछड़ी जाति के लोगों को पंगू बनाने का काम किया जाएगा. नरेंद्र मोदी के द्वारा दो करोड़ लोगों को नौकरी देने का वादा किया गया था. जिसे आज तक पूरा नहीं किया गया. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बिना किसी कारण के भाजपा की सरकार के षड्यंत्र के तहत इडी के द्वारा द्वारा जेल भेज दिया गया. तो समझा जा सकता है कि आम लोगों का क्या हस्र होगा . अगर आरक्षण बचाना है तो इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को अधिक से अधिक वोट कर विजयी बनाए. दिल्ली में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने में योगदान दें.

बेरोजगारी, महंगाई चरम सीमा पर :विजय हांसदा ने कहा कि मोदी सरकार में बेरोजगारी महंगाई चरम सीमा पर है. लोगों का जीना दुश्वार हो गया है राज्य के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के नेतृत्व में लगातार विकास का काम चल रहा है. आज राज्य में सड़कों का जाल बिछ चुका है. गरीबों के लिए सरकार ने सोना सोबरन धोती लुंगी साड़ी योजना के माध्यम से मात्र दस रुपये में धोती/लूंगी और साड़ी देने का काम किया. पूर्व की सरकार में 11 लाख राशनकार्ड को बंद करने का काम किया था. जबकि हमारी सरकार ने हरा राशनकार्ड बनाकर लोगों को राशन उपलब्ध कराने का काम रही है. हमारी सरकार ने राज्य में 125 यूनिट फ्री बिजली देने की योजना लागू की है. ग्रामीण क्षेत्रों में जल नल योजना के माध्यम से हर घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने की व्यवस्था हमारी सरकार ने की. पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा चलाई गई इन्ही योजनाओं से घबराकर केंद्र सरकार ने साजिश के तहत हमारे नेता हेमंत सोरेन को जेल में डालकर झारखंड के आदिवासियों व मूलवासियों का अपमान किया है.

इस अपमान का बदला चुकाने का समय आ गया है. आज देश मे लोकतंत्र और संविधान की हत्या हो रही है. आप सभी बाबा साहेब के संविधान की रक्षा की शपथ लें और 1 जून को भारी से भारी संख्या में तीर कमान पर बटन दबाकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन व पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों को मजबूती प्रदान करें. विजय हांसदा के पक्ष में जिला अध्यक्ष श्याम यादव एवं इंडिया गठबंधन के पदाधिकारियों द्वारा पाकुड़ प्रखंड के कालिदासपुर, सोना जोड़ी, कोला जोड़ा, पोचाथोल, नरोतमपुर, इसाकपुर, रहसपुर, नवादा, ईलामी, तारानगर एवं संग्रामपुर पंचायत में जनसंपर्क अभियान चलाया गया.

मौके पर जिला संगठन सचिव महमूद आलम मजदूर मोर्चा के जिला अध्यक्ष मनोज चौबे अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष हबीबुर्रहमान, झारखंड मुक्ति मोर्चा पाकुड़ के प्रखंड अध्यक्ष मुसलोदीन शेख कालिदासपुर जिला परिषद के सदस्य मंजुला हांसदा कांग्रेस पार्टी के जिला अल्पसंख्यक अध्यक्ष साइन परवेज सचिव राजेश सरकार झारखंड मुक्ति मोर्चा के अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन , मुबारक हुसैन, नदीम सेख तारकेश्वर भगत पप्पू गंगवानी जगदीश भगत आवेदीन अंसारी मार्कोस मरांडी योगेश्वर मरांडी प्रमोद नागलिया शहरकोल पंचायत के मुखिया विकास गोड़ कोला जोड़ा पंचायत के मुखिया लखन हेंब्रम पोचाथोल पंचायत के मुखिया पीटर मरांडी पाकुड़ प्रखंड के पूर्व प्रमुख राम सिंह टुडू आदित्य तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता व समर्थक व ग्रामीण उपस्थित थे.

खास बातें

- बच्चों ने हेमंत का मुखौटा पहन मैं हूं हेमंत का नारा दिया
- हांसदा ने सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

केबी कॉलेज में कार्यशाला आयोजित कर दिया गया संदेश

विश्व परिवार दिवस का उद्देश्य परिवार के महत्व पर जागरूकता फैलाना : प्राचार्य लक्ष्मी नारायण

संवाददाता । बोकारो

केबी कॉलेज बेरमो में विश्व परिवार दिवस के अवसर पर बुधवार को विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम मनोविज्ञान विभाग, समाजशास्त्र विभाग एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया. परिवार के महत्व विषय पर कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में जंतु शास्त्र सभागार में किया गया. मौके पर प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने कहा विश्व परिवार दिवस का उद्देश्य परिवार के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना व पारिवारिक रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना होता है. वहीं मौके पर प्रो इंचार्ज प्रो गोपाल प्रजापति, तथा मनोविज्ञान विभाग डॉ प्रभाकर कुमार ने कहा परिवार हमारी प्राथमिक पाठशाला है. परिवार से बड़ा कोई धन नहीं. परिवार समाज की इकाई है और समाज राष्ट्र की. राष्ट्र एक परिवार है. परिवार की एकता शक्ति की परिचायक है.

इस क्रम में समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. भारती, डॉ. वासुदेव प्रजापति, डॉ. व्यास कुमार, प्रधान लिपिक रविंद्र कुमार दास ने भी अपने अपने वक्तव्य रखे. एनएसएस के स्वयंसेवकों ने पोस्टर बनाकर परिवार दिवस का संदेश दिया. पोस्टर बनाने वालों में युवांशी कुमारी, तनीषा कुमारी, सुमीत कुमार सिंह, तस्लीम अख्तर शामिल थे. जबकि जागरूकता कार्यशाला में प्राचार्य लक्ष्मी नारायण, प्रो इंचार्ज प्रो गोपाल प्रजापति सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

बाइक चालक की इलाज के दौरान मौत

साहिबगंज। बाइक चालक की यहां इलाज के दौरान मौत हो गई. बरहेट प्रखंड में विगत दिनों दलदली गांव के पास एक चार चक्का वाहन और मोटर साईकिल चालक में सीधी टक्कर हो गई थी. उक्त दुर्घटना में बाइक चालक रघुनाथपुर निवासी श्यामलाल पंडित गंभीर रूप से घायल हो गया था और बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर साहिबगंज रेफर कर दिया गया था. वहीं इलाज के क्रम में मंगलवार को उसकी मौत हो गई.

दो उम्मीदवारों के नामांकन पत्र अस्वीकार

साहिबगंज। लोकसभा चुनाव के परिपेक्ष्य राजमहल(अजजा) लोकसभा ससंसदीय क्षेत्र के लिए दाखिल हुए नामांकन पत्र की जॉच निर्वाचित पदाधिकारी के न्यायालय कक्ष में की गई. राजमहल संसदीय क्षेत्र के लिए साथ मई से 14.मई तक कुल 17 उम्मीदवारों के द्वारा 34 नामांकन पत्र दाखिल किए. जिला निर्वाची पदाधिकारी हेमंत सती, सामान्य प्रेक्षक सौरव पहाड़ी एवं सहायक निर्वाची पदाधिकारी राज महेश्वरम के समक्ष सभी नामांकन पत्रों की गहनता पूर्वक जांच की गई.नामांकन पत्रों की जांच में कुल 15 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र स्वीकृत किए गए एवं दो उम्मीदवारों के नामांकन पत्र अस्वीकृत किए गए. निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन करने वाले गंगाराम मालतो एवं नथानिएल मालतो का नामांकन पत्र अस्वीकृत किया गया.वहीं निर्दलीय उम्मीदवार लोबिन हेम्ब्रम, महेश पहाड़िया, दीपा टुडू, सेवास्टियन हेम्ब्रम, दाउद मरान्डी, भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार ताला मरांडी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार विजय कुमार हॉसदा, समता पार्टी के उम्मीदवार लीली हॉसदा के नामांकन पत्र स्वीकार किए गए.

छापेमारी में कोयला लदी बाइक,साइकिल जब्त

कथारा (बोकारो) ।

सीसीएल कथारा क्षेत्र के विभिन्न परियोजना के खदानों से हो रही कोयला चोरी रोकने के लिए सीसीएल कथारा महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता के निर्देश पर बुधवार को कारवाई की गई. कार्रवाई में क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी के नेतृत्व में बुधवार सुबह छापामारी अभियान चलाया गया. छापामारी अभियान में क्षेत्रीय गस्ती दल एवं स्वांग कोलियरी गस्ती दल, कथारा वाशरी गश्ती दल संयुक्त रूप से शामिल थे. इस दौरान कोयला चोरों के विरुद्ध औचक छापेमारी में गस्ती दल को देख कोयला चोर मोटरसाइकल एवं साइकिल छोड़ कर भाग खड़े हुए. तत्पश्चात अवैध कोयला से लदा चार मोटरसाइकिल एवं आठ साइकिल को मौके पर ही क्षतिग्रस्त कर दिया गया. इसके बाद लगभग 35 से 40 अवैध कोयला से भरा बोरा को पूर्ण रूप से फाड़ दिया गया. साथ ही बरामद कोयला को स्वांग कोलियरी कोयला स्टॉक में गिरा दिया गया, जिसका वजन लगभग दो से 2.5 टन होगा.

चार चोर धराए, चोरी के सामान भी बरामद

गोड्डा । शहर के चर्चित रेडिमेड कपड़े के व्यापारी के आवास पर बीते महीने हुए लाखों की चोरी के मामला को नगर पुलिस ने सुलझा लिए जाने का दावा करते हुए चार चोरों को गिरफ्तार किया है. इनकी निशानदेही पर चोरी गए कपड़ों के दो बड़े बंडल भी बरामद करने में सफलता पाई है. मामला शहर के वार्ड नंबर सात शास्त्री नागर स्थित खुशबू रेडिमेड के मालिक शिव कुमार दास के आवास से कपड़ा के बंडल का चोरी कर लिया गया था. इस मामले की जानकारी देते हुए एसडीपीओ जेपीएन चौधरी ने बताया कि चोरी की प्राथमिकी नगर थाना में दर्ज किए जाने के बाद पुलिस लगातार चोरों की तलाश की जा रही थी. इस क्रम में पुलिस को मिले इनपुट के बाद पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया. इन लोगो ने पूछताछ में चोरी की बात स्वीकार कर लिया और पुलिस को बताया कि चोरी इन्होंने मिलकर किया है.

अनुपमा व मथुरा के समर्थन में तेज होगा जन संपर्क अभियान

संवाददाता । बोकारो

आम आदमी पार्टी बोकारो जिला कमिटी की बैठक बुधवार को सेक्टर 12 ए स्थित पार्टी कार्यालय में हुई. बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक विधान चंद्र राय ने की. संचालन जिला संगठन प्रभारी मो मेहबूब आलम ने किया. बैठक में विशेष रूप से प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश उपस्थित रहे. बैठक के दौरान सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये. यह तय किया गया कि धनबाद लोकसभा क्षेत्र की इंडिया गठबंधन प्रत्याशी अनुपमा सिंह और गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से गठबंधन प्रत्याशी मथुरा प्रसाद महतो के समर्थन में सघन जनसंपर्क अभियान तेज किया जाएगा. इसके लिए धनबाद लोकसभा क्षेत्र के बोकारो और चंदनकियारी विधानसभा तथा गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के बेरमो, गोमिया और डुमरी विधानसभा में अलग-अलग कार्यकर्ताओं को जिम्मेवारी सौंपी गई.

जमशेदपुर कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्णय : आगामी 21 मई को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और सांसद संजय सिंह के जमशेदपुर कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्णय भी लिया गया. कार्यक्रम में बोकारो जिले से अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लेने का संकल्प लिया गया. बैठक को संबोधित करते हुए जिला संयोजक श्री राय ने कहा कि केंद्र के निर्देशानुसार इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जीत दिलाना हम सबों का नैतिक कर्तव्य है. साथ ही झारखंड में आप के राष्ट्रीय नेताओं के कार्यक्रम को भी सफल बनाना है.

झारखंड की सभी सीटें जीतेंगे

प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश ने कहा कि पूरे देश में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्कलुसिव अलायंस के पक्ष में और मोदी सरकार की तानाशाही के खिलाफ लहर चल रही है. इस बार झारखंड की सभी सीटों पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जीत रहे हैं. इसके लिए हमें अपना प्रयास तेज करना होगा. जिला संगठन प्रभारी श्री आलम ने कहा कि हमें इंडिया गठबंधन के पक्ष में जनसंपर्क अभियान को हर घर तक ले जाना होगा. जिला प्रवक्ता अरविंद विकास ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने देश भर के लोगों के लिए मुफ्त बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा सहित दस गारंटियों की घोषणा की है.

गडकुरा पंचायत | हर घर नल योजना का तिसरी (गिरिडीह) में हाल बुरा

महत्वाकांक्षी योजना हाथी दांत साबित हो रही है

संवाददाता । तिसरी (गिरिडीह)

केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना हर घर नल जल योजना का हाल खस्ता है. जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पीने योग्य साफ पानी उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपयों की लागत से शुरू की गई यह योजना केवल हाथी का दांत साबित हो रही है.

यह हाल कई क्षेत्रों का है, गिरिडीह जिले का तिसरी प्रखंड इस योजना में किए जा रहे लापरवाही और गड़बड़झाले का साक्षी बना पड़ा है. प्रखंड क्षेत्र के कई पंचायतों से आए दिन नल जल योजना से जुड़ी समस्याएं सामने आती रहती है लेकिन संबंधित विभाग का भी इस पर कोई खासा ध्यान नहीं जाता है. ताजा मामला प्रखंड के गड़कुरा पंचायत का है. जहां कहीं स्थानों पर जलमीनार बनाकर पेयजलापूर्ति बहाल कर दी गई है लेकिन इनमें से कुछ ही स्थानों पर लोगों को पानी मिल पा रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत के पालमो गांव में बीते एक माह पहले से ही पेयजलापूर्ति बहाल कर दी गई है. लेकिन इसके दो-चार दिनों के बाद उन्हें पानी मिलना बंद हो गया.

खास बातें

- लोगों को पीने लायक साफ पानी उपलब्ध नहीं हो रहा है
- कई स्थानों पर पुराने बोरिंग से ही कनेक्शन

ग्रामीण चंद्रिका देवी ने बताया कि यहां एक माह पूर्व ही जल मीनार बनाया गया है. शुरुआत में दो-चार दिनों तक अच्छी तरह पानी की सप्लाई की गई थी लेकिन उसके बाद से पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलता है. वहीं गीता देवी ने भी बताया कि शुरुआती दिनों में पानी मिला था इसके बाद से पीने लायक पानी भी नहीं मिल पाता है. बता दें कि देयार डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड नामक द्वारा पलामो गांव में जलमीनार बनाकर 5000 लीटर क्षमता वाली टंकी लगाई गई है बावजूद इसके जलमीनार के पास स्थित घरों तक भी पानी नहीं पहुंच रहा है. ऐसा प्रतीत होता है कि संवेदक द्वारा जलमीनार बनाकर उसमें बोर्ड लगाकर केवल खानापूर्ति की गई है क्योंकि अभी तक आसपास के लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पा रही है.

जलमीनार में डुप्लीकेट कम्पनी का मोटर लगा है : मुखिया

इस मामले में पंचायत के मुखिया इब्राहिम मियां ने आरोप लगाते हुए कहा कि संवेदक द्वारा जल मीनार में डुप्लीकेट कंपनी का मोटर लगाया गया, जिससे टंकी में भी पानी नहीं भर पाता है. लिहाजा स्थानीय लोगों को पेयजल के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है.उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर उन्होंने विभाग के जेई से भी बात की लेकिन जेई ने ठेकेदार से बात करने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया. वहीं ठेकेदार से बात करने पर उनके पास मिस्त्री नहीं होने की बात कही. इतना ही नहीं स्थानीय मुखिया ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में कई स्थानों पर पुराने बोरिंग में ही कनेक्शन कर दिया गया है जिसमें पर्याप्त मात्रा में पानी भी उपलब्ध नहीं है।कहा कि पूरे पंचायत में यही हाल है. ऐसे में यही प्रतीत होता है कि ठेकेदार द्वारा मनमाने ढंग से कार्य कर निकल जाने का प्रयास किया जा रहा है. इस संबंध में पीएचईडी विभाग के जेई मणिकांत मंडल ने बताया कि नियम के अनुसार इस कार्य में पांच वर्षों तक अनुरक्षण करने की जिम्मेदारी संवेदक की है यदि कहीं कुछ गड़बड़ी होती है तो संवेदक द्वारा उसे बनाया जायेगा.वहीं इस संबंध में देयार डेवलोपर्स प्राइवेट लिमिटेड के संवेदक राहुल कुमार ने कहा कि मोटर समेत सभी उपकरण बिलकुल मानक कम्पनी का लगा है. यदि टंकी में पानी चढ़ाने में कोई समस्या हो रही है तो उसे ठीक कर दी जायेगी.

This may be published in Newspapers and TV from the day follwbing the last date for withdrawal of candidature and upto two days before the date of poll.

Format C-I

(for Candidates to published in Newspaper, TV)

Declaration about criminal Cases

(As per the judgement dated 25th September, 2018 of Honble Superme Court of WT Civil No. 536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors Ex. Union of India & Otr.

Name and address of candidate : SRI RAM SINGH

Name of political party : INDEPENDENT

(Independent candidates should write *Independent* here)

Name of Election : LOK SABHA

*Name of Constituency : 4 CHATRA

I .... (Name of candidate), a candidate for the abovementioned election\, declare for public information the following details about my criminal antecedents :

(A Pending criminal cases

Sl. No.	Name of Court	Case No. and dated	Status of case(s)	Section(s) of Acts concerned and brief description of offence(s)
1	Principal Distt & Session Judge Garhwa, Jharkhand	S.T. No. 200/2019	Pending Trial	U/S 147, 148, 149, 341, 323, 337, 338, 353, 307, 338, 371, 511, 188 I.P.C and 126, 127 R. P. Act.

(B) Details about cases of conviction of criminal offences

Sl. No.	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence(s) & Punishment imposed	Maximum Punishment Imposed
NIL	Not applicable	NIL	NIL

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, Mention the election concerned in place of name of constituency.

SRIRAM SINGH
(IMDEPENDENT CANDIDATE)
(Signature of Candidate)

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से राजग गठबंधन के भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित सभा में असम के सीएम ने कांग्रेस व राहुल गांधी पर साधा निशाना

किसी के मन में कोई संदेह नहीं, भाजपा अबकी बार 400 पार सीट जीत रही : सरमा

संवाददाता। रामगढ़

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी मनीष जायसवाल के पक्ष में बीजेपी ने पूरी ताकत झोंक दी है. इसी कड़ी में रामगढ़ के रजरप्पा में बीजीपी की चुनावी सभा हुई, जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्वा सरमा ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और बीजेपी के पक्ष में जनता से समर्थन मांगा. रजरप्पा के सीसीएल ग्राउंड में सभा को संबोधित करते हुए सरमा ने कहा कि देश में चार चरण का चुनाव संपन्न हो चुका है और किसी के मन में कोई संदेह नहीं है कि भाजपा अबकी बार 400 पार सीट जीत रही है. उन्होंने कहा कि जनता का रुझान स्पष्ट संकेत दे रहा है कि इस बार 400 सीट से पार है. उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल बाबा अपने हर भाषण में एक ही बात बोल रहे हैं कि किसी तरह 400 पार नहीं होना चाहिए. सरमा ने कहा कि राम मंदिर निर्माण के बाद हिंदुओं के बीच प्रबल उत्साह है. भाजपा ने जब 300 सीट पर कई कार्य किए, कश्मीर से धारा 370 हटाई, बाबरी मस्जिद के ढांचे की जगह राम मंदिर का निर्माण हुआ. इस बार 400 सीटें आईं तो पीओके भी भारत में विलीन हो जाएगा, ज्ञानवापी मंदिर बनेगा, देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड बेहद जरूरी है. उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी

ने अभी ट्रेलर दिखाया है, 400 सीट आने के बाद पूरी फिल्म दिखाएंगे. सरमा ने झारखंड के मौजूदा हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे असम और झारखंड की जनसंख्या और भौगोलिक स्थिति एक है, लेकिन झारखंड खनिज संपदा से भरपूर और समृद्ध होने के बावजूद इसका विकास नहीं हुआ. झारखंड में जिस प्रकार घुसपैठिये प्रवेश कर रहे हैं उससे झारखंड की डेमोग्राफी प्रभावित हो रही है और स्थानीय झारखंडी में इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है.

गरीबों की चिंता सिर्फ मोदी सरकार ने की है : जायसवाल

भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश में रामराज चाहिए कि नहीं अब यह तय करने का समय आ गया है. हमारे कलर हेरिटेज संस्कृति धरोहर को बचाना होगा. उन्होंने कहा कि विकास के मामले अगर देखा जाए तो कांग्रेस के 60 साल में कोई विकास नहीं किया गया. गरीबों की चिंता किसी ने नहीं की. गरीबों की चिंता अगर किसी सरकार ने की है तो वह सिर्फ मोदी सरकार है. पीएम मोदी का सपना है कि 2047 तक संपूर्ण भारत विकसित राष्ट्र बने और यहां के निवासी हर जरूरी सुविधाओं का लाभ ले सके, लेकिन यह सपना तभी पूरा हो सकता है जब देश में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बने. मौके पर राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, आजसू रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी, हजारीबाग लोकसभा के प्रभारी शशि भूषण भगत, सह संयोजक कुंटू बाबू, रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीन मेहता, ग्वालियर के पूर्व विधायक घनश्याम पुरोनिया, उपाध्यक्ष राजू चतुर्वेदी, वसुंधरा तिवारी, दिलीप सिंह, प्रोफेसर संजय सिंह, दिनेश प्रसाद साहू, गणेश प्रसाद वर्मा, कैंट मंडल अध्यक्ष सूर्यवंशी, नगर परिषद अध्यक्ष मनोज गिरी, गोला मंडल अध्यक्ष बबलू साव सहित चंद्रशेखर चौधरी, रंजीत पांडे, विजय जायसवाल, संतोष शर्मा आदि मौजूद थे.

कांग्रेस और झामुमो की सरकार ने झारखंड को भ्रष्टाचार के लिए विख्यात कर दिया : सरमा

सरमा ने कहा कि कांग्रेस और झामुमो की गठबंधन की सरकार तुष्टिकरण की राजनीति करती है. उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में मोदी सरकार ने आरक्षण के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की, बल्कि दलित और आदिवासी समाज से आने वाले को देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद पर विराजमान कर सम्मान देने का काम किया, जबकि गैर भाजपा शासित प्रदेश कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में ओबीसी का आरक्षण काटकर मुस्लिम समुदाय को लाभ दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि राष्ट्र के विकास के लिए मथुरा और काशी में अधूरे सपने को पूरा करने के लिए, पीओके की वापसी के लिए, भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए, भ्रष्टाचारियों पर नकेल कसने के लिए, एनडीए गठबंधन को 400 पार सीटों पर जिताएं और हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से मनीष जायसवाल को प्रचंड बहुमत से सांसद बनाएं.

आजसू के गढ़ में आयोजित जनसभा में खाली रह गई भाजपाइयों की कुर्सी

रामगढ़। रामगढ़ विधानसभा आजसू का गढ़ माना जाता है. इस विधानसभा का रजरप्पा क्षेत्र आजसू की विधायक सुनीता चौधरी का घर है. दूसरी सबसे बड़ी बात यह कि गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी यहां से विधायक और मंत्री भी रह चुके हैं. आज भी रामगढ़ की जनता उनके दिल में बसती है. भाजपा और आजसू गठबंधन का कार्यक्रम रजरप्पा में हो और वहां भीड़ न उमड़े, ऐसी उम्मीद नहीं की जा सकती. लेकिन बुधवार को असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक हिमंत बिस्वा सरमा की जनसभा पूरी तरीके से खाली रही. यहां भीड़ की बात तो दूर, पार्टी के द्वारा लगाई गई कुर्सियां भी लगभग 70 फ़ीसदी खाली ही रही. हेलीकॉप्टर उतरने और स्टार प्रचारक के दमदार भाषण के बावजूद जनसभा में भीड़ न होना कई सवालों को जन्म देता है. भाजपा को जिस जनसैलाब की उम्मीद रजरप्पा क्षेत्र में थी, उस पर पूरी तरीके से पानी फिरता हुआ दिख रहा है. मतदान में सिर्फ पांच दिन शेष रह गए हैं और ऐसी स्थिति में जनसभाओं से भीड़ का दूर होना बेहतर संकेत तो नहीं माना जा सकता.

ब्रीफ खबरें

स्टेशन पर चला अभियान बेटिकट पकड़े हजारों यात्री

रामगढ़। धनबाद मंडल के विभिन्न खंडों में बुधवार को बड़े स्तर पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. इस दौरान लगभग 2000 यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़ा गया. वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमरेश कुमार ने बताया कि धनबाद, गोमो, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशन में गहन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. इस दौरान कुल 2000 यात्रियों को पकड़ा गया. इसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्री शामिल थे. इस दौरान उनसे 12 लाख 43 हज़ार 470 रुपये जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई.

शराब मूल्य से अधिक वसूली पर 3 गिरफ्तार

कोडरमा। उत्पाद विभाग अवर निरीक्षक सुजीत कुमार एवं उनकी टीम द्वारा कोडरमा जिले में अंग्रेजी शराब दुकानदारों एवं कंपोजिट शराब दुकानदारों के द्वारा मूल्य से अधिक शराब को बेचने की शिकायतें पूरे जिले से आ रही थी. इसी के आलोक में कार्रवाई करते हुए अंग्रेजी शराब दुकानों पर टीम ने छापा मारा और तीन दुकानदारों को मूल्य से अधिक कीमत पर शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया. इनमें जयकांत कुमार जयनगर विदेशी शराब दुकान, रंजन कुमार झुमरी तिलैया विदेशी शराब दुकान नंबर 2, कुलदीप यादव अरागारो कंपोजिट शराब दुकानदार शामिल हैं.

पिकअप दुर्घटनाग्रस्त चालक की हुई मौत

चौपारण। चौपारण सियारकोनी स्थित सांझा कट के समीप बुधवार अहले सुबह भीषण सड़क दुर्घटना में पिकअप चालक की मौके पर मौत हो गई. मृतक चालक की पहचान दिवाकर बेहरा (41), सेनकुला, मयूरभंज ओडिशा के रूप में की गई है. जानकारी के अनुसार आम लदा पिकअप ओडिशा से गया, बिहार की ओर जा रहा था. इसी क्रम में चौपारण जीटी रोड सीयरकोनी सांझा के समीप पिकअप के आगे आगे चल रहे अज्ञात वाहन में पीछे से टक्कर मार कर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. टक्कर इतनी जबरदस्त थी पिकअप का अगला भाग पूरी तरह से दब गया, जिससे चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. पुलिस ने दुर्घटना की सूचना परिजनों को दे दी. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

‘इंडिया’ की सभा में तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री पर बोला हमला, कहा

पीएम मोदी झूठ बोलते हैं, वह गोबर को भी हलवा बता देते हैं

संवाददाता। हजारीबाग

हज़ारीबाग़ लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार जय प्रकाश भाई पटेल के समर्थन में बुधवार को छड़वा मैदान में जनसभा का आयोजन किया गया. इसमें बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मुख्य रूप से शामिल हुए. सभा में उपस्थित सभी नेताओं ने संबोधन कर जय प्रकाश भाई पटेल को भारी मतों से जिताने का आह्वान किया. तेजस्वी यादव ने अपने देसी स्टाइल में मंच के सामने कुर्सी लगाकर लोगों के साथ संवाद स्थापित किया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड के दौरे पर भी आये थे मगर कुछ बताया नहीं कि अगले पांच साल में क्या करेंगे, बस इधर उधर और दूसरों की बात कर के वापस चले गए. हम यहां पढ़ाई-लिखाई, सिंचाई-कमाई की बात करने आये हैं. युवाओं को रोजगार देने आए हैं. हम कल भी इसी की बात करते थे और आज भी इसी की बात करेंगे.

यह चुनाव शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय का चुनाव है, समझदारी के साथ काम लीजिये और इंडिया गठबंधन को जिताइये. उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज करते हुए कहा कि वो इतना झूठ बोलते हैं कि

खास बातें

- बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने देसी स्टाइल में किया संवाद
- कहा-हम कल भी राजगार की बात करते थे व आज भी करेंगे

गोबर को भी हलवा बता देते हैं. इनके झूठ में देश अब और नहीं फंसेगा. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेंद्र यादव, संचालन संजर मालिक एवं साजिद अली खान ने किया. मौके पर बरही विधायक उमासंकर अकेला, बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद, रामगढ़ की पूर्व विधायक ममता देवी, मुन्ना सिंह, शहज़ादा अनवर, रामगढ़ जिला अध्यक्ष मुन्ना पासवान, रेणु देवी, आरजेडी जिला अध्यक्ष चरका यादव, कांग्रेस ओबीसी प्रदेश महासचिव कोमल कुमारी, प्रदेश सचिव रेणु देवी, राजद नेत्री पूनम यादव आदि मौजूद थे.

हेलीकॉप्टर और तेजस्वी को देखने आए थे लोग

जनसभा के दौरान कई लोगों ने बताया कि पहली बार हेलीकॉप्टर देखने के लिए छड़ा आए थे और जब हेलीकॉप्टर मैदान में पहुंचा तो धूल और गर्दा के कारण हेलीकॉप्टर लौट गया फिर लगभग 4 :00 बजे हेलीकॉप्टर छड़वा मैदान पहुंचा. काफी लेट हो गई थी इसके कारण लौट गए. वहीं कई लोगों ने कहा कि नेता भाषण देते-देते थक गए. जब तक तेजस्वी नहीं आए थे अन्य नेता संबोधित कर रहे थे और सभी को सुअर चराने वाला, भैंस चराने वाला और बकरी चराने वाला बोल रहे थे. कई लोगों ने यह भी कहा कि नेताओं को यह समझना होगा कि ग्रामीण भी पढ़े लिखे हैं और वह भी बिजनेस, व्यापार और शहर में रहते हैं.

भाजपा प्रत्याशी जायसवाल व पूर्व विधायक मनोज ने किया रोड शो

संवाददाता। हजारीबाग

क्षेत्र में पांचवें चरण में आगामी 20 में लोकसभा चुनाव होना है. बुधवार को भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के रजरप्पा में आयोजित असम के मुख्यमंत्री डॉ हेमंता विश्व शर्मा के जनसभा में शामिल होने के बाद झारखंड वैश्य समाज द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया. इसके बाद जायसवाल व पूर्व विधायक मनोज यादव ने चौपारण बाजार और बरही में रोड शो किया. इस दौरान उन्होंने लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की. कहा कि देश की मजबूती के लिए, विश्व में भारत के बढ़ते कदम के लिए

तथा मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए जनता अपना आशीर्वाद भाजपा को दें. मनोज यादव ने कहा कि भाजपा सभी वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रही है. रोड शो की शुरुआत केंदुआ मोड़ से हुई और इसका समापन चतरा मोड़ पर हुआ. प्रसिद्ध खीरमोहन व्यवसायी बिष्णु खीर मोहन के संचालक शंकर यादव ने भी जायसवाल तथा मनोज यादव को माला पहनाकर उनका स्वागत किया.

भाकपा प्रत्याशी अनिरुद्ध के पक्ष में भुवनेश्वर मेहता ने मांगा वोट

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग संसदीय लोकसभा क्षेत्र के भाकपा प्रत्याशी अनिरुद्ध कुमार के समर्थन में बुधवार को मतदान करने की अपील हजारीबाग के पूर्व सांसद सह भाकपा के वरिष्ठ नेता भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कांग्रेस प्रत्याशी के गृह प्रखंड विष्णुगढ़ के नरकी एवं नवादा पंचायत में की. भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि भाजपा के दोनों उम्मीदवार हैं. वह कांग्रेस का भले ही दामन थाम लिया. लेकिन भाजपा की विधायकी

और भाजपा के सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया. इसलिए वह कभी भी भाजपा में शामिल हो सकता है. वही भाजपा के प्रत्याशी मनीष जायसवाल तो भाजपा के प्रत्याशी है ही. ऐसी स्थिति में हजारीबाग लोकसभा की जनता को होशियार होकर, जागरूक होकर मतदान करना ह, जिससे गलत लोगों को वोट न मिल जाए .

झामुमो के स्टार प्रचारक बेसरा ने नुक्कड़ सभा को किया संबोधित, कहा

बीजेपी सरकार एजेंसियों का कर रही दुरुपयोग

संवाददाता। चरही

प्रखंड के बहेरा पंचायत अंतर्गत फुसरी चौक में बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के स्टार प्रचारक सह दर्जा प्राप्त मंत्री केंद्रीय महासचिव फागू बेसरा ने नुक्कड़ सभा को संबोधित करते कहा इस बार हजारीबाग लोकसभा सीट इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जेपी पटेल को भारी मतों से विजय बनाना है, जिससे गुरुजी और हेमंत सोरेन के हाथों को मजबूत बनाने का काम करना है. केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने झारखंड के पूर्व आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बेवजह बिना सबूत के जमीन घोटाले मामले को लेकर केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी द्वारा गिरफ्तार करवाया गया. पूरे देश में भाजपा की सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है.

नुक्कड़ सभा की समाप्ति के बाद

उन्होंने रोड शो करते हुए चरही घटो मोड़ पर शाहिद जयवीर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. सभा का संचालन पूर्व जिला सचिव नीलकंठ महतो ने किया. अध्यक्षता 20 सूत्री उपाध्यक्ष लखीराम मांझी ने की. इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता विजय हेमब्रोम, सगीर हुसैन, कुर्बान अंसारी, तलो मांझी, रामचंद्र गंझू, परमेश्वर सिंह भोक्ता, खुलेश्वर सिंह भोक्ता, बालकुमार महतो, बहेरा मुखिया देवकी महतो, उप मुखिया शिवचंद मुर्मू, चोलेश्वर महतो, प्रखंड अध्यक्ष दीप नारायण महतो, प्रखंड सचिव आनंद मरांडी, जयराम मांझी, कांग्रेस नेता जेपी यादव, मुकेश गंझू , श्याम मरांडी, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष तामीर अंसारी, सहित कई झामुमो एवं कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे.

स्थापना दिवस का रंगारंग आगाज, टीआरवी बैंड की प्रस्तुति पर झूमे विद्यार्थी, कुलपति ने कहा

आईसेक्ट विवि की पड़ोसी राज्यों में भी पहचान

संवाददाता। हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय ने आज न सिर्फ आसपास के क्षेत्रों में बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है और इसका श्रेय विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों व विश्वविद्यालय से जुड़े सभी प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं व कर्मचारियों को जाता है. उक्त बातें कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद ने विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस में 9वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कस्तूरी 2024 कार्यक्रम के दौरान कहीं. उन्होंने कहा कि 16 मई 2016 को जब विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी, उसी वक्त से गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना हमारी प्राथमिकता में शामिल था. आज उसी का परिणाम है कि न सिर्फ विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड से नवाजा

गया है, बल्कि यहां के विद्यार्थी पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों समेत विभिन्न गतिविधियों में सफलता का परचम लहराया है. इससे पूर्व कस्तूरी 2024 का रंगारंग आगाज़ बुधवार को हुआ. विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पीके नायक, कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई.

एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए : बता दें कि दो दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में बुधवार को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए. कुलपति डॉ. पीके नायक ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने क्वालिटी एजुकेशन के लिए प्रतिबद्ध है. इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य तकनीकी स्तर पर कुशल, पारंपरिक ज्ञान, मूल्य आदि का विकास करते हुए आधुनिक परिवेश के लिए तैयार करना है. वहीं कृति प्रभु के गाए भजन ने पूरा माहौल भक्तिमय कर दिया. आर्यन कुमार, प्रगति कुमारी, शालिनी कश्यप व दयानंद राम के गीतों ने समां बांध दिया तो तन्नू श्री एंड ग्रुप, रिया एंड ग्रुप व स्वप्निल आर्या एंड ग्रुप के मनमोहक नृत्य से मौजूद कई लोगों के पांव थिरकने लगे. वहीं संध्या वर्मा एंड ग्रुप के डांस ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया. रिया मित्रा, शालिनी कुमारी, स्वप्निल आर्या, प्रिया सिंह, विनिता पांडेय, स्नेहा सिंह, ओम प्रकाश, संध्या वर्मा व अलीशा सिंह के नृत्य को भी सराहना मिली. कुमारी सीमा के नेतृत्व में टीआरवी बैंड में शामिल अंशु, साहिल, दीपक, आदित्य, आदित्य की सामुहिक गायन प्रस्तुति से संगीतमय माहौल में बड़ी संख्या में मौजूद विद्यार्थी खूब झूमे.

लोस चुनाव ‘इंडिया’ की चुनौती बढ़ने से राजग को लगाना पड़ रहा जोर, निर्दलीय जयप्रकाश से भाजपा को नुकसान

राह मुश्किल : त्रिकोणीय मुकाबले में फंसी कोडरमा लोकसभा सीट

एजेंसी। कोडरमा

झारखंड की कोडरमा लोकसभा सीट पर चुनावी समीकरण पांच वर्ष पहले की तुलना में काफी बदल गये हैं. भाजपा की अन्नपूर्णा देवी को जीत बरकरार रखने के लिए ज्यादा जोर लगाना पड़ रहा है. क्योंकि, इंडिया गठबंधन की चुनौती भी बढ़ती जा रही है. चुनाव विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा और इंडिया गठबंधन के बीच लड़ाई को निर्दलीय जयप्रकाश वर्मा के त्रिकोणीय बनाने से भाजपा को अधिक नुकसान उठाना पड़ रहा है.

बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र में पिछली बार 2019 में तत्कालीन

अन्नपूर्णा देवी

विनोद सिंह

जयप्रकाश वर्मा

विधायक जानकी यादव और वर्तमान विधायक अमित यादव दोनों ने भाजपा के लिए वोट मांगे थे और यहां भाजपा को बड़ी बढ़त दिलायी थी लेकिन जानकी यादव कुछ दिन पहले ही भाजपा को छोड़कर झामुमो में शामिल हो चुके हैं. अब बात करें कोडरमा विधानसभा क्षेत्र की तो स्वाभाविक रूप से भाजपा यहां आंकड़ों में मजबूत दिखती है. यहां से भाजपा की डॉ नीरा यादव विधायक हैं. पिछले लोकसभा चुनाव में जिला परिषद की अध्यक्ष रहीं शालिनी गुप्ता ने भी भाजपा के लिए वोट मांगे थे. इस बार आजसू पार्टी में होते हुए भी वह भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में नहीं दिख रही हैं.

वर्ष 2019 में 4.5 लाख वोटों से जीतीं अन्नपूर्णा देवी

केंद्रीय मंत्री और वर्तमान सांसद अन्नपूर्णा देवी कोडरमा लोकसभा सीट से दूसरी बार चुनाव लड़ रही हैं. साल 2019 में राजद से भाजपा में शामिल हुईं अन्नपूर्णा देवी ने तब झाविमो प्रत्याशी बाबूलाल मरांडी को 04 लाख 50 हजार वोटों से पराजित किया था. विधानसभावार स्थिति का आकलन करें तो गांडेय विधानसभा क्षेत्र से अभी हो रहे उप चुनाव में कल्पना सोरेन चुनाव लड़ रही हैं, जिसका प्रभाव लोकसभा चुनाव पर भी दिखेगा. यहां से भाजपा विधायक रह चुके जयप्रकाश वर्मा ने पिछली बार अन्नपूर्णा देवी के लिए वोट मांगे थे लेकिन इसबार वे खुद लोकसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी हैं. बगोदर विधायक विनोद सिंह इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी हैं तो बगोदर में उनकी मजबूती स्वाभाविक है. धनवार विधानसभा क्षेत्र में भी भाकपा माले की मजबूत पकड़ रही है. झामुमो और अन्य दलों के साथ से यह पकड़ और मजबूत हो गयी है. जमुआ में भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी, भाकपा माले के विनोद सिंह और निर्दलीय जयप्रकाश वर्मा तीनों की मजबूत पकड़ दिखती है.

वीर शिरोमणि चौहरमल की भव्य प्रतिमा की गई स्थापित

संवाददाता। हजारीबाग

सिरसी स्थित वीर शिरोमणि चौहरमल की प्रतिमा स्थापित की गई. कार्यक्रम में पासवान समिति हजारीबाग के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद की मौजूदगी रही. आजाद ने सामंतवाद और सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने पर जोर दिया। आजाद निरंतर विगत कई वर्षों से अपने समाज के लिए संघर्षरत और कार्यरत रहे हैं. पार्षद सुबोध पासवान की मौजूदगी रही, जो महिला सशक्तिकरण, बाल विकास, सामाजिक उन्मूलन और सामाजिक संगठन के लिए सक्रिय रहे हैं. उक्तआयोजन का श्रेय बादशाह पासवान सिरसी को जाता है.आजाद, सुबोध, बादशाह पासवान समिति के वे चेहरे हैं जिन्होंने पूरे समाज के लिए आगे बढ़ने का कार्यक्रम किया है.

राजनेता और भ्रष्टाचार...

चोली दामन का नाता

रांची/ प्रवीण कुमार। झारखंड में राजनेताओं और भ्रष्टाचार का चोली-दामन का नाता रहा है. मुख्यमंत्री रहते मधु कोड़ा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे. केस में फंस गये. आखिरकार जेल जाना पड़ा. कालांतर में उनकी कैबिनेट में मंत्री रहे एनोस एक्का, हरिनारायण राय, कमलेश सिंह, बंधु तिर्की पर भी आरोप लगे. जेल भी जाना पड़ा. कुछ को सजा हुई, तो कुछ को बेल मिली. आज की तारीख में कई ऐसे भी राजनेता हैं, जिन पर लगे आरोपों की जांच चल ही रही है.ईडी ने झारखंड के कई राजनेताओं की संपत्ति भी जब्त कर ली है. आज ईडी का जोनल ऑफिस जिस भवन में चल रहा है, वह सजायाफ्ता पूर्व मंत्री एनोस एक्का का मकान है, जिसे ईडी ने जब्त कर लिया है. राज्य के लगभग एक दर्जन नेताओं पर भ्रष्टाचार, आय से अधिक संपत्ति के आरोप लगे, कुछ को सजा भी हुई. लेकिन ईडी-सीबीआई और राज्य सरकार की एजेंसियों की लगातार चल रही छापेमारी और कार्रवाई के बावजूद राज्य में भ्रष्टाचार दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है और राजनेता लगातार इसकी चपेट में आ रहे हैं.

भ्रष्टाचार के आरोप में मधु कोड़ा को जाना पड़ा था जेल

2006 से 2008 तक यूपीए के साथ गठबंधन सरकार चलाने वाले मधु कोड़ा को भी भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाना पड़ा था. उन पर मनी लॉन्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति के आरोप लगे थे. कोड़ा कथित तौर पर माइनिंग घोटाले में शामिल होने का आरोप था. सीबीआई और ईडी ने आरोप लगाया कि कोयला खदानों के आवंटन के बदले कोड़ा ने सीएम रहते रिश्वत ली थी. 2009 में गिरफ्तारी के बाद कोड़ा को 2013 में जमानत मिली. 2017 में उन्हें दोषी करार दिया गया और 25 लाख जुर्माने के साथ तीन साल की सजा सुनायी गयी. उन्हें हवाला लेनदेन के चार और केस के साथही आय से अधिक संपत्ति मामले में भी दोषी करार दिया गया था.

शिक्षा मंत्री रहे बंधु तिर्की को भी गंवानी पड़ी थी विधायकी

कोड़ा मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री रहे बंधु तिर्की पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में सीबीआई ने 11 अगस्त 2010 को प्राथमिकी दर्ज की थी. सीबीआई ने अवैध संपत्ति को लेकर मई 2005 से 30 जून 2009 तक की अवधि कोअलग मानते हुए जांच शुरू की. इस दौरान सीबीआई ने बंधु तिर्की की आय 13 लाख 37 हजार रु आंकी. तिर्की जेल भी जाना पड़ा था. आय से अधिक संपत्ति मामले बंधु तिर्की को सीबीआई की विशेष अदालत ने दोषी ठहराया है. कोर्ट ने उन्हें तीन साल की सजा सुनाई है. सीबीआई कोर्ट ने प्रीवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट 13(2)13(1) 13 (3) धाराओं में दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा, तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. जिसके कारण बंधु को विधायकी भी गंवानी पड़ी.

पूर्व मंत्री भानुप्रताप शाही पर ये लगे हैं बड़े आरोप

मुख्यमंत्री मधु कोडा के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में भानुप्रताप शाही स्वास्थ्य और श्रम मंत्री थे. ईडी और सीबीआई ने आरोप लगाया था कि उन्होंने 2005-09 के बीच अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अवैध संपत्ति बनायी. ईडी ने आरोप लगाया था कि झारखंड में 2005-2009 के दौरान विधायक और कैबिनेट मंत्री रहने के दौरान शाही अपने रिश्तेदारों और अन्य के साथ धनशोधन की गतिविधि में संलिप्त थे. उन्होंने सोनांचल बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड और अंगेश ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के जरिए अवैध तौर पर 7,97,96,888 रुपये की संपत्ति अर्जित की. ईडी ने पूर्व में गाजियाबाद, गुरुग्राम और रांची में शाही से जुड़ी 15 अचल संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई की थी.

हरिनारायण राय को आय से अधिक संपत्ति मामले में सजा मिली

कोड़ा सरकार में मंत्री रहे हरिनारायण राय पर भी भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति का आरोप साबित हुआ. सीबीआई कोर्ट ने 2016 में उन्हें पांच साल की सजा सुनाई थी और 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था. उन्होंने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की, लेकिन हाईकोर्ट ने भी इस फैसले को बरकरार रखा.

पूर्व मंत्री कमलेश सिंह को भी मनी लॉन्ड्रिंग केस में जाना पड़ा था जेल

कोड़ा सरकार में ही मंत्री रहे कमलेश सिंह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले चल रहे हैं. उन्हे भी जेल जाना पड़ा है. कमलेश सिंह, उनकी पत्नी मधु सिंह समेत पांचों पर 5.83 करोड़ रुपये का मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 10 अक्तूबर 2009 को उनके व परिवार के सदस्यों के खिलाफ मुकदमा (ईसीआईआर 02/09) दर्ज किया था. मामले की जांच में दामाद, बेटी और बेटा का नाम भी आया था.

कृषि मंत्री रहते नलिन सोरेन पर भी लगा है गबन का आरोप

मंत्री रहते 46 करोड़ की राशि के गबन से जुड़ा मामले में राज्य के पूर्व कृषि मंत्री नलिन सोरेन को एसीबी ने आरोपी बनाया था. इस मामले में सोरेन के साथ पूर्व कृषि निदेशक निस्तार मिंज, उमेश गुप्ता, महेश जी सेठी और अमरनाथ डालमिया को भी नामजद आरोपी बनाया गया है. इन लोगों के खिलाफ वर्ष 2013 में एसीबी रांची की टीम ने मुकदमा दर्ज किया था. आरोप है कि वर्ष 2007 से 2008 की अवधि में इनलोगों ने षड्यंत्र के तहत 4.94 करोड़ रुपये की सरकारी राशि का गबन कर लिया था. बताया गया कि जिस राशि का गबन किया गया था, वह कृषि विभाग और राष्ट्रीय बागवानी मिशन कार्यक्रम के तहत राज्य सरकार द्वारा आवंटित की गई थी. हालांकि मामले की जांच अभी चल ही रही है. हालांकि आरोप लगने के बाद पूवर्व कृषि मंत्री को जेल भी जाना पड़ा था.

एनोस एक्का को 20.31 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में मिल चुकी है सजा

कोड़ा सरकार में रहे मंत्री एनोस एक्का को भी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) कोर्ट ने 20 करोड़ 31 लाख 77 हजार 852 रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दोषी करार दिया था. इससे पहेले सीबीआई की विशेष अदालत ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के जुर्म में 26 फरवरी 2020 को एनोस को 7 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुना चुकी है. इसके बाद अक्तूबर 2009 में मनी लॉन्ड्रिंग का मुकदमा दर्ज किया गया था. कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान ईडी की टीम ने आरोपी एनोस द्वारा खरीदी गई अचल संपत्ति से जुड़े 116 बिक्री पट्टों को अदालत में चिह्नित कराया था और उनकी कई संपत्ति सीज कर ली थी. एनोस को हत्या मामले में भी मिली है उम्रकैद की सजापूर्व मंत्री एनोस एक्का को 2014 में पारा शिक्षक मनोज कुमार की हुई हत्या के मामले में उम्र कैद की सजा सुनायी गयी है. झारखंड हाईकोर्ट ने सितंबर 2019 में उन्हें जमानत दी थी.

बीज खरीद घोटाला में आरोपी हैं मंत्री सत्यानंद भोक्ता, 2013 में साक्ष्य मिला, तो आये लपेटे में

झारखंड सरकार के मौजूदा श्रम मंत्री एवं पूर्व में कृषि रहे मंत्री सत्यानंद भोक्ता से जुड़े कृषि बीज खरीद घोटाला मामले में झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है. झारखंड सरकार में पूर्व में रहे कृषि मंत्री सत्यानंद भोक्ता पर वर्ष 2009 में बीज खरीद घोटाला का आरोप लगा है. मंत्री भोक्ता के खिलाफ वर्ष 2009 में एसीबी थाने में बीज घोटाला को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी. उसमें वर्तमान श्रम मंत्री और तत्कालीन कृषि मंत्री रहे सत्यानंद भोक्ता नामजद आरोपी नहीं थे. लेकिन इस केस के अनुसंधान के दौरान एसीबी ने वर्ष 2013 में सत्यानंद भोक्ता के खिलाफ साक्ष्य पाए जाने का कारण बताते हुए उन्हें भी इस मामले में आरोपी बनाया था. जिसे सत्यानंद भोक्ता ने झूठा बताते हुए निचली अदालत में आवेदन दिया था. लेकिन इस आवेदन को निचली अदालत ने खारिज कर दिया था. वर्ष 2022 में सत्यानंद भोक्ता ने निचली अदालत में मामले की जांच कराने के लिए पुनः आवेदन दिया था, इसे निचली अदालत ने फिर से खारिज कर दिया था. उसके बाद इस मामले में हाईकोर्ट में अपील दायर कर चुनौती दी गई थी.

वर्ष 2009 के बीज घोटाला में भी आरोपी हैं पूर्व मंत्री

आरोपी पूर्व कृषि मंत्री के खिलाफ वर्ष 2009 में भी बीज घोटाला को लेकर मामला दर्ज किया गया था. इस मामले में पूर्व कृषि मंत्री नलिन सोरेन को एक साल से ज्यादा जेल में भी रहना पड़ा था. इसके बाद उन्हें जमानत मिली थी. यह मामला 46 करोड़ की राशि के गबन से जुड़ा था. मामले की सुनवाई एसीबी के विशेष कोर्ट में जारी है.

सफरनामा : गिरफ्तार हुए ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम पर झारखंड विधानसभा में नियुक्ति घोटाला के आरोप भी लगे थे

1978 में सरपंच का चुनाव जीतने के साथ ही चाचा की राजनीतिक विरासत संभाली

पाकुड़ से मनोज

रांची में करोड़ों रुपये की बरामदगी के बाद से झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम चर्चा में थे. आखिरकार ईडी ने उन्हें अपनी गिरफ्त में ले ही लिया. ह सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री रहते आलम गिरफ्तार हुए हैं. करोड़ों रुपये की बरामदगी मामले में गिरफ्तारी के बाद से चर्चा थी सारे रुपये मंत्री के ही हैं. ईडी की पूछताछ में मंत्री आलम फंसे तो फंसते ही चले गए. इसी वजह से लोग उनके बारे में जानना चाहते हैं. मंत्री आलमगीर आलम का जन्म साल 1954 में साहिबगंज जिला के बड़हरवा प्रखंड के इस्लामपुर गांव में हुआ था. उन्होंने बीएससी तक की पढ़ाई की है. उनके पिता का नाम स्व सनाउल हक और माता का नाम अमीना खातून है. पत्नी निशांत आलम के अलावा बेटा तनवीर आलम और एक बेटी है. आलमगीर आलम के दो भाइयों में से एक की मौत कोरोना काल में हो गई थी. आलमगीर आलम पुश्तैनी जमींदार परिवार से आते हैं. उनकी बहुत सारी जमीन है. आलमगीर आलम के बेटे की शादी पश्चिम बंगाल में हुई है. बताया जाता है कि इनके समधी बीड़ी के बहुत बड़े कारोबारी हैं.

आलमगीर आलम ने अपने राजनीतिक कॅरियर की शुरुआत वर्ष 1978 में की थी. तब उन्होंने अपने गृह पंचायत महारजपुर से सरपंच का चुनाव जीता था. उनकी एक साईकिल की दुकान थी, जहां वह बैठा करते थे. अपने चाचा हाजी ऐनुल हक, जो 1995 पहले कांग्रेस के विधायक हुआ करते थे, उनके साथ रह कर कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाया करते थे. इस कारण उनके चाचा हाजी ऐनुल हक ने वर्ष 1995 में आलमगीर आलम को अपना उत्तराधिकारी बनाते हुए कांग्रेस के टिकट पर पाकुड़ विधानसभा का प्रत्याशी बनाया. इस चुनाव में आलमगीर आलम भाजपा के बेनी प्रसाद गुप्ता से हार गए. वर्ष 2000 में जब झारखंड का अलग राज्य नहीं बना था, एकीकृत बिहार में चुनाव लड़े और जीत दर्ज की. तब एकीकृत बिहार में आलमगीर आलम को लघु सिंचाई मंत्री बनाया गया था. अलग झारखंड बनने के बाद वर्ष 2005 में चुनाव लड़े और पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज की. 20 अक्टूबर 2006 से 12 दिसंबर 2009 तक झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रहे. उनके कार्यकाल में ही विधानसभा में नियुक्ति घोटाला हुआ. वर्ष 2009 के विस चुनाव में झामुमो प्रत्याशी अकील अख्तर से आलमगीर को हार का सामना करना पड़ा. वर्ष 2014 में फिर से आलमगीर जीते. वर्ष 2019 के चुनाव में भी जीते, तो ग्रामीण विकास मंत्री बने थे.

एआई की ताकत और चुनौतियां

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के पास असीम ताकत है तो चुनौतियां भी कम नहीं हैं. भले ही इसको लेकर दुनिया में तमाम तरह की शंकाएं हों, लेकिन एक बात तय है कि आने वाले वक्त में यह क्रांतिकारी बदलावों की वाहक बनने जा रही है. यह लगातार नई ताकतवर तकनीकों को जन्म दे रही है. इसी कड़ी में एआई तकनीक की गुणवत्ता से लैस सर्च इंजन के सामने आने की बात कही जा रही है. कहा जा रहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित यह सर्च इंजन कालांतर गूगल के सर्च इंजन की बादशाहत को चुनौती दे सकता है. ओपनएआई द्वारा निर्मित इस सर्च इंजन की कभी भी घोषणा की जा सकती है. बताया जाता है कि इस कार्य में ओपनएआई ने बड़ी संख्या में गूगल के विशेषज्ञों को इस प्रोजेक्ट के लिए अपने अभियान में शामिल किया है. निश्चित रूप से इसके सक्रिय होने से कई तरह के बदलाव देखने में आएंगे. दरअसल, इस सर्च इंजन को लेकर इसलिए भी उम्मीदें बढ़ चुकी हैं, क्योंकि ओपनएआई का दूसरा उपक्रम चैटजीपीटी पहले ही दुनिया में धूम मचा चुका है. इसकी सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2022 के अंत में शुरू हुए चैटजीपीटी के अब तक दुनियाभर में दस करोड़ मासिक उपयोग करने वाले हैं. कहा जा रहा है कि ओपनएआई के नये सर्च इंजन के अस्तित्व में आने से चैटजीपीटी की क्षमताओं का भी विस्तार होगा. यह माइक्रोसॉफ्ट समर्थित ओपनएआई की नई कामयाबी होगी, जिससे कालांतर ज्ञान की तलाश में इंटरनेट पर सर्च इंजन का प्रयोग करने वाले जिज्ञासुओं को सटीक जानकारी मिल सकेगी. निश्चित रूप से सर्च इंजन से मिलने वाली जानकारी महज तकनीकी नहीं होनी चाहिए. अब चाहे मूल पाठ हो या अनुवाद उसमें मौलिकता की महक होनी ही चाहिए. निश्चित रूप से जानकारी तार्किक होने के साथ ही आसान भी होनी चाहिए. ऐसे में आने वाले समय में इंटरनेट जगत में नए एआई आधारित सर्च इंजन से नई क्रांति की उम्मीद की जा रही है. दुनिया में सबसे युवा और प्रतिभाओं के देश भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित व्यवस्था में अपनी पकड़ बनाने के लिए नई पहल करनी होगी. अमेरिकी कंपनियां माइक्रोसॉफ्ट, गूगल आदि तमाम कामयाब कंपनियों में भारतीय मेधा अपना परचम लहरा रही है. इन्हीं कंपनियों के उत्पाद भारत का आर्थिक दोहन कर रहे हैं. निस्संदेह, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अपने खतरे हैं. हमारा मुकाबला एक ताकतवर तकनीक से है. विकास के लिए, इसकी जरूरत भी है, लेकिन इसके खतरों से भी सावधान रहने की जरूरत है. भविष्य में ताकतवर देशों द्वारा इसके दुरुपयोग की संभावनाएं भी कम नहीं हैं. ऐसे में सावधानी के साथ इस दिशा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ कदमताल करने की भी है. लेकिन बाजार इसका उपयोग हमारे दोहन के लिए न कर सके. इसके नियमन के लिए सख्त कानून लाये जाने की जरूरत है, ताकि आम लोगों के हितों की रक्षा हो सके. यह ऐसी आग व ऊर्जा है, सावधानी से उपयोग करें तो बेहद उपयोगी है, लापरवाही हो तो बहुत घातक भी है. सरकारों को मौजूदा व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के खतरों के प्रति चिंतित भी होना चाहिए. इसके नियमन के लिए सख्त कानून बनाये जाने चाहिए.

> निश्चित रूप से इसके सक्रिय होने से कई तरह के बदलाव देखने में आएंगे. दरअसल, इस सर्च इंजन को लेकर इसलिए भी उम्मीदें बढ़ चुकी हैं, क्योंकि ओपनएआई का दूसरा उपक्रम चैटजीपीटी पहले ही दुनिया में धूम मचा चुका है.

सुभाषित

विद्या रूपं कुरूपाणां क्षमा रूपं तपस्विनाम् ।
कोकिलानां स्वरो रूपं स्त्रीणां रूपं पतिव्रतम् ॥

विद्या में वह गुण होता है कि यदि वह कुरूप को मिल जाये तो वह रूपवान बन जाता है. यानी विद्या कुरूपों का भी रूप है. वहीं तपस्वी का रूप क्षमा होती है. जिस तपस्वी के पास क्षमा न हो, उसका तप निरर्थक है. कोयल का रूप उसका मधुर स्वर और नारियों का रूप पातिव्रत्य है.

चुनावी राजनीति और भ्रामक प्रचार

चौथे चरण की वोटिंग से ठीक पहले प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने भारत की 'जनसंख्या में अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी' पर एक वर्किंग पेपर जारी किया, जिसकी मंशा की चौतरफा आलोचना की जा रही है. सवाल उठता है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान कोई ऐसा काम नहीं किया, जिसके आधार पर वे मतदाताओं से लगातार तीसरा मौका मांग सकें? या भाजपा यह मानती है कि बेरोजगारी, महंगाई जैसे मुद्दों को छोड़कर जनता बार-बार उसके निरर्थक बातों पर भरोसा कर लेगी?

• देश-काल

आलोक रंजन झा 'दिनकर'

लोकसभा चुनाव चौथा चरण पार कर चुका है. इसके साथ ही करीब चार सौ सीटों पर मतदाताओं ने प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला कर दिया है. वहीं अंतिम तीन चरणों के लिए राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से जनादेश को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रहे हैं. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अगुवाई वाले भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) ने जहां सामाजिक न्याय और संविधान को अपने प्रचार अभियान के केंद्र में रखा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) मुद्दाविहीन दिखाई दे रहा है. सत्तारूढ़ दल भाजपा दस साल की अपनी उपलब्धियां देश के सामने रखने के बजाय अपने चिरपरिचित अंदाज में सांप्रदायिक कार्ड जमकर खेल रही है. इसी कड़ी में चौथे चरण की वोटिंग से ठीक पहले प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने भारत की 'जनसंख्या में अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी' पर एक वर्किंग पेपर जारी किया, जिसकी मंशा की चौतरफा आलोचना की जा रही है. सवाल उठता है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान कोई ऐसा काम नहीं किया, जिसके आधार पर वे मतदाताओं से लगातार तीसरा मौका मांग सकें? या भाजपा यह मानती है कि बेरोजगारी, महंगाई जैसे मुद्दों को दरकिनार कर जनता बार-बार उसके भ्रामक प्रचार पर भरोसा कर लेगी?

ईएसी-पीएम ने 'शेयर ऑफ रीलिजियस माईनॉरिटीज : ए क्रॉस कंट्री एनालिसिसिस (1950-1915)' शीर्षक से जो रिपोर्ट जारी की है, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा की ओर से वर्षों से चलाए जा रहे इस नैरेटिव (कहानी) से मिलती-जुलती लगती है, जिसमें बहुसंख्यकों के मन-मस्तिष्क में अल्पसंख्यकों से 'गंभीर खतरे' की बात बैठाई जा रही है. पेपर में दावा किया गया है कि 1950 की तुलना में हिंदुओं की आबादी 7.2 प्रतिशत घटी है, जबकि मुसलमानों की आबादी में 43.15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. रिपोर्ट यह भी बताती है कि भारत में सिर्फ मुसलमानों की ही आबादी नहीं बढ़ी है, बल्कि ईसाइयों और सिखों की संख्या में भी क्रमशः 5.38 व 6.58 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. ऐसे ही बौध धर्म को मानने वालों की आबादी का भी देश की कुल जनसंख्या में हिस्सा बढ़ा है. चिंताजनक पहलू यह है कि इसकी आड़ में भाजपा और उसका समर्थक मीडिया द्वारा चुनावी लाभ के लिए बहुसंख्यकों में भय और सनसनी फैलाने की कोशिश की जा रही है. मुस्लिम आबादी में वृद्धि को उजागर करने के लिए इन आंकड़ों का सुविधाजनक चित्रण किया जा रहा है. लेकिन जानकार इस रिपोर्ट की आलोचना करते हुए इसके निष्कर्ष को आधारहीन बता रहे हैं. दरअसल, सच यह है कि आखिरी जनगणना 2011 के अनुसार बीते तीन दशकों में मुसलमानों की जन्म दर घटी है. 1981-91 के दौरान मुसलमानों में जन्म दर 35.9 प्रतिशत थी, जो 2001-11 में 24.6 रह गई है. हिंदुओं की तुलना में यह गिरावट अधिक है. इसी समय अवधि में हिंदुओं की जन्म दर 22.7 से घटकर 16.8 प्रतिशत हो गई है. इस तरह सभी धर्मों को मानने वाले समूहों में कुल प्रजनन दर घट रही है. आंकड़ों के अनुसार 2006 से 2019-21 के बीच इसमें सबसे अधिक एक प्रतिशत मुसलमानों और हिंदुओं में 0.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है.

किसी भी लोकतंत्र का मूल्यांकन इस आधार पर किया जाता है कि वहां के अल्पसंख्यकों के साथ किस तरह का व्यवहार किया जा रहा है. ऐसे में ईएसी-पीएम की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अगर जैन और पारसी को छोड़कर सभी धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों की आबादी में बढ़ोतरी हुई भी है तो भयभीत होने की जगह इस पर गर्व करना चाहिए कि हमने एक समाज के रूप में बीते 70 वर्षों के दौरान ऐसा वातावरण बनाकर रखा, जिसमें सभी को फलने-फूलने का समान अवसर मिला. एक लोकतांत्रिक देश के लिए इससे बड़ी उपलब्धि और क्या हो सकती है. चिंताजनक बात तो तब होती, जब कुल आबादी में अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी घट जाती. लेकिन यह रिपोर्ट पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर भ्रामक बात करती है और कहती है कि भारत ही नहीं, संपूर्ण दक्षिण एशिया में बहुसंख्यकों की आबादी में सर्वाधिक गिरावट भारत में आई है. इसके बाद म्यांमार का नंबर आता है. वहीं बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान और अफगानिस्तान जैसे देशों में अल्पसंख्यक आबादी चिंताजनक रूप से घट गई है.

आम समझ है कि प्रजनन दर का संबंध शिक्षा और आय से है, धर्म से नहीं. यह तथ्य है कि जिन समूहों और राज्यों में शिक्षा और स्वास्थ्य एवं सामाजिक और आर्थिक विकास की स्थिति अच्छी है, वहां प्रजनन दर कम है. उदाहरणस्वरूप, केरल की मुसलमान महिलाओं में प्रजनन दर (2.25) बिहार की हिंदू महिलाओं (2.88) से कम है. यह सही है कि भारत की जनसंख्या 1.40 करोड़ हो गई है और इसके अगले कुछ वर्षों में चीन को पीछे छोड़ने की संभावना है. लेकिन इस पर एक हद तक नियंत्रण पाना भी जरूरी है, लेकिन इस पर कोई बात नहीं कर एक गंभीर विषय को सुविधा के अनुसार उठाया और पेश किया जा रहा है. ऐसे में जरूरी है कि प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी अपने 10 साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड जनता के समक्ष रखें. जनसंख्या पर नियंत्रण के लिए महिला सशक्तीकरण और शिक्षा जैसे मुद्दों पर ठोस कार्यक्रम प्रस्तुत करें और देशहित में समाज को 'सांप्रदायिकता की आग' में झोंकने वाली रिपोर्ट जारी करने से बचें.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सरलता की महत्ता

किसी समय वाणिज्य नामक शहर में आनंद नामक व्यापारी रहता था. वह अपार धन संपदा का स्वामी था तथा राजा भी उसका सम्मान करता था. एक बार उस शहर में भगवान महावीर स्वामी पधारे. आनंद भी उनके प्रवचन को सुनने पहुंचा. भगवान के प्रवचन को सुनकर उसने श्रावक धर्म स्वीकार कर लिया. चौदह वर्ष तक श्रावक धर्म का पालन करने के पश्चात, उसने सारे सांसारिक कार्यों से विरक्त होने का निश्चय किया. उसने अपने पुत्रों को अपने व्यापार तथा परिवार की ज़िम्मेदारी सुपुर्द करते हुए कहा, 'अब उसके धर्मध्यान में किसी तरह का व्यवधान न डाला जाए.' इस प्रकार वह अपना शेष जीवन धर्मध्यान में व्यतीत करने लगा. धर्म का आचरण करते हुए उसे 'अवधिज्ञान' की प्राप्ति हो गई. कुछ समय पश्चात् वहां, भगवान महावीर का पुनः पधारना हुआ. जब उनके शिष्य गौतम स्वामी गोचरी के लिए शहर में भ्रमण कर रहे थे, उन्होंने आनंद के गिरते हुए स्वास्थ्य एवं उसके 'अवधिज्ञान' प्राप्ति के बारे में सुना तो उनसे मिलने का निश्चय किया. स्वयं गौतम स्वामी को अपने घर आया देख आनंद बड़ा प्रसन्न हुआ. उन्होंने विवशता में बिस्तर पर लेटे लेटे ही गौतमस्वामी का वंदन किया. चर्चा के मध्य आनंद ने गौतम स्वामी को बताते हुए कहा कि वह बारहवें देवलोक तक देख सकता है. अवधिज्ञान का विस्तार जान गौतमस्वामी को संशय हुआ. गौतम स्वामी बोले, गृहस्थ को अवधिज्ञान होना तो संभव है, किन्तु वह इतनी दूर तक नहीं देख सकता. तुम्हारा यह कहना असत्य संभाषण है. तुम्हें सत्य व्रत को खण्डित करने के लिए, अर्थात् असत्य बोलने के लिए प्रायश्चित लेना चाहिए. यह सुनकर आनंद अचम्भित हो गए, वे जानते थे, वे सत्य बोल रहे हैं. उन्होंने भगवान महावीर के प्रधान गणधर गौतम स्वामी से निवेदन किया, 'हे भगवन ! क्या सत्य बोलने पर भी प्रायश्चित किया जाना आवश्यक है?' यह सुनते ही गौतम स्वामी त्वरित सचेत हुए. अपना संदेह दूर करने के लिए वे प्रभु महावीर स्वामी के समीप पंहुचे और अपने व आनंद के सम्वाद का वृतांत कह सुनाया. तब महावीर स्वामी बोले, 'गौतम!! आनंद सत्य कह रहा हैं. आप जैसा ज्ञानी व्यक्ति, ऐसी भूल कैसे कर सकता है?' यह सुनते ही गौतम स्वामी उलटे पैर वापस आनंद के पास पंहुचे तथा अपनी भूल के लिए क्षमा मांगी. साथ ही कहा, 'प्रायश्चित का भागी मैं हूं आनन्द!!' आनंद को योग्य समाधान से संतोष उपजा. उसे धर्म-मूल्यों के संरक्षण का साक्षात अनुभव हुआ,

मोदी पर मोदी की तरह ही हमला

• सियासत

शकील अख्तर

अरविन्द केजरीवाल का बाहर आना मोदी जी के लिए मुसीबत बन गया. उनका प्रचार कि मैं जो चाहे कर सकता हूं, पांच सौ साल में मुझसे ताकतवर आदमी कोई नहीं हुआ कि हवा निकल गई. मोदी जी, भाजपा, भक्त और उनके मीडिया को यकीन ही नहीं था कि जिस केजरीवाल पर मोदी जी की आंख टेढ़ी है, उसे जमानत भी मिल सकती है. सारा प्रचार तो यही था कि जिस पर मोदी जी ने हाथ डाल दिया वह खत्म. इसी डर से कांग्रेस के नेता भाजपा में शामिल हो रहे थे. ऐसा भय का माहौल बना दिया था कि किसी के भी खिलाफ कुछ भी हो सकता है. आज वह माहौल टूट गया. झूठी ताकत की पूरी कहानी ध्वस्त हो गई. इसलिए आज भाजपा को सफाइयां देनी पड़ रही हैं कि मोदी जी ही प्रधानमंत्री रहेंगे. 2029 तक भी और उसके बाद भी. केजरीवाल से लोगों की चाहे जितनी शिकायतें हों, खासतौर से उनका किसी एक स्टैंड पर नहीं टिकने को लेकर मगर यह सही है कि मोदी को मोदी की ही शैली में जवाब वे ही दे सकते हैं. राहुल की शराफत, उनका आदर्शवाद, सिद्धांत उन्हें दूसरों के बारे में कुछ भी कहने नहीं देता. पिछले दस साल में मोदी जी ने इतने आरोप लगाए, खराब भाषा बोली, जो मुंह में आया बोला मगर राहुल ने मर्यादा बनाए रखी. प्रियंका जरूर कुछ तीखे शब्द बाण चला रही हैं. उनके भाषण हिट भी बहुत हो रहे हैं. मगर मर्यादा उन्होंने भी बना रखी है. लेकिन केजरीवाल मोदी जी की तरह ही राजनीति करते हैं. जिनमें साधन नहीं साध्य ही प्रमुख होता है. इसलिए इंडिया गठबंधन में वे सबसे आखिरी में आए और गठबंधन खासतौर से कांग्रेस ने भी उन्हें बहुत सोच-समझ कर यस कहा. दरअसल केजरीवाल और कांग्रेस दोनों यह समझ गए थे कि फर्स्ट थिंग फर्स्ट! पहले मोदी को हटाना जरूरी है. बाद की बाद में देखेंगे और इसलिए जमानत पर बाहर आते ही केजरीवाल ने मोदी की तरह ही बड़ा धमाका किया कि जीत भी जाएं तो भी मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे. जिस तरह उन्होंने आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन को 75 साल की उम्र का वास्ता देकर मार्गदर्शक मंडल में भेज दिया, वैसे ही अब उन्हें भी जाना पड़ेगा. अगले साल वे 75 के हो रहे हैं. यह बिल्कुल मोदी जी वाली ही शैली है. जैसे वे दूसरी पार्टियों के बारे में कहते हैं वैसी ही. कांग्रेस खतम हो जाएगी. सोनिया गांधी ऐसी, नेहरू ऐसे, राहुल ये! या आम आदमी पार्टी क्या है, केजरीवाल आतंकवादी! सब पर बोला लालू जी, तेजस्वी, अखिलेश, ममता, उद्धव ठाकरे, शरद पवार किस को छोड़ा? मगर चौथी पास किसी ने नहीं कहा. यह केजरीवाल ही कह सकते हैं. राहुल भी कह रहे हैं कि अब मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे. मगर उनका आकलन यह है कि भाजपा एक सौ चालीस से ज्यादा ही नहीं पाएगी तो प्रधानमंत्री बनने का सवाल ही नहीं. मगर केजरीवाल मोदी की स्टाइल में ही खेलते हैं. वे यह कहकर भाजपा के अंदर हलचल मचा देते हैं कि अगर जीत भी गए तो अमित शाह बनेंगे. और सबसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी को हटाया जाएगा. जो केजरीवाल चाहते थे वह काम हो गया. खुद अमित शाह जिनके प्रधानमंत्री बनने की बात कही गई, उन्हें सफाई देनी पड़ी. मनोविज्ञान में ऐसी चीज होती है कि आप झूठ बोल बोलकर खुद उस पर यकीन करने लगते हैं. लगता है मोदी जी को यकीन है कि उन्होंने अपने वादे जिसे अब वह गारंटी कहने लगे हैं, के अनुरूप दो करोड़ रोजगार हर साल दिए हैं. और फिर भी अगर कुछ लोग बचे रह गए तो वे उनके कहे मुताबिक पकौड़े तलकर रोजगार पा रहे हैं. इसलिए जनता भी इसमें बिल्कुल नहीं उलझ रही कि अगर इंडिया जीता तो कौन बनेगा प्रधानमंत्री? अब लोग कहते हैं कि मोदी जी ने इंडिया जीता कहकर यह तो मान लिया है कि वे नहीं जीत रहे. बाकी बहुत नेता हैं वहां और अगर मोदी जी चाहेंगे तो उनसे पूछ लेंगे! वहां बीजेपी में तो कोई उनसे पूछने वाला होगा नहीं. हार के बाद क्या होगा इसकी कल्पना भी मोदी जी के लिए भयावह होगी. खुद बीजेपी और संघ के लोग उन्हें बख्शेंगे नहीं. दस साल में पार्टी और संघ कहीं नहीं है. मोदी सरकार, मोदी तीसरी बार, मोदी परिवार सब मोदी ही मोदी है. भाजपा और संघ का कहीं नाम नहीं है. इसलिए केजरीवाल का यह दांव कामयाब हो गया. इंडिया गठबंधन से मोदी का ध्यान हट गया. अब वे यही सोच रहे हैं कि पार्टी में कौन क्या करेगा. उनके सबसे बड़े समर्थक अमित शाह को केजरीवाल ने प्रधानमंत्री पद के सपने दिखा दिए. दूसरे बड़े नेता योगी को चेतावनी दे दी कि अगले निशाने पर आप हो. कोई भाजपा नेता इसकी सफाई भी नहीं दे रहा है. मतलब केजरीवाल की तीर सही निशाने पर लगा है. भाजपा में हचलच मच गई.

> लगता है मोदी जी को यकीन है कि उन्होंने अपने वादे जिसे अब वह गारंटी कहने लगे हैं, के अनुरूप दो करोड़ रोजगार हर साल दिए हैं. और फिर भी अगर कुछ लोग बचे रह गए तो वे उनके कहे मुताबिक पकौड़े तलकर रोजगार पा रहे हैं. इसलिए जनता भी इसमें बिल्कुल नहीं उलझ रही कि अगर इंडिया जीता तो कौन बनेगा प्रधानमंत्री?

हरियाणा की राजनीति में बड़ा बदलाव

• सामयिकी

डॉ. ज्ञान पाठक

24 मई को छठे चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए 9 मई को नामांकन वापस लेने से पहले हरियाणा की राजनीति में काफी बदलाव आया. चुनाव की पूर्व संध्या पर भाजपा के मुख्यमंत्री के बदले जाने की पृष्ठभूमि में चुनाव प्रचार शुरू हो गया है. 12 मार्च को एनडीए में फूट पड़ गई, जिससे सहयोगी दल भाजपा और जेजेपी अलग हो गये और दो महीने से भी कम समय में राज्य में नायब सिंह सैनी सरकार अल्पमत में आ गई, जब 7 मई को तीन निर्दलीय विधायकों ने अपना समर्थन वापस ले लिया. यह निश्चित रूप से भाजपा के लिए अशुभ है, क्योंकि पार्टी का लक्ष्य राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटें जीतना है, जो उसने 2019 के लोकसभा चुनाव में जीती थी. प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता चाह रहे हैं, इसलिए वह किसी भी सीट का नुकसान बर्दाश्त नहीं कर सकते. पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, जिनकी जगह दूसरे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आये, करनाल लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं. सैनी सरकार से समर्थन वापस लेने वाले तीनों विधायकों ने अब कांग्रेस को समर्थन दे दिया है. उन्होंने पहले तो कहा कि खट्टर उनके नेता हैं, लेकिन जब वह सत्ता की कुर्सी पर नहीं हैं, तो उनका सैनी से कोई लेना-देना नहीं है. इससे संकेत मिलता है कि भाजपा के भीतर दो खेमों-खट्टर और सैनी के बीच दरार थी, हालांकि, बाद में निर्दलीय विधायकों ने भी अपने चुनाव अभियानों में अपमानित होने के लिए खट्टर पर हमला किया. यह एक नया विकास है, जो दर्शाता है कि राज्य में खट्टर भी अपना व्यक्तिगत समर्थन आधार खो रहे हैं. यह स्पष्ट था जब खट्टर अपना नामांकन दाखिल कर रहे थे और अपना रोड शो कर रहे थे, जहां बहुत अधिक उत्साही लोग नहीं दिख रहे थे - न तो सड़क पर, न ही सड़क के किनारे दर्शक या घरों की छतों पर दर्शक. सब कुछ सामान्य ही लग रहा था और लोगों में चुनाव को लेकर कोई उत्साह नहीं दिख रहा था. इसे मीडिया में व्यापक रूप से रिपोर्ट किया गया है. 2014 में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा खट्टर को हरियाणा के राजनीतिक परिदृश्य में लाकर उन्हें राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया था. मोदी का विचार सिर्फ राज्य की राजनीति में जाटों के वर्चस्व को तोड़ना था. राज्य की राजनीति में कोई महत्वपूर्ण जाट नेता न होने के कारण मोदी अपने उद्देश्य में सफल रहे. हालांकि, 2019 के राज्य चुनाव में, दुष्यंत चौटाला की जेजेपी जाट समर्थन आधार के साथ उभरी. यह भाजपा नेतृत्व के लिए एक झटका था, क्योंकि पार्टी ने कुछ महीने पहले ही राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटें जीती थीं. भाजपा की इतनी राजनीतिक किस्मत का गिरना अप्रत्याशित था और पार्टी को मुख्यमंत्री खट्टर के नेतृत्व में राज्य सरकार बनाने के लिए जेजेपी के साथ गठबंधन करना पड़ा. पांच साल बाद 2024 में, पीएम मोदी को लगा कि भाजपा अपनी लोकसभा सीटों को अपने सहयोगी जेजेपी के साथ साझा नहीं कर सकती है, और इसलिए जेजेपी को गठबंधन छोड़ने के लिए मजबूर करने के लिए अपमानित किया गया. मार्च में गठबंधन टूट गया. भाजपा नेतृत्व ने सोचा कि जेजेपी के अलग से चुनाव मैदान में होने पर भाजपा, इंडिया ब्लॉक और जेजेपी के बीच मुकाबला त्रिकोणीय हो जायेगा, जिससे उनकी जीती हुई 10सीटों को बरकरार रखने की संभावना उज्ज्वल हो जायेगी. हालांकि, यह राज्य में उभर रही एक जटिल राजनीतिक स्थिति का एक बहुत ही सरल दृष्टिकोण था. भाजपा नेतृत्व इस बात से अच्छी तरह वाकिफ था कि राज्य में पंजाबी समुदाय मनोहर लाल खट्टर से खुश नहीं है, जो खुद एक पंजाबी हैं. उन्होंने राज्य में ओबीसी समुदाय को भी नाराज कर दिया था. ओबीसी राजनीति की खोज में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खट्टर की जगह ओबीसी राजनेता सैनी को ले लिया है. हालांकि, ऐसा लगता है कि यह उल्टा हो गया है. पंजाबी और ओबीसी दोनों अब भाजपा नेतृत्व से इतने खुश नहीं हैं, क्योंकि दोनों समुदायों के कई लोग अपमानित महसूस कर रहे हैं और अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए तैयार हैं. समर्थन वापस लेने वाले तीन निर्दलीय विधायकों ने बताया है कि उन्होंने किसानों से जुड़े अन्य मुद्दों और युवाओं के बीच बढ़ती बेरोजगारी के अलावा अपने आत्मसम्मान के लिए ऐसा किया है. जहां तक जेजेपी का सवाल है, उसने राज्य की अल्पमत भाजपा सरकार को गिराने के लिए प्रस्ताव लाने पर कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा की है. 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में भाजपा के पास केवल 40 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 30 और जेजेपी के पास 10 विधायक हैं. दो सीटें खाली हैं, क्योंकि खट्टर ने करनाल से विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था, और रणजीत सिंह चौटाला ने रानिया से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में इस्तीफा दे दिया है.

> भाजपा नेतृत्व इस बात से अच्छी तरह वाकिफ था कि राज्य में पंजाबी समुदाय मनोहर लाल खट्टर से खुश नहीं है, जो खुद एक पंजाबी हैं. उन्होंने राज्य में ओबीसी समुदाय को भी नाराज कर दिया था. ओबीसी राजनीति की खोज में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खट्टर की जगह ओबीसी राजनेता सैनी को ले लिया है. हालांकि, ऐसा लगता है कि यह उल्टा हो गया है.

मीडिया में अन्यत्र

भारतवंशी श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ

यह भारत के लिए गौरव की बात है कि सारी दुनिया में भारतीय कामगारों ने खून-पसीने की कमाई से अर्जित धनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं. इस तरह भारत दुनियाभर में भारतवंशियों की कमाई से सबसे ज्यादा धन प्राप्त करने वाले देश के रूप में स्थापित हुआ है. यह आंकड़ा जहां विश्व में भारतीय श्रमशक्ति की गाथा को दर्शाता है, वहीं देश की अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को दिखाता है. निश्चित रूप से यह उन कामगारों के भारत के प्रति आत्मीय लगाव को ही बताता है. भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान करने वाले इन श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ है. निश्चित रूप से इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है. दरअसल, इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन की विश्व प्रवासन रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत, मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व फ्रांस सबसे ज्यादा धन पाने वाले देशों के रूप में सूचीबद्ध हुए हैं. यह धन भेजने के आकंड़े का बढ़ना दर्शाता है कि प्रवासियों का अपनी मातृभूमि के बीच कितना मजबूत व स्थायी संबंध है, लेकिन इसके साथ ही भारत सरकार का दायित्व बनता है कि इस उपलब्धि की खुशी मनाते वक्त प्रवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों को भी पहचाना जाए. संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि प्रवासी कामगारों को वित्तीय शोषण, प्रवासन लागत के कारण बढ़ते ऋण दबाव, नस्लीय भेदभाव व कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. जिनके निराकरण के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है. निस्संदेह, भारत सरकार को प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिए हमारे दूतावासों के जरिये विशेष कदम उठाने चाहिए. दरअसल, खाड़ी सहयोग परिषद के राज्यों में जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी कार्यरत हैं, उनके अधिकारों का उल्लंघन जारी है. खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कामगारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. विशेष तौर पर अर्द्ध-कुशल श्रमिकों और अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के कई तरह के संकटों को बढ़ा दिया था. बड़ी संख्या में उनकी नौकरियां खत्म हुई, वेतन नहीं मिला. सामाजिक सुरक्षा के अभाव में कई लोगों को कर्ज में डूबना पड़ा. जिसके चलते बड़ी संख्या में ये कामगार स्वदेश लौटे. वहीं अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों की तरफ भारतीय छात्रों के बढ़ते रुझान की ओर भी अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट इशारा कर रही हैं. बहरहाल, प्रवासन के बदलते परिदृश्य में प्रवासी भारतीयों के अधिकारों व हितों की रक्षा के लिए ठोस प्रयासों की जरूरत है. किसी भी तरह श्रमिकों का शोषण न हो और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को संबोधित करने की जरूरत है.

(दैनिक ट्रिब्यून)

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आंक/आंख

वह अपनी आंखों से देखकर ही परिस्थिति को आंक लेता है. उसके इस गुण से हम सहज ही समझ सकते हैं कि वह कितना अनुभवी होगा. खैर इस वाक्य से हमारा सामना दो शब्दों से हो रहा है. एक आंक और दूसरा है आंख. हिंदी भाषा में इन दोनों शब्दों का प्रयोग खूब होता है, इसलिए भी इनकी खूबियों से परिचित होना आवश्यक है. व्युत्पत्ति के दृष्टिकोण से दोनों शब्द तद्भव हैं. आंक को संस्कृत में अंक कहते हैं और आंख को अक्षि. हिंदी शब्दसागर के अनुसार आंक शब्द संज्ञा पुल्लिंग है. इसका अर्थ अंक, चिह्न, निशान, संख्या का चिह्न, अदद, अक्षर, हरफ, गढ़ी हुई बात, दृढ़ निश्चय, निश्चित सिद्धांत, अंश, हिस्सा, किसी मनुष्य के नाम पर प्रसिद्ध वंश, अंकवार, भाग्य, शान, अंकुर, नौ मात्राओं का छंद, अंक, छकड़े या बैलगाडियों की बल्लियों के नीचे दिया हुआ लकड़ी का मजबूत ढांचा, जिसमें धूरी पहिए में पहनायी जाती है. इससे बना मुहावरा है आंक भरना यानी आलिंगन करना. आंख जब संस्कृत में थी तो अक्षि थी, लेकिन प्राकृत में अक्ख तथा पाली में अंक्ख होते होते हिंदी में आंख हो गयी. आंख मतलब देखने की इंद्रिय. वह इंद्रिय जिससे प्राणियों को रूप तथा आकार का ज्ञान होता है. आंख मनुष्य के शरीर में एक ऐसी इंद्रिय है, जिसपर आलोक द्वारा पदार्थों का बिंब खिंच जाता है. जो जीव आरोह नियमानुसार अधिक उन्नत हैं, उनकी इंद्रियों की बनावट अधिक पेचीली और जटिल होती है, पर क्षुद्र जीवों में इनकी बनावट बहुत सादी, कहीं-कहीं तो एकबिंदी के रूप में होती है. मुहावरों में तो आंख और भी चमत्कारिक हो जाती है. जैसे उनकी आंख बुराई पर ही रहती है. आंख नहीं होना यानी विचार, विवेक, परख या शिनाख्त नहीं होना. कहते हैं राजा के पास आंख नहीं, कान होता है. फिल्मी गीतकारों के लिए तो आंख शब्द अत्यंत उपयोगी रहा है. उससे बहुत सारे गीत बने हैं. जैसे तेरी आंखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है.

पनामा नाम से तोबा कीजिए!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

पनाना नाम से मेरी आशिक़ी बड़ी पुरानी है. कॉलेज के दिनों में मेरा एक दोस्त था, सिगरेट पीता था. उसी ने मुझे भी सिगरेट फूंकने का चसका लगाया. उन दिनों पनामा नाम की एक सिगरेट आती थी. हम लोग वही पिया करते थे. पता नहीं अब वह मिलती है या नहीं, क्योंकि सिगरेट छोड़े अब वर्षों हो गए. ज्यादा दिन यह आशिकी चल नहीं पाई. मेरी सुनामा नाम की एक माशूका थी. बोली, सिगरेट या मैं - इन दोनों में से तुम्हें एक का चुनाव करना पडेगा. आखिर पनामा का साथ छोड़ना ही पडा. वो भी क्या दिन थे! 'पनामा सिगरेट' पीता था और 'पनामा ब्लेड' दाढ़ी बनाने के लिए इस्तेमाल करता था. अब तो शायद पनामा ब्लेड मिलता ही नहीं. नए नए ब्रांड आ गए हैं. एक से बढ़कर एक. पनामा ब्लेड का तो नाम ही भूल गया हूं, लेकिन मानना पडेगा पनामा की धार आज भी बदस्तूर कायम है, साथ ही पनामा सिगरेट का जलवा भी. पनामा की ही इस तेज़ धार ने नवाज़ शरीफ की सत्ता ही क़तर दी और खुद उन्हें धुंए में उड़ा दिया. उनकी 'शराफत' की डुगडुगी पिट गई. बताया जाता है कि पनामा पेपर्स वे गुप्त और सुरक्षित दस्तावेज़ हैं, जिन्हें कुछ नेताओं और 'संभ्रांत' व्यक्तियों ने अपने टैक्स की चोरी को छिपाने के लिए पनामा की एक कम्पनी में उन्हें न ज़ाहिर किए जाने की शर्त पर रख दिया है और उसमें अपना पैसा लगाया है. ज़ाहिर है इन पनामा पेपर्स में चोरी का माल छिपाया गया है. लेकिन ताड़ने वाले भी गज़ब की नज़र रखते हैं. ब्रिटेन में पनामा पेपर्स "लीक" कर गए. बहरहाल इस लीकेज से थोड़ा न बहुत 1.40 करोड़ का खुलासा हुआ. बताया गया कि कैसे दुनिया भर के करीब 140 रईसों और कंपनियों ने टैक्स के लिए स्वर्ग माने जाने वाले देशों में अपना चोरी का पैसा लगाया था. इन लोगों में पाकिस्तान के पीएम नवाज़ शरीफ का भी नाम था. बस नवाब के विरोधियों को मौका हाथ लग गया. झटपट पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट एक्शन में आई और .. शरीफ की सारी शराफत धरी की धरी रह गई. पूरी दुनिया ही उजड़ गई. भारत सरकार को पता था, ऐसा भी हो सकता है. पनामा पेपर्स में भारत के भी कुछ नेताओं आदि के नाम थे लेकिन सरकार ने उनके ऊपर कोई ध्यान ही नहीं दिया. कई नेता तो नेता, अमिताभ बच्चन तक बच गए. भारत की शराफत को मानना पडेगा! बस एक चेतावनी जारी कर दी गई. पनामा नाम से तोबा कीजिए. सिगरेट पीना बंद कर दीजिए, दाढी बनाने के लिए इस नाम का ब्लेड इस्तेमाल कभी न कीजिए, सैर-सपाटे के लिए भी पनामा राज्य जाने की बात तो कभी सोचिए ही नहीं, भूल से भी उधर का रुख न करें. पनामा से तौबा कीजिए.

लाइफ लाइन

सेलेब्स डाइट सीक्रेट : तृप्ति डिमरी

कम वसा वाला ब्रेकफास्ट नो कार्ब डिनर

तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी एक्टिंग और फिटनेस को लेकर चर्चा में हैं. उनकी टोंड और स्लिम बॉडी फैंस को दीवाना बना रही है. यह फीगर पाना तृप्ति के लिए भी बहुत आसान नहीं रहा. खुद को फिट रखने के लिए वे कड़ी मेहनत करती हैं, वर्कआउट में जम कर पसीना बहाती हैं. आइए जानते हैं तृप्ति के फिटनेस रूटीन और डाइट के बारे में...

- **दिन की शुरुआत गर्म पानी से**

तृप्ति रोजाना सुबह दो गिलास गर्म पानी पीकर दिन की शुरुआत करती हैं. हफ्ते में कम से कम 3 से 4 बार जिम जरूर जाती हैं. वह एरोबिक्स, पिलाटे, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, ब्रिस्क वॉकिंग, रनिंग और कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज करती हैं. योग और मेडिटेशन उनकी नियमित दिनचर्या में शामिल है.

- **नो जंक फूड**

खान-पान को लेकर तृप्ति बहुत अनुशासित हैं. जंक फूड, बाहर का खाना, तला भुना खाना आदि से परहेज करती हैं. नियमित घर का बना खाना खाना खाती हैं और डाइट में सब्जियां, फल, साबूत अनाज के साथ ही साथ लीन प्रोटीन आदि जरूर शामिल करती हैं. नाश्ते में वे फैट की मात्रा बेहद कम रखती हैं. आमतौर पर ब्रेकफास्ट में उपमा, इडली, मौसमी फल, दूध, उबले अंडे, सैंडविच, छाछ, पोहा, ओट्स आदि में से कुछ शामिल होता है.

- **सिंपल है लंच**

लंच बिल्कुल सिंपल होता है. लंच में वे चावल, दाल, हरी सब्जी, सलाद और दही आदि खाती हैं. ईवनिंग स्नैक्स में नारियल पानी, जूस, ग्रीन टी आदि के साथ आमतौर पर भूने नट्स, मखाने या चना होते हैं. कभी कभी स्प्राउट भेल या घर में तैयार कोई और हेल्दी स्नैक्स होता है.

- **डिनर जरा जल्दी**

डिनर आमतौर पर रात आठ बजे तक कर लेती हैं. डिनर में आमतौर पर उबले अंडे, ग्रिल्ड चिकन/ फिश, सूप, दाल, सब्जियां आदि में से कुछ होते हैं. रात में तृप्ति जीरो कार्बोहाइड्रेट मील लेती हैं. दिन भर में खूब तरल पदार्थ लेना भी उनकी आदत में शुमार है.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

मौलश्री के फल, फूल और बीज सब काम के

झारखंड में नाना प्रकार के औषधीय वृक्ष पाए जाते हैं. ऐसा ही एक औषधीय गुणों से भरपूर वृक्ष है मौलश्री. इसे हिंदी में मौलसिरी, मौलश्री और बकुल भी कहते हैं. लैटिन में माइम्युसोप्स इलेंजी, बंगाल में बकुलगाछ, अंग्रेजी में सुरीनम मेडलर कहते हैं.

लातेहार जिला के चंदवा प्रखंड के डुमारो पंचायत के निंद्रा गांव में 200 वर्ष पुराना मौलश्री का पेड़ हमें बेहद उपक्षित रूप में देखने को मिला है. इसे पिछले 25 वर्षों से मैं देख रहा हूं. हमें गांव के भोला यादव, मनोहर यादव और नागेश्वर गोप ने बताया कि काफी पुराना वृक्ष है. भोला यादव की दादी सरघू कुंवर इसे दूध से पूजा करती थी.

मौलश्री के वृक्ष के फूल, फल और बीज औषधि के रूप में लेते हैं. कफ योनिदोष (शूल) तृष्णा, कुष्ठ, सूजन तथा रुधिर विकार को नष्ट करने वाली है. मालश्री के पेड़ बहुत ही बड़े-बड़े होते हैं इसका छाल मटमैला एवं कुछ सफेदी लिए हुए भी होती है. इसके पत्र चिकनी और जामुन के पत्तों के आकार के होते हैं जो एक इंच लंबे होते हैं. पुष्प सफेद चक्राकार छोटे-छोटे होते हैं.

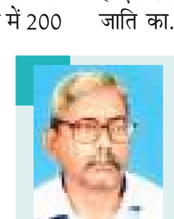

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

मौलसरी का वृक्ष दो प्रजाति का होता है एक स्त्री जाति का और दूसरा पुरुष जाति का. पुरुष जाति में फल नहीं आते हैं. इसके पुष्प कुछ बड़े होते हैं. स्त्री जाति में फल आते हैं. पुष्पों में बहुत ही सुगंध रहता है और इसके फल भी छोटे-छोटे कनवद की तरह होते हैं. पकने पर मधुर लगते हैं. फूल और फल में भी महक सूख जाने के बाद भी बनी रहती है. चित्त को अति आनंद देने वाले मनोरम सुंधित पुष्पों से युक्त बकुल अर्थात मौलश्री के सदाहरित वृक्ष हैं.

झारखंड में संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता है. वन क्षेत्रों के पास के ग्रामीण अवैज्ञानिक तरीके से दोहन कर रहे हैं.

कुछ मान्यताएं प्रश्न और उत्तर

डॉ एके श्रीवास्तव
कंसलटेंट फिजीशियन, छाती व गहन रोग विशेषज्ञ

बीमारियों, दवाओं, परहेज और खान-पान को लेकर चिकित्सक की सलाह से परे कुछ मान्यताएं भी अपने समाज में प्रचलित हैं जो अक्सर हावी होती रहती हैं. कई बार डॉक्टर से मिलने या उपचार-ऑपरेशन आदि के दौरान परिजनों व पीड़ितों के मन में कई तरह के सवाल उठते हैं. डॉ एके श्रीवास्तव (कंसल्टेंट फिजीशियन और छाती व गहन रोग विशेषज्ञ) आज इन्हीं मान्यताओं, प्रश्नों पर चिकित्सकीय जवाब दे रहे हैं.

Q. यदि मैंने शुगर/ बीपी/ थायराइड की दवा शुरू कर दी तो मुझे दवा जिंदगी भर खानी होगी!

दवा खाने से दवा की आदत नहीं पड़ती, शरीर को मेडिकल कंडीशन के अनुसार आवश्यकता रहती है तब दवा खानी पड़ती है. अधिकतर डायबिटीज, हाई बीपी, हाई कोलेस्ट्रॉल इत्यादि की बीमारी तब सामने आती है जब शरीर उसके बोझ को झेलते-झेलते डिकॉम्पेनसेट हो जाता है. बीमारी के लिए दवा खाने तक की स्थिति उतपन्न होने से पहले बीमारी की रोक-थाम के लिए प्रयास करना अधिक आवश्यक है. यदि तत्काल डॉक्टर ने दवा लिखी है तो आपको खानी होगी, हां बाद में चल के यदि आपने खूब अच्छे से परहेज़ या नियम किया तो हो सकता है कि दवा की डोज़ कम हो जाए या दवा बंद भी हो सकती है. अधिकतर मामलों में दवा लम्बी या आजीवन चलती है.

एक उदाहरण से समझिए-आप ठंड में गर्म कपड़े इसलिए रोज़ नहीं पहनते क्योंकि आपने एक दिन पहन लिया था तो अब हमेशा पहनना होगा बल्कि इसलिए कि ठंड है, यदि आप नहीं पहनेंगे तो आपको सर्दी लग जाएगी. जब तक ठंड का मौसम है तब तक आपको पहनना होगा. यदि आप ऐसी जगह पर हैं जहां साल भर ठंड पड़ती है तो आपको आजीवन गर्म कपड़े पहनने होंगे.

Q. एक बार डायलिसिस करवा ली तो ज़िन्दगी भर कराते रहना होगा.

डायलिसिस का मतलब मशीन द्वारा रक्त की सफाई. यदि गुर्दे फेल कर गए हैं तो खून की सफाई कर दूषित अवयवों को शरीर से बाहर करने का काम डायलिसिस से की जाती है. अब इसमें दो तरह की स्थिति होगी- पहली या तो किसी भी बीमारी (जैसे अनकंट्रोल्ड डायबिटीज या गुर्दे की बीमारी) के चलते क्रोनिक किडनी डिजीज़ से गुर्दे परमानेंट खराब हो गए हों तब तो डायलिसिस के बिना अब काम ही नहीं चलने वाला. यदि डायलिसिस शुरू नहीं कि गई तो कुछ दिनों में मरीज़ की मृत्यु निश्चित है. इसलिए डायलिसिस करनी पड़ती है वो भी नियमतः हफ़्ते में 2 या 3 बार जब तक जीवन बचा है या जब तक किडनी ट्रांसप्लांटेशन (जहां सम्भव हो) नहीं हो जाता.

दूसरी स्थिति यह होती है कि किसी तीव्र बीमारी जैसे मलेरिया, सेप्टिसीमिया, पॉइज़निंग, सीवियर डिहाइड्रेशन या गुर्दे की प्राइमरी बीमारी के वजह से गुर्दा ठीक से काम नहीं कर रहा हो या अस्थाई रूप से फेल कर गया हो. इस स्थिति में कुछ एक बार ही डायलिसिस की आवश्यकता पड़ती है जब तक किडनी फेलियर की स्थिति से उभर नहीं जाते. हफ़्ते-दो हफ़्ते के दौरान 2 से 5 सेशन्स डायलिसिस के बाद अधिकतर एक्यूट रीनल फेलियर रिकवर हो जाता है, हालांकि कुछ केसेस में यह अवधि लम्बी भी जा सकती है या क्रोनिक किडनी डिजीज में तब्दील भी हो सकती है.

Q. एक बार वेंटीलेटर लग गया तो कहानी खत्म.

ऐसा बिल्कुल नहीं है. मेकैनिकल वेंटिलेशन आधुनिक मेडिकल साइंस में एक महत्वपूर्ण जीवन रक्षक का रोल निभाता है. यह एक लाइफ सपोर्ट सिस्टम है, एक मशीन है जो इलेक्ट्रिसिटी/बैटरी से चलता है और जिसके द्वारा सांस को बाहर से सपोर्ट किया जाता है. जब कोई व्यक्ति इतना बीमार या बेहोश हो जाता है कि वो ठीक से सांसे नहीं ले पा रहा हो जिसे हम रेस्पिरेटरी फेलियर (स्वांस तंत्र विफल होना) कहते हैं, ऐसी स्थिति में मैकेनिकल वेंटिलेटर का सहारा लेना पड़ता है. वेंटीलेटर के द्वारा नियंत्रित रूप से मरीज़ को बाहर से सांसे दी जाती हैं. यह इन्वेसिव पॉजिटिव प्रेशर वेंटिलेशन कहलाता है.

वेंटिलेटर लगाने के लिए मरीज़ को एनेस्थीसिया दे कर मुंह के रास्ते स्वास नली में इंडोट्रेकियल ट्यूब डाल ट्यूब के बाहरी छोर को मशीन के सर्किट ट्यूबिंगस से जोड़ दिया जाता है. इस स्थिति में मरीज़ को सुप्तावस्था में रखा जाता है या वो खुद अपनी बीमारी से कोमा में होता है. वेंटिलेशन और रेस्पिरेटरी फंक्शन के आकलन के लिए आर्टेरियल ब्लड गैस एनालिसिस यानी ए बी जी की टेस्ट रोज़ की जाती है. जैसे-जैसे पेशेंट की अपनी सांस की क्षमता बढ़ती जाती है या रेस्पिरेट्री फेलियर ठीक होता जाता है वैसे-वैसे वेंटिलेटर को वीन (पावर कम) किया जाता है और फिर इंडोट्रेकियल ट्यूब निकाल दिया जाता है और वेंटिलेटर हटा दिया जाता है.

आधुनिक क्रिटिकल केअर या इंटेंसिव केअर के दौर में मैकेनिकल वेंटिलेशन उपचार में सपोर्ट का बहुत ही आम और महत्वपूर्ण तरीका है. रोज़ कई सारे पेशेंट्स इंट्यूबेट होते हैं और बहुत सारे एक्सट्यूबेट भी होते हैं. हां कुछ कंप्लीकेशन्स अवश्य संलग्न हो सकते हैं, हालांकि उचित देख-रेख और प्रीकॉशन्स से यह सब से मरीज़ को बचाया जा सकता है. वैसे भी जितने भी सर्जरी जनरल अनेस्थेसिया में होते हैं उनमें हर पेशेंट को ऑपिरशन थिएटर में सर्जरी चलने तक वेंटिलेटर पर ही रखा जाता है.

Q. एक बार इन्सुलिन लग गया तो हमेशा लेना होगा.

डायबिटीज मूलतया दो प्रकार के होते हैं. टाइप वन यानी इन्सुलिन डिपेंडेंट और टाइप टू यानी नॉन-इन्सुलिन डिपेंडेंट. यदि आपको टाइप वन डायबिटीज है तो इन्सुलिन लेने के अलावे आपके पास कोई चारा ही नहीं है. यदि आपकी डायबिटीज टाइप टू बहुत पुरानी हो गई है और मैक्सिमम टॉलरेटेड दवाइयों पे भी यथेष्टया काबू में नहीं रह रही तब भी आपको इन्सुलिन पे स्विच होना होगा. और यह आपके शरीर की आवश्यकता होगी कोई लत नहीं कि इन्सुलिन ले लिया तो हमेशा लेना पड़ रहा है.

हां कुछ कंडीशन्स ऐसे होते हैं जिनमें अस्थाई रूप से कुछ समय के लिए इन्सुलिन लेना पड़ता है जैसे यदि आपको साथ में कोई ऐसी बीमारी हो गई जिसमें शुगर तुरन्त और सटीक कंट्रोल चाहिए या फिर प्रेगनेंसी के दौरान जहां दूसरी दवाइयां दी नहीं जा सकती हों या यदि कोई सर्जरी करनी है या फिर किसी और अन्य कारण से हॉस्पिटल में उपचार चलना है. इन्फेक्शन और हाई शुगर एक दूसरे के पूरक हैं. दोनों को साथ-साथ और टाइट कंट्रोल करने की आवश्यक होती है. जब मरीज़ की तबीयत ठीक हो जाती है, डिलीवरी हो जाती है, हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हो जाते हैं तो वापस से आपकी पुरानी या अपडेटेड टेबलेट्स पे डॉक्टर आपको डाल देते हैं.

Q. मुझे दमा हो गया, इन्हेलर लूंगा/लूंगी तो लोग क्या समझेंगे?

सभी बीमारियों का इलाज गोलियां नहीं हैं. हरेक तरह की बीमारियों के इलाज़ का अपना खास तरीका होता है. जैसे यदि आपकी नज़र कमज़ोर हो गई हो तो डॉक्टर आपको चश्मा लगाने देते हैं न कि गोली खाने. यदि कहीं की हड्डी टूट गई हो तो प्लास्टर/स्लिंग या प्लेट/रॉड लगता है. स्किन की बीमारियों में क्रीम या ऑइंटमेंट लगाना होता है. उसी प्रकार दमा के इलाज के लिए इन्हेलर्स बनाए गए हैं. इन्हेलर्स दवा को डायरेक्ट जहां (स्वांस नलियों में) सूजन है ठीक उनकी सतह तक पहुंचाता है, तुरन्त पहुंच कर दवा काम जल्द शुरू करता है, ब्लड सर्कुलेशन से शरीर के दूसरे अंगों में दवा नहीं पहुंचती है तो सिस्टमिक साइड इफेक्ट्स भी नहीं होते, दवा की डोज़ माइक्रोग्राम्स में होती है यानी गोलियों से सौ गुना कम. इसलिए दमा के लिए इन्हेलर्स ही सही हैं.

अस्थमा कोई छूत की बीमारी नहीं है यानी एक दूसरे से नहीं फैलता. तो इन्हेलर्स से डरने की बात ही नहीं. आमतौर पर यह एक एलर्जिक कंडीशन है जिसमें किसी का कोई दोष नहीं होता, किसी को भी हो सकता है. इसलिए इन्हेलर्स यूज़ करना न शर्माने की चीज़ है न ही छुपाने की चीज़. बल्कि यह तो एक मॉडर्न स्मार्ट चिकित्सा पद्यति है. लोग तो पहले चश्मा लगाने को भी एक सामाजिक धब्बा समझते थे जबकि अब यह स्टाइल का एक रूप है. इसलिए खुद भी जागरूक रहें और दूसरों को भी जागरूक करें.

Q. थायरॉइड दो प्रकार के होते हैं एक फूलने वाला, एक सुखाने वाला!

जी हां थयरॉइड की बीमारी मूलतया दो प्रकार की होती हैं- हाइपोथयरॉइडिज्म जिसमें थयरॉइड ग्लैंड कम थाइरॉक्सिन हॉर्मोन बनाने लगता है, और हाइपरथायरॉइडिज़्म जिसमें थायरॉइड ग्लैंड अत्यधिक मात्रा में थाइरॉक्सिन हॉर्मोन का स्त्राव करने लगता है. आमतौर पर हाइपोथयरॉइडिज्म में शरीर फूलता है वजन बढ़ता है और उसके विपरीत हाइपरथायरॉइडिज़्म में शरीर सूखने लगता है और वजन कम होने लगता है.

मग़र यह कोई अचल नियम नहीं है. नार्मल ट्रेंड से हट के बहुत सारे केस ऐसे होते हैं कि हाइपोथयरॉइडिज्म में भी मरीज़ पतला दुबला रहता है और कुछ हाइपरथायरॉइडिज़्म के केसेस मोटे मिलते हैं. कभी कभी ऐसा भी होता है कि बीमारी ट्रांजीशन फ़ेज़ में होती है. शुरुआत में हाइपरथायरॉइडिज़्म के लक्षण आते हैं फिर बाद में फुल फ्लेजड हाइपोथयरॉइडिज्म स्टेबलिश हो जाता है. यह तब होता है जब थायरॉइड ग्लैंड का डिस्ट्रक्शन चल रहा होता है. इस स्थिति में कंफ्यूज़न होती है.

Q. बीमार पड़े नहीं कि जूस पिलाने की होड़ शुरू.

जूस को लोग यूं समझते हैं कि संजीवनी का रस हो. मरीज अस्पताल में भर्ती हुआ नहीं कि एक बहुत बड़ा सवाल खड़ा रहता है परिजनों के सामने-सर जूस दे सकते हैं? यदि खून की कमी है फिर तो अनार और चुकन्दर का जूस पिलाने की होड़ रहती है. भाई मेरे हर चीज़ जो लाल दिखे वो हीमोग्लोबिन नहीं होता या ख़ून नहीं बनाता. हां यदि कोई मनाही या संकुचन नहीं है तो जूस पिलाने में कोई हानि नहीं बशर्ते जूस घर में साफ सफाई से निकाला गया हो या हॉस्पिटल कैंटीन का हो. यह नहीं कि बाजार में खुले बिकते, मक्खी लगते काउंटर से उठा कर एक और संक्रमण ले आएं. इससे गैस्ट्राइटिस, दस्त या जॉन्डिस इत्यादि होने का खतरा होता है. मैं तो कहता हूँ कि ताज़े खांटी फल (व्होल-फ्रूट) खाना अधिक लाभकारी होगा.

Q. दूध, बैंगन, उरद इत्यादि से बीमारी/घाव जल्द ठीक नहीं होता

ये सारी पुराने ज़माने की बातें हैं जब अच्छे एंटीबायोटिक्स नहीं हुआ करते थे. उस वक्त खान-पान का बहुत खयाल रखा जाता था. जैसे बुखार भी हुआ तो कुछ दिन तक रोगी को केवल तरल पदार्थ, फल, उबला हुआ या बिल्कुल सादा खाना ही खिलाया जाता था जो सुपाच्य हो और ऊर्जा दे. बुखार के पांचवें दिन रोगी को कुछ तैलीय पदार्थ या छौंक से बना खाना दिया जाता था जिसे पथ पड़ना कहते थे.

लोग तो ये तक समझते हैं कि दूध पीने से या माड़ (स्टार्च) से भी घाव पक जाता है. पहले बहुत सी चीज़ों से परहेज़ किया जाता था कि बीमारी बढ़ न जाए. यदि सर्जरी हुई हो या घाव/संक्रमण हुआ हो तो पक न जाए. मग़र आधुनिक मेडिकल युग में इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि रोगी बैंगन खा रहा है या उरद. हां कुछ अनाज या मिलेट्स हैं जो पॉजिटिव और हीलिंग इफ़ेक्ट देते हैं. पौष्टिक आहार मिलने से बीमारी से रिकवरी जल्दी होती है.

आपको भी होती है हाथ पांव में झनझनाहट!

अक्सर कुछ लोग हाथ और पैरों में झनझनाहट की शिकायत करते हैं. हालांकि कई बार यह दिक्कत लंबे समय तक शरीर के किसी अंग पर भार देकर बैठने या फिर लगातार खड़े रहने की वजह से होती है. लेकिन कई बार ऐसा नहीं करने पर भी कुछ लोग हाथ पैर में झनझनाहट की शिकायत करते हैं. अगर आपकी या आपके परिजन की भी ऐसी ही शिकायत है तो पहले जानिए कि इस समस्या का कारण क्या है? हाथ-पैरों में झनझनाहट के ये कारण हो सकते हैं-

नसों को हेल्दी रखने के लिए कुछ विटामिन जैसे विटामिन बी12, विटामिन बी6, विटामिन बी1, विटामिन ई, विटामिन बी9 या फोलेट आदि जरूरी होते हैं. कोशिकाओं के ताकत और ऊर्जा के लिए विटामिन बी12 एक जरूरी स्रोत माना जाता है. अगर शरीर में किसी विटामिन की कमी है तो ये समस्या हो सकती है.

डायबिटीज के कारण पैरों और कभी-कभी बांहों में झनझनाहट हो सकती है. दरअसल शरीर में जब ब्लड शुगर की मात्रा बढ़ जाती है तो नसें डैमेज होने लगती हैं. इस समस्या से शरीर की नसों को आपूर्ति करने वाली रक्त वाहिकाओं को भी नुकसान पहुंचता है. जब नसों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती, तो वे ठीक से काम नहीं करती हैं और कई बार ऐसी शिकायत भी हो जाती हैं.

जब आसपास के ऊतकों से नसों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है तो शरीर के कई हिस्सों में नसें दब सकती हैं और हाथों या पैरों को प्रभावित कर सकती हैं. इससे झुनझुनी, सुन्नता या दर्द हो सकता है.

जब किड़नी सही से काम नहीं करती तो शरीर में तरल पदार्थ और अपशिष्ट उत्पाद जमा हो सकता है, जिससे नसें डैमेज हो सकती हैं. ऐसे में हाथ पैरों में झनझनाहट महसूस हो सकती है.

कई बार अधिक शराब पीने से भी नसें और टिशु डैमेज हो जाते हैं. ऐसे में पैर और हाथों में झनझनाहट होने जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं.

रिसर्च रिपोर्ट

अधिक नमक से कैंसर!

कुछ लोगों को खाने में नमक अधिक लेने या ऊपर से नमक लेने की आदत होती है. अगर आप भी नियमित रूप से अधिक नमक का सेवन करते हैं तो तो यह खबर आपके लिए है. आपकी यह आदत आपको कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की चपेट में ला सकती है. जी हां, वियना यूनिवर्सिटी के स्वास्थ्य केंद्र की ओर से किए गए एक रिसर्च में ऐसा ही खुलासा हुआ है. रिपोर्ट में कहा गया है कि खाने में नियमित रूप से ज्यादा नमक डालकर खाने वालों में कभी-कभी नमक खाने वालों की तुलना में पेट के कैंसर की आशंका 41 प्रतिशत तक बढ़ सकती है.

- **ऐसे हुआ रिसर्च**

ब्रिटेन में रहने वाले 471,144 लोगों के डेटाबेस की जांच की गई. इसमें 11 साल के आंकड़ों पर अध्ययन के दौरान उम्र, आर्थिक स्थिति, और शराब या सिगरेट पीने जैसी आदतों पर भी नजर रखी गई.

कुछ अन्य अध्ययनों में भी यह बात सामने आई है कि बहुत ज्यादा नमक खाने से पेट में मौजूद ऊतकों को चोट पहुंचती और कैंसर की आशंका बढ़ जाती है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार व्यक्ति को एक दिन में 5 ग्राम से ज्यादा नमक नहीं खाना चाहिए.

किडनी स्टोन को बिना ऑपरेशन हटा देगा खरबूजा!

इन दिनों झारखंड के मार्केट में खरबूजे खूब बिक रहे हैं. छोटा सा यह फल खुद में कई तरह के पौष्टिक तत्व सेमेटे रहता है जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं. खरबूजे में ढेर सारे विटामिन्स, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं. पानी व फाइबर से भी यह भरपूर होता है. आइए जाने इस सीजनल फल के क्या फायदे हैं-

- **रोग प्रतिरोधी**

खरबूजा का नियमित प्रयोग शरीर की रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता को बढ़ाता है. दरअसल खरबूजे में भरपूर मात्रा में विटामिन सी, विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है. इसकारण इसके नियमित सेवन से हम छोटी बड़ी बीमारियों व संक्रमण से बचे रहते हैं.

- **निकलता किडनी स्टोन**

खरबूजे में भरपूर मात्रा में पानी और ऑक्सीकाइन पाया जाता है. इस कारण जो इसका नियमित सेवन करने वाले को किडनी में स्टोन की समस्या नहीं होती और अगर है तो इसके सेवन से स्टोन आसानी से फ्लश हो जाता है.

- **दूर होता कब्ज**

खरबूजे के नियमित सेवन से कब्ज की शिकायत दूर होती है. खरबूजे में भरपूर मात्रा में पानी और फाइबर पाया जाता है, पाचन तंत्र के लिए अच्छा होता है और कब्ज की समस्या दूर रहती है.

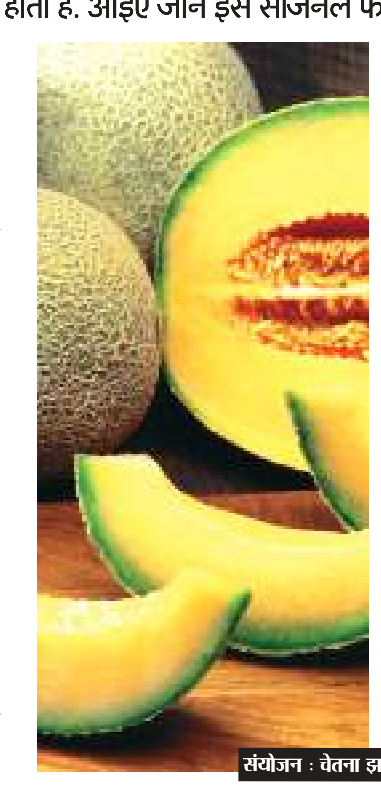

- **करता वजन कम**

खरबूजे में भरपूर मात्रा में पानी और फाइबर पाया जाता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखता है और पेट भी भरा-भरा सा लगता है. इसकारण इसके सेवन से वजन कम करने में सहायता मिलती है.

- **ये परेशानियां भी करता दूर**

खरबूजा खाने से आंखों की रोशनी भी बढ़ती है. इसमें विटामिन ए होता है. इसका नियमित सेवन से मैक्युलर डिजेनरेशन और मोतियाबिंद जैसी गंभीर बीमारी भी दूर होती है. खरबूजा में पोटैशियम होता है. जो बीपी को कंट्रोल में रखता है. साथ ही साथ इसे खाने से कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ भी सही रहती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

टीम इंडिया के कप्तान का धमाकेदार इंटरव्यू

कप्तानी पर्सनल रिकॉर्ड से ऊपर, कुछ साल और खेलूंगा : रोहित शर्मा

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी-20 वर्ल्ड कप से ठीक पहले एक विदेशी यूट्यूब चैनल को इंटरव्यू दिया है. दुबई आई 103.8 नाम के यूट्यूब चैनल पर 21 मिनट 34 सेकेंड के इस वीडियो में रोहित ने दिल खोलकर बातचीत की. तीनों होस्ट के सवालों का बेबाकी से जवाब दिया. इस लाइव ब्रॉडकास्ट पर 37 साल के रोहित शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर, भारतीय क्रिकेट की कप्तानी जैसे चैलेंजिंग टॉपिक पर बातचीत की.

रोहित शर्मा ने कहा, भारत के लिए 17 साल का सफर शानदार रहा है और उम्मीद है कि मैं अभी भी कुछ और साल खेलूंगा और विश्व क्रिकेट पर प्रभाव डालूंगा मैंने अपने जीवन में चढ़ाव से ज्यादा उतार देखे हैं और आज मैं जो भी इंसान हूं, वह अतीत में जो मैंने उतार-चढ़ाव देखा है, उसकी वजह से हूं. रोहित शर्मा भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं. 2007 में अपने डेब्यू लेकर अबतक उन्होंने साल दर साल खुद को निखारते हुए यहां तक का सफर तय किया है. बड़े-बड़े छक्के लगाने और लंबी पारी खेलने की उनकी क्षमता उन्हें अनोखा बल्लेबाज बनाती है.

पर्सनल रिकॉर्ड से ऊपर है कप्तानी

विराट कोहली का उत्तराधिकारी बनना एक चैलेंजिंग टास्क था, इस सवाल के जवाब में रोहित शर्मा कहते हैं, भारत की कप्तानी करना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है. मैंने कभी नहीं सोचा था कि यहां तक पहुंचूंगा और एक दिन टीम की कप्तानी करूंगा. अच्छी चीजें अच्छे लोगों के साथ होती है. जब मैंने टीम की कप्तानी संभाली तो तो मैं एक ही दिशा में आगे बढ़ना चाहता था. एक टीम स्पोर्ट्स गेम इसी तरह खेला जाना चाहिए. इसका पर्सनल माइलस्टोन, पर्सनल रिकॉर्ड से कोई लेना-देना नहीं है. 11 खिलाड़ी मिलकर खेले और ट्रॉफी जीते यही उद्देश्य होना चाहिए.

डेल स्टेन के वीडियो 100 बार देखे थे

रोहित शर्मा ने साउथ अफ्रीका की पिचों को वर्ल्ड में सबसे चैलेंजिंग बताया. बकौल रोहित साउथ अफ्रीका के हर मैदान में आपको अलग-अलग टेस्ट देना पड़ता है. दक्षिण अफ्रीका एक कठिन और चुनौतीपूर्ण जगह है. यहां तेज और उछालभरी पिच बहुत कुछ करती है. मजेदार खुलासा करते हुए रोहित कहते हैं, बल्लेबाजी करने जाने से पहले मैंने डेल स्टेन के वीडियो 100 बार देखे थे. वह एक लीजेंड हैं और उन्होंने जो हासिल किया है वह शानदार है, उनके खिलाफ खेलना अच्छा था, ऐसा नहीं है कि मुझे उनके खिलाफ बड़ी सफलता मिली थी, लेकिन मैंने अपनी लड़ाई का आनंद लिया.

मेरे घर में पत्थर नहीं फेंक सकते : शर्मा की मानें तो भारत में क्रिकेट कुछ अलग है और यह यूरोप में फुटबॉल की तरह ही है, शायद यहां भारत में उससे 10 गुना ज्यादा बड़ा. एक सवाल के जवाब में रोहित शर्मा कहते हैं, जब चीजें आपके अनुकूल होती हैं और आप अच्छे होते हैं तो लोग आपको भगवान की तरह दिखने लगते हैं, लेकिन अगर चीजें आपके अनुकूल नहीं होती हैं, तो आपकी परेशानियां बढ़ जाती है. पूर्व क्रिकेटर्स के घर में पत्थरबाजी हो चुकी है, लेकिन मेरे साथ नहीं हुई क्योंकि मैं हाईराइज बिल्डिंग में रहता हूं (हंसते हुए).

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन के दूसरे दौर में, प्रणय हारे

एजेंसी। बैंकॉक

भारत के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में मलेशिया के नूर मोहम्मद अजरिन अयूब अजरिन और तान वी कियोंग को हराकर पुरूष युगल प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई जबकि एच एस प्रणय पहले दौर में हारकर बाहर हो गए. शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 34 मिनट में 21 . 13, 21 . 13 से जीत दर्ज की. अब उनका सामना चीन के शि हाओ नान और जेंग वेइ हान से होगा.

वहीं पांचवीं वरीयता प्राप्त प्रणय को हमवतन मेराबा लुवांग मेसनाम ने 21 . 19, 21 . 18 से हराया.अब मेराबा का सामना डेनमार्क के मैड्स क्रिस्टोफरसेन से होगा जिन्होंने भारत के किरण जॉर्ज को 21 . 15, 13 . 21, 21 . 17 से मात दी. महिला एकल में अष्मिता चालिहा ने इंडोनेशिया की एस्टर नुरूमी त्रि वार्दोयो को 19 . 21, 21 . 15, 21 . 14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई. अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की हान युइ से होगा. युइ ने भारत की मालविका बंसोड़ को 21 . 11, 21 . 10 से हराया. उन्नति हुड्डा भी पहले दौर में बेल्जियम की लियाने तान से 21 . 14, 14 . 21, 9 . 21 से हार गई.

ब्रीफ खबरें

उम्मीद है कि लय कायम रखेंगे : फिल

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने उम्मीद जताई है कि लीग चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेआफ में भी यह लय कायम रखेगी. दो बार की चैम्पियन केकेआर इस समय शीर्ष पर है. साल्ट ने केकेआर के नाइट्स डगआउट पॉडकास्ट में कहा, यह मैच दर मैच रणनीति बनाने की बात है. हम इस समय लय में है. वहीं बायें हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने कहा, हमारे लिये यह सत्र काफी सफल रहा है. हम ट्रॉफी जीतने आये हैं और उम्मीद है कि इस मकसद में कामयाब होंगे. दस साल बाद आईपीएल खेल रहे स्टार्क ने कहा, मैं लंबे समय बाद खेल रहा हूं.

इटालियन ओपन से बाहर मेदवेदेव

रोम। गत चैम्पियन दूसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव अमेरिका के टॉमी पॉल से 1 . 6, 4 . 6 से हारकर इटालियन ओपन टेनिस से बाहर हो गए. इससे पहले दस बार के चैम्पियन रफेल नडाल और शीर्ष रैंकिंग वाले नोवाक जोकोविच भी हारकर बाहर हो चुके हैं. तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने नुनो बोर्गेस को 6 . 2, 7 . 5 से हराया और अब वह टेलर फ्रिट्स से खेलेंगे. फ्रिट्ज ने ग्रिगोर दिमित्रोव को 6 . 2, 6 . 7, 6 . 1 से मात दी. अलेजांद्रो ताबिलो ने कारेन खाचानोव को 7 . 6, 7 . 6 से हराया. अब वह झांग झिझेन से खेलेंगे जिन्होंने थियागो मोंटेइरो को 7 . 6, 6 . 3 से मात दी. पॉल का सामना दूसरे दौर में नडाल का मुकाबला हुबर्ट हुरकाज से होगा.

आईपीएल संभावना: प्रतिष्ठा के लिए खेलेगा गुजरात टाइंटस

सनराइजर्स को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए एक जीत जरूरी

एजेंसी। हैदराबाद

प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाने के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद को इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेआफ में जगह बनाने के लिए गुरुवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ एक जीत की जरूरत है जबकि गुजरात की टीम प्रतिष्ठा के लिए ही खेलेगी. पैट कमिंस की टीम की नजरें हालांकि शीर्ष दो में जगह पक्की करने पर लगी है. उन्हें इसके बाद एक मैच और खेलना है और उनका नेट रनरेट भी प्लस 0.406 है. सनराइजर्स के 12 मैचों में 14 अंक है और वह अधिकतम 18 अंक हासिल कर सकती है, जिससे शीर्ष दो में उसकी जगह पक्की हो जाएगी.

इस मुकाबले से पहले सनराइजर्स को एक सप्ताह का ब्रेक मिला है जिससे वे तरोताजा होकर मैदान पर लौटेंगे. इसके अलावा आठ मई को लखनऊ सुपर जाइंट्स पर रिकॉर्ड जीत दर्ज करने के बाद उसके हौसले वैसे भी बुलंद हैं. गेंदबाजों ने लखनऊ को कम स्कोर पर रोका तो ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने 166 रन का लक्ष्य दस विकेट बाकी रहते 9 . 4 ओवर में ही हासिल कर लिया. सनराइजर्स ने इस सत्र में जहां अविश्वसनीय स्कोर बनाये हैं तो शर्मनाक पराजय भी झेली है.

गुजरात ने उसे टूर्नामेंट में सात विकेट से हराया था. पिछले पांच मैचों में से तीन में उसे पराजय झेलनी पड़ी. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने उसे 35 रन से, चेन्नई सुपर किंग्स ने 78 और मुंबई इंडियंस ने सात विकेट से हराया. 2016 की चैम्पियन टीम बल्लेबाजी में हेड और शर्मा पर बुरी तरह निर्भर है. उनके नाकाम रहने पर उसकी पारी लड़खड़ा जाती है लिहाजा नीतिश रेड्डी, हेनरिच क्लासेन और अब्दुल समद को बेहतर प्रदर्शन करना होगा.

दूसरी ओर 13 में से सिर्फ पांच मैच जीत सकी गुजरात के 11 अंक ही हैं और वह जीत के साथ विदा लेना चाहेगी. पूर्व कप्तान हार्दिक पंड्या के इस सत्र में मुंबई इंडियंस के पास लौटने के बाद गुजरात की टीम में संतुलन नजर नहीं आया. पंड्या ने 2022 की खिताबी जीत और पिछले साल फाइनल तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाई थी. चोट के कारण मोहम्मद शमी के पूरे सत्र से बाहर होने का खामियाजा भी उसे भुगतना पड़ा. कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पिछला मैच बारिश में धुल गया लेकिन गेंदबाजों ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पहले तीन ओवर में तीन विकेट लेकर उम्मीद जगाई थी. बल्लेबाजी में कप्तान शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन पर एक बार फिर अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी. डेविड मिलर इस सत्र में फॉर्म में नहीं दिखे लेकिन आखिरी मैच में वह उपयोगी पारी खेलना चाहेंगे.

मैच का समय शाम 7.30 बजे से.

टीमें

- **सनराइजर्स हैदराबाद :** पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिच क्लासेन (विकेटकीपर), ऐडन मार्करम, अब्दुल समद, नीतीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मार्कंडेय, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह , ग्लेन फिलिप्स, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उपेन्द्र यादव, झटवेध सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को यानसेन, आकाश महाराज सिंह और मयंक अग्रवाल.
- **गुजरात टाइटंस :** शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुतार.

मैं बहुत घटिया कप्तान था...

गौतम गंभीर के आरोपों पर केविन पीटरसन ने दिया जवाब, वायरल

एजेंसी। नयी दिल्ली

एक तरफ हार्दिक पांड्या की कप्तानी को लेकर जहां तमाम दिग्गज क्रिकेटर्स उन्हें जमकर लताड़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ गौतम गंभीर उनका साथ देने मैदान में उतर गए. इंडियन प्रीमियर लीग 2024 (आईपीएल 2024) में हार्दिक पांड्या को मुंबई इंडियंस की कप्तानी का जिम्मा मिला और उनकी कप्तानी में मुंबई इंडियंस की टीम 13 मैचों में महज चार मैच ही जीत पाई और आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम भी बनी.

मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 पॉइंट्स टेबल में 9वें पायदान पर है और अब उसके पास महज एक ही मैच बचा है. मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन जिस तरह का रहा, उसे देखते हुए कप्तान हार्दिक पांड्या की आलोचना होना तो तय था. दिग्गज क्रिकेटर्स रहे एबी डिविलियर्स और केविन पीटरसन ने भी पांड्या की कप्तानी की जमकर आलोचना की थी, लेकिन इन सबके बीच गौतम गंभीर ने हार्दिक को बैक किया था और एबीडी के साथ-साथ केविन पीटरसन से भी तीखे सवाल किए थे. अब केविन पीटरसन ने गंभीर को जवाब दिया है और उनका जवाब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. गौतम गंभीर ने स्पोर्ट्सकीड़ा के एक शो के दौरान कहा था कि चाहे एबी डिविलियर्स हों या फिर केविन पीटरसन इन्होंनेअपनी कप्तानी में क्या किया है, जो ये हार्दिक पांड्या की कप्तानी पर अंगुली उठा रहे हैं. गंभीर ने साथ ही कहा कि क्रिकेट एक्सपर्ट्स का काम यही है, और अगर इसी हार्दिक पांड्या की कप्तानी में अगले साल मुंबई इंडियंस अच्छा खेलेगी, तो यही लोग उसकी तारीफ भी करेंगे. इतना ही नहीं गंभीर ने कहा कि हार्दिक पांड्या आईपीएल विनिंग कप्तान हैं और इस फैक्ट को बदला नहीं जा सकता है.

बोपन्ना, एबडेन की जोड़ी इटालियन ओपन से बाहर

रोम। भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी एटीपी इटालियन ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में स्थानीय जोड़ी सिमोन बोलेली और आंद्रिया वावासोरी से हारकर बाहर हो गई. एक घंटे 13 मिनट तक चले मुकाबले में उन्हें 2 . 6, 4 . 6 से पराजय झेलनी पड़ी. उन्होंने पहले दौर में वाइल्ड कार्डधारी मात्तेओ अर्नाल्डी और फ्रांसिस्को पासारो को हराया था. बोपन्ना और एबडेन इस महीने की शुरुआत में मैड्रिड मास्टर्स से भी पहले दौर में बाहर हो गए थे.

चोटिल रबाडा आईपीएल से स्वदेश लौटे

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ कागिसो रबाडा पैर में चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग से स्वदेश लौट गए हैं. देश के क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को यह जानकारी दी. रबाडा आईपीएल में पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व करते हैं. उन्होंने मौजूदा सत्र में 11 मैच में 11 विकेट चटकाए हैं. पंजाब की टीम पहले ही प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ से बाहर हो चुकी है और अपना अंतिम लीग मैच 19 मई को खेलेगी. क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने बयान में कहा, इस 28 वर्षीय (रबाडा) ने दक्षिण अफ्रीका पहुंचने पर विशेषज्ञ से सलाह ली और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की चिकित्सा टीम उन पर करीबी नजर रखे हुए है. सीएसए ने साथ ही कहा कि चोट के कारण रबाडा की अगले महीने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी पर असर पड़ने की संभावना नहीं है. सीएसए ने कहा, वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए उसकी तैयारी प्रभावित होने की संभावना नहीं है. दक्षिण अफ्रीका विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ न्यूयॉर्क में तीन जून को करेगा.

जानिए प्लेऑफ के लिए कितनी आसान हुई गणित

दिल्ली की जीत से बेंगलुरु को पहुंचा फायदा

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2024 के 62वें लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया. दिल्ली की जीत के बाद एक सवाल तेज़ी से उठ रहा है कि क्या इससे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को फायदा पहुंचेगा? तो इसका जवाब 'हां' हो सकता है. दिल्ली ने लखनऊ को हराकर उसको 16 प्वाइंट्स तक जाने से रोक दिया, जो कहीं न कहीं आरसीबी के लिए फायदेमंद होगा. तो आइए जानते हैं अब क्या है पूरा समीकरण और आरसीबी के लिए प्लेऑफ का गणित कितना आसान हुआ.

दिल्ली की जीत से सबसे बड़ा फायदा तो राजस्थान रॉयल्स को हुआ. दिल्ली के जीत दर्ज करते ही राजस्थान ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया. इसके अलावा दिल्ली ने इस जीत के साथ बेंगलुरु के लिए भी कुछ राह आसान कर दी है. ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स ने सीज़न का आखिरी लीग मैच लखनऊ के खिलाफ खेला, जिसमें जीत हासिल कर उन्होंने 14 प्वाइंट्स हासिल कर लिए.

अब क्वालिफाई करने की रेस में मौजूद चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीमें 14-14 ज़्यादा से ज़्यादा प्वाइंट्स ही हासिल कर सकती हैं. ऐसे में बेहतर नेट रनरेट वाली टीम चौथे पायदान के लिए क्वालिफाई करेगी.

अंजुम और ऐश्वर्य ओलंपिक क्वालीफिकेशन ट्रायल में शीर्ष पर

एजेंसी। भोपाल

अंजुम मुद्गिल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने ओलंपिक चयन ट्रायल टी3 क्वालीफिकेशन दौर में महिलाओं और पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस क्वालीफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया. नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग पोजिशंस में 20 शॉट के बाद अंजुम का स्कोर 600 में से 592 था. वहीं ऐश्वर्य ने 590 स्कोर किया. पांच निशानेबाजों का फाइनल गुरुवार को होगा. महिलाओं की थ्री पोजिशन में भारत की नंबर एक निशानेबाज और विश्व रिकॉर्डधारी सिफत कौर सामरा दूसरे स्थान पर रही. आशी चौकसी, निश्छल और श्रियांका सादंगी 585 स्कोर करके उनके बाद रहीं. पुरुषों की थ्री पोजिशंस में स्वप्निल कुसाले 587 का स्कोर करके दूसरे स्थान पर रहे. अखिल श्योराण तीसरे, चैन सिंह चौथे और नीरज कुमार पांचवें स्थान पर रहे.

दक्षिण अफ्रीकी टीम में एकमात्र अश्वेत खिलाड़ी, हो रही आलोचना

एजेंसी। जोहानिसबर्ग

टी20 विश्व कप टीम में कागिसो रबाडा के रूप में सिर्फ एक अश्वेत अफीकी खिलाड़ी को शामिल करने के लिए क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) की आलोचना हो रही है. दक्षिण अफ्रीका की 15 सदस्यीय संभावित टीम में रबाडा सहित छह अश्वेत खिलाड़ी शामिल थे. सीएसए के बदलाव लाने के लक्ष्य के अंतर्गत एक सत्र के दौरान दक्षिण अफ्रीका की अंतिम एकादश में छह अश्वेत खिलाड़ियों का होना जरूरी है. लेकिन टी20 विश्व कप के लिए चुनी टीम में रबाडा के रूप में केवल एक अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ी मौजूद हैं. सीएसए के अपने लक्ष्य को पूरा नहीं करने की वजह से उसकी आलोचना की जा रही है. दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खेल मंत्री फिकिले एमबालुला ने टीम के चयन पर सवाल उठाते हुए 'एक्स' पर लिखा, आगामी टी20 विश्व कप 2024 की टीम के लिए केवल एक अफ्रीकी खिलाड़ी को दक्षिण अफ्रीका की टीम में चुना गया है. निश्चित रूप से यह बदलाव लाने के लक्ष्य से उलट है और इसमें दक्षिण अफीकी लोगों का उचित प्रतिनिधित्व नहीं है. एसएबीसी स्पोर्ट पर सीएसए के और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पूर्व अध्यक्ष रे माली ने कहा कि देश इस खेल में पिछड़ रहा है. उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि बहुत कुछ हासिल कर लिया गया है. लेकिन मेरा मानना है कि हम क्रिकेट के मामले में पिछड़ रहे हैं. हमने आगे बढ़ने के बजाय एक कदम पीछे ले लिया है.

क्रिकेट

द्रविड़ के बाद कौन? टीम इंडिया टीम के लिए हो रही नए कोच की तलाश

पोंटिंग व फ्लेमिंग रेस में आगे, एक वर्ल्ड चैंपियन तो दूसरा धौनी का गुरु

एजेंसी। नयी दिल्ली

राहुल द्रविड़ का टीम इंडिया के हेड कोच के पद पर कार्यकाल जून महीने में समाप्त होने वाला है. द्रविड़ ने इच्छा जताई थी कि वे कोचिंग जॉब छोड़ना चाहते हैं, ऐसे में टीम को नया कोच मिलने की कवायदें तेज हो गई हैं. नए कोच के विकल्प के तौर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ना केवल भारत बल्कि विदेशी कोच होने के विकल्प को भी खुला रखा है. अब रेव स्पोर्ट्ज की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बीसीसीआई ने रिकी पोंटिंग से कोच पद के संबंध में संपर्क साधा है. बता दें कि पोंटिंग के अलावा न्यूजीलैंड के दिग्गज खिलाड़ी स्टीफन फ्लेमिंग को भी मुख्य कोच के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है. जून के अंत में राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद, यानी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के उपरांत भारतीय टीम एक नए कोच के अंडर खेलती दिखाई देगी.

आईपीएल में कोचिंग करते हैं दोनों दिग्गज

रिकी पोंटिंग की बात करें तो वे साल 2018 से ही आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की कोचिंग कर रहे हैं. रिकी पोंटिंग वनडे क्रिकेट में अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को 2 बार वर्ल्ड चैंपियन बना चुके हैं. उनके कप्तान रहते ऑस्ट्रेलिया ने 2003 और 2007 में वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाई थी. दूसरी ओर स्टीफन फ्लेमिंग 2009 से ही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कोच बने हुए हैं और उनका कोचिंग अनुभव टीम इंडिया के बहुत काम आ सकता है.

रिकी पोंटिंग और स्टीफन फ्लेमिंग अभी टीम इंडिया के कोच बनने की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं. बता दें कि उनसे पहले गैरी कर्स्टन और जॉन राइट के अंडर भारतीय टीम ने खूब सफलता प्राप्त की है. हमने आपको बताया कि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल जून महीने के अंत में समाप्त हो जाएगा. वहीं नए कोच का कार्यकाल 1 जुलाई, 2024 से लेकर 31 दिसंबर, 2027 तक रहेगा. इसका अर्थ है कि नए कोच पर जिम्मेदारी होगी कि वह 2027 वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए मजबूत भारतीय टीम तैयार करे. याद दिला दें कि द्रविड़ का कार्यकाल पिछले साल ही समाप्त होने वाला था, लेकिन वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 के बाद उनके कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ा दिया गया था. BCCI ने हेड कोच पद के लिए आवेदन लेने शुरू कर दिए हैं और आवेदन के लिए आखिरी तारीख 27 मई रखी गई है.

बेहतरीन कप्तान पंत, समय के साथ निखरेगा : गांगुली

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली का मानना है कि ऋषभ पंत एक बेहतरीन कप्तान है और समय तथा अनुभव के साथ उसकी कप्तानी में निखार आएगा. दिसंबर 2022 में भयावह कार हादसे के शिकार हुए पंत ने आईपीएल के इसी सत्र से मैदान पर वापसी की है. गांगुली ने जियो सिनेमा से कहा, पंत युवा कप्तान है और वह समय के साथ सीखेगा.जिस तरह चोट से वापसी के बाद उसने पूरा सत्र खेला, हमें आफ सीजन के दौरान इसका यकीन नहीं था. उन्होंने कहा,आईपीएल अब दस टीमों का हो गया है और भारतीय क्रिकेटर महत्वपूर्ण हैं. मुझे खुशी है कि उसने वापसी करके पूरा सत्र खेला. मेरी शुभकामनाएं उसके साथ है. उन्होंने कहा, कोई भी पहले दिन से महान कप्तान नहीं होता. वह भी सीख रहा है और समय के साथ बेहतर होगा.

▼ ब्रीफ खबरें

मंसूरी हत्याकांड में दो को उम्र कैद की सजा

अररिया । अररिया जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह के कोर्ट ने बुधवार को तीन साल पहले फारबिसगंज के रामपुर दक्षिण निवासी साहेब मंसूरी हत्याकांड मामले में दो आरोपितों को उम्र कैद की सजा सुनाई है. हत्याकांड मामले में रामपुर दक्षिण निवासी 26 वर्षीय मो.सद्दाम और 22 वर्षीय मो.अजमूल को उम्र कैद की सजा सुनाई गयी है. सजा के बिंदु पर जहां लोक अभियोजक लक्ष्मीनारायण यादव ने दोनों आरोपितों को जघन्य अपराध करने को लेकर फांसी देने की अपील की.

नाबालिग से गैंगरेप एक आरोपी गिरफ्तार

रक्सौल । जिले के रक्सौल अनुमंडल के एक गांव से शर्मसार करने वाली घटना सामने आयी है. जहां हैवानों ने 12 वर्षीय एक नाबालिग बच्ची को नशे का इंजेक्शन देकर गैंग रेप की घटना को अंजाम दिया है. घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है. पीडिता का इलाज चल रहा है, उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है. घटना को लेकर पीड़िता की मां के आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिससे सख्ती से पूछताछ की जा रही है. साथ ही उसकी निशानदेही पर अन्य आरोपियों की खोज में छापेमारी की जा रही है.

250 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

पटना । सीमा पार नेपाल के मोरंग जिला पुलिस ने कच्चे केले लदे पिकअप वैन में छिपाकर रखे गए तस्करी के 250 किलो गांजा के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया है. मोरंग पुलिस ने यह कार्रवाई तब की जब मंगलवार देर रात तस्कर भेड़ियारी बॉर्डर से गांजा की तस्करी कर नेपाल से भारत लाने का प्रयास कर रहा था. गांजा को विराटनगर मेट्रोपॉलिटन सिटी -17 आईसीपी रोड से राज्य 1-02-02 सीएच 6331 नंबर की एक पिकअप वैन से बरामद किया गया. तस्कर पिकअप गाड़ी को भारत ले जाने वाला था कि नेपाल पुलिस ने यह कार्रवाई की.

लोकसभा चुनाव : मोतिहारी में राजद पर गरजे जेपी नड्डा, कहा-

तुम क्या दोगे नौकरी, रोजगार और विकास दोनों देंगे मोदी जी

▪ कहा कि राजद ऐसे ही नौकरी देगी. नौकरी के बदले गरीबों की जमीन लेगी

संवाददाता । मोतिहारी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को मोतिहारी में आयोजित सभा में राजद पर जमकर हमला किया. नड्डा ने कहा कि राजद का मतलब रिश्वतखोरी, जंगलराज और दलदल है. उन्होंने कहा कि ये दल नहीं है, दलदल है. लोग भूल जाते हैं कि 2003 में तेलपिलावन लठियाभाजन रैली हुई थी कि नहीं? मैं बिहार का ही रहने वाला था. ऐसे लोग आज कल बोलते हैं हम नौकरी देंगे, नौकरी देंगे. तुम नौकरी दोगे यह इसलिए बोलते हो कि पीएम मोदी ने रिपोर्ट कार्ड की राजनीति कर दी है. अब तुम्हारी लठिया गई घर में और नौकरी की बात करनी पड़ रही है. तुम क्या नौकरी दोगे, रोजगार देंगे मोदी जी और देश को विकास की ओर ले जाएंगे.

लालू यादव ने चारा खाया... अलकतरा खाया : नड्डा ने राजद सुप्रीमो पर हमला करते हुए कहा कि लालू यादव ने चारा खाया, अलकतरा खाया, नौकरी के बदले जमीन ली. लोगों से पूछा कि ऐसी नौकरी लेनी है क्या? कहा कि राजद ऐसे ही नौकरी देगी. नौकरी के बदले गरीबों की जमीन लेगी. उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए नड्डा राजद के साथ-साथ कांग्रेस पर भी बरसे. नड्डा ने कहा कि कांग्रेस कोई पार्टी नहीं है. भ्रष्टाचार पार्टी है. सब भ्रष्टाचार में लिप्त हैं. कोयला घोटाला, चीनी घोटाला, चावल घोटाला, समुद्र का पनडुब्बी घोटाला, अंतरिक्ष में 2जी घोटाला, हेलीकॉप्टर का घोटाला, कोई जगह नहीं छोड़ी. बता दें कि मोतिहारी में छठे चरण के तहत 25 मई को चुनाव होना है. चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए जेपी नड्डा पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने महागठबंधन को निशाने पर लिया.

जदयू की पूर्व विधायक पूनम देवी ने थामा कांग्रेस का हाथ

पटना । जदयू की पूर्व विधायक पूनम देवी ने बुधवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने पूनम देवी को प्राथमिकता सदस्यता दिलाई. पूनम देवी जदयू से 2005 से लेकर 2020 तक लगातार 15 सालों तक खगड़िया सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुकी हैं. 2020 में वह चुनाव हार गईं. पूनम देवी का जदयू में काफी दबदबा रहा था. अब पूनम देवी के कांग्रेस में आ जाने से पार्टी अपने आप को मजबूत मान रही है. पूनम देवी ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि भगवान राम 14 वर्ष का वनवास काटकर अयोध्या लौटे थे. हम 24 साल बाद अपने घर में वापस आए हैं. कहा कि 1985 में हम कांग्रेस में आए थे और उस वक्त मसौढ़ी विधानसभा से पार्टी ने चुनाव लड़ाया था. हम जीते भी थे, लेकिन 1990 और 1995 में चुनाव हार गए थे.

औरंगाबाद में नक्सलियों की मंशा नाकाम

पुलिस ने चार आईईडी को किया नष्ट

संवाददाता । पटना

औरंगाबाद के मदनपुर थाना क्षेत्र के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मंगलवार की रात सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नियत से नक्सलियों के लगाए गए चार आईईडी पुलिस ने बरामद किए. साथ ही उसे विनष्ट कर जवानों ने उनके मंसूबों पर लगातार दूसरी बार पानी फेर दिया है. इससे पहले 9 मई को भी नक्सलियों की ऐसी ही गतिविधि का मुंहतोड़ जवाब देते हुए सीआरपीएफ की कोबरा एवं मदनपुर पुलिस ने 3 से 4 किलो वजन के चार आईईडी बरामद कर उन्हें विनष्ट किया था और कई सुरक्षाबलों के जवानों की जान बचाई थी. इस छापेमारी अभियान के तहत 10 मई को 12:15 बजे लड़इया पहाड़, बंदी, करीबाडोभा के पास से चार किलोग्राम का एक प्रेशर आईडी,12 मई को लड़इआ पहाड़, शिकारी कुआं, करीबा डोभा के पास से 3 किलोग्राम का एक प्रेशर आईईडी तथा 14 को लड्डूया पहाड़, सिमरिया डाह के पास से 3 किलोग्राम का एक प्रेशर आईडी बरामद किया गया और जिन्हें यथावत स्थान पर नष्ट भी कर दिया गया. एसपी ने बताया कि लगातार हो रही इस छापेमारी अभियान के फलस्वरूप नक्सलियों का मनोबल काफी गिरा है और उनके हौसले पस्त हुए हैं. पुलिस लगातार ऐसी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि चुनाव के दौरान सुरक्षाबलों को कोई नुकसान नहीं पहुंचे और चुनाव कार्य शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके.

हथियार के साथ शराब कारोबारी गिरफ्तार

नालंदा । नालंदा में बुधवार को शराब की सूचना पर छापेमारी करने गई पुलिस ने हथियार के साथ भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए. दरअसल वरीय पुलिस पदाधिकारी को गुप्त सूचना मिली थी कि नौरंगा गांव के एक मकान में भारी मात्रा में चुलाई शराब रखी गई है, जब स्थानीय पुलिस ने वहां छापेमारी की तो 12 लीटर चुलाई शराब के साथ-साथ एक कट्टा और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए. इस दौरान एक धंधेबाज को भी गिरफ्तार किया गया. गांव से पुलिस सभी सामग्री को बरामद करके थाना लेकर आई.

अनंत सिंह बोले-

नीतीश कुमार जैसा मुख्यमंत्री बिहार में पैदा नहीं हुआ, न होगा

पटना । पूर्व विधायक बाहुबली अनंत सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ में कसीदें गढ़े हैं. पैरोल पर 15 दिन के लिए बाहर आए अनंत सिंह ने स्पष्ट कहा कि नीतीश कुमार की तरह न कोई मुख्यमंत्री बिहार में पैदा हुआ और न ही पैदा होगा. बिहार में उनके जैसा मुख्यमंत्री कभी नहीं होगा. सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के पास कोई पारिवारिक जिम्मेदार नहीं थी. उनके भाई आज भी दवा बेचते हैं. बेटा भी राजनीति से दूर है. सीएम के परिवार के बारें में सबको पता है.

सिंह ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार दिन-रात काम में ही लगे रहते थे. वहीं, राजद सुप्रीमो लालू यादव पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि आपने लालू यादव का शासन नहीं देखा है. उस वक्त अपहरण उद्योग चलता था.

हाईकोर्ट में पेपर लीक मामले को रद्द करने के लिए याचिका दायर की

पटना । नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक मामला पटना हाईकोर्ट तक पहुंच गया है. हाइकोर्ट के अधिवक्ता सुजीत कुमार सिन्हा की ओर से वकील विशाल सौरभ ने एक जनहित याचिका दायर कर प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है. इसके साथ ही याचिका में परीक्षा को रद्द कर दुबारा आयोजित कराने का अनुरोध भी किया गया है. याचिका कर्ताओं का कहना है कि कुछ चंद लोगों की वजह से देश के लाखों मेडिकल छात्रों का भविष्य अधर में हैं. ऐसे में इस मामले की सीबीआई से निष्पक्ष जांच करा दोषियों को कड़ी सजा दी जाए. याचिका में बताया गया है कि इस मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है. शास्त्रीनगर थाना में केस दर्ज कर अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है.

टीसी देने के लिए पैसे की मांग करते थे प्रभारी

ग्रामीणों ने स्कूल में जड़ा ताला, जमकर काटा बवाल

संवाददाता । नवादा

जिले में रोह प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय बारापंडेया में ग्रामीणों ने बुधवार को ताला जड़ दिया. घटना की सूचना मिलते ही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बिंदू कुमारी, प्रखंड परियोजना प्रबंधक नमन कुमार पहुंचे और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर ताला खुलवाया. ताला जड़ने का कारण बच्चों को नजराने की मांग को लेकर टीसी नहीं मिलना बताया जा रहा है. जानकारी के अनुसार पूर्व से इस विद्यालय में सीमा कुमारी प्रभारी प्रधानाध्यापक के रूप में कार्य कर रही थी. इसके बाद एक माह पूर्व वरीय शिक्षिका धर्मशीला कुमारी को प्रभार दिया गया. लेकिन सीमा कुमारी द्वारा धर्मशीला कुमारी को पूर्ण प्रभार नहीं दिया गया. कहा जा रहा है कि रुपये की मांग को लेकर टीसी नहीं दी जाती है.

नामांकन पंजी भी अपने पास ही रखी, जिसके कारण आठवां पास बच्चों का नामांकन नहीं हो रहा था, जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने अपने बच्चों के साथ विद्यालय पहुंचकर ताला जड़ दिया.

आरक्षण समाप्त करने की हिम्मत किसी में नहीं : सम्राट चौधरी

पूर्वी चंपारण । जिले के गायघाट स्थित माध्यमिक प्लस टू विद्यालय के प्रांगण में बुधवार को एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि किसी पार्टी की नेताओं में दम नहीं है कि आम जनता की आरक्षण को समाप्त कर दे. देश को अब कहीं से खतरा नहीं है, लेकिन अब खतरा राजद और कांग्रेस से उत्पन्न होने वाली है. वहीं, लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं भी निचली जाति से आता हूं मुझे पार्टी में रहकर मुझे कोई संविधान का खतरा नहीं है, ना ही आरक्षण पर खतरा हैं, जो लोग नौकरी के बदले जमीन लिए कई घोटाले किए, वे लोग ही आज लोगों को संविधान बदलने की बात कह कर अफवाह कर रहे हैं.

असम राइफल्स के जवान चुनाव ड्यूटी के लिए जा रहे थे सारण

बस दुर्घटनाग्रस्त, कई जवान घायल

संवाददाता । मुजफ्फरपुर

लोकसभा चुनाव को लेकर पांचवें चरण में मतदान के लिए पुलिस के जवानों को चुनाव क्षेत्र में भेजा जा रहा है. इसी बीच बुधवार को सारण में चुनाव के लिए ड्यूटी पर जाने के दौरान असम राइफल्स टीम की बस मुजफ्फरपुर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई. हादसे के बाद वहां काफी अफरा-तफरी मच गई. बस में सवार कई जवान घायल हो गए. दो की हालत गंभीर बनी हुई है, सभी घायलों का इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है. जानकारी के मुताबिक जवानों को लेकर जा रही बस की टक्कर एक ट्रक से हो गई, जिससे बस में सवार कई जवान घायल हो गए. मौके पर स्थानीय लोगों ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंच कर राहत और बचाव का काम किया और स्थानीय थाने को घटना की जानकारी दी.

ये हादसा मुजफ्फरपुर के सकरा थाना इलाके के सबहा गांव के पास एनएच-28 पर हुआ है. हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने वहां उपस्थित लोगों के सहयोग से दुर्घटना में घायल असम राइफल्स के लोगों को तत्काल प्राथमिक इलाज करवा कर गंभीर रूप से घायल जवानों को एसकेएमसीएच भेज दिया, जहां डॉक्टरों की टीम घायलों का इलाज कर रही हैं.

कारोबार

पीएफसी का मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली । पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 23 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 7,556.43 करोड़ रुपये रहा. कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 6,128.63 करोड़ रुपये रहा था. समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 24,176.34 करोड़ रुपये हो गई. खर्च 14,579.16 करोड़ रुपये रहा. कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक वार्षिक लाभ 26,461 करोड़ रुपये दर्ज किया.

एलआईसी को सेबी ने अतिरिक्त तीन साल दिए

नयी दिल्ली । एलआईसी को बाजार नियामक सेबी ने 10 प्रतिशत सार्वजनिक शेयर धारिता मानदंड का पालन करने के लिए 16 मई 2027 तक तीन साल का अतिरिक्त समय दिया है. फिलहाल एलआईसी में सरकारी हिस्सेदारी 96.50 प्रतिशत और सार्वजनिक हिस्सेदारी 3.50 प्रतिशत है. एलआईसी ने शेयर बाजार को बताया, सेबी ने 14 मई 2024 को पत्र के जरिए निगम को 10 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारिता हासिल करने के लिए तीन साल का अतिरिक्त समय देने के फैसले की जानकारी दी.

सिप्ला ने 2.53 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नयी दिल्ली । दवा कंपनी सिप्ला के प्रवर्तकों ने तरलता बढ़ाने के मकसद से कंपनी में 2.53 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है. मुंबई स्थित दवा विनिर्माता ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कुछ कंपनी प्रवर्तकों ने 15 मई 2024 को 2,04,50,375 शेयर बेचे. कंपनी के अनुसार, शिरीन हामिद, रुमाना हामिद, समीना हामिद और ओकासा फार्मा प्राइवेट लिमिटेड ने परोपकार सहित विशिष्ट जरूरतों के लिए तरलता बढ़ाने के मकसद से सिप्ला लिमिटेड के 2.53 प्रतिशत शेयर बेचे हैं. इसमें कहा गया कि लेनदेन के बाद समूचे प्रवर्तक समूह की कंपनी में 31.67 प्रतिशत हिस्सेदारी है.

एसबीआई ने दिया अपने ग्राहकों को तोहफा

एफडी की ब्याज दरों में किया इजाफा

▪ बैंक ने 2 करोड़ से कम और 2 करोड़ से अधिक दोनों तरह की एफडी पर की बढ़ोतरी

एजेंसी । नयी दिल्ली

नयी दिल्ली : देश के टॉप पब्लिक सेक्टर बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम की ब्याज दरों में बदलाव किया है. बैंक ने 2 करोड़ से कम और 2 करोड़ से अधिक दोनों तरह की एफडी स्कीम के ब्याज दर में बढ़ोतरी की है. बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक नई दरें बुधवार 15 मई 2024 से लागू हो गई हैं. एसबीआई ने 2 करोड़ से कम की एफडी स्कीम पर 75 बेसिस प्वाइंट्स तक की बढ़ोतरी कर दी है. बैंक ने 2 करोड़ से कम डिपॉजिट की एफडी स्कीम पर ब्याज दरों में बड़ा बदलाव किया है. 46 दिन से लेकर 179 दिन की एफडी स्कीम पर 75 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी की गई है. ऐसे में अब सामान्य ग्राहकों को 4.75 फीसदी के बजाय 5.50 फीसदी ब्याज दर मिल रहा है. वहीं सीनियर सिटीजन को इस अवधि की एफडी पर 5.25 फीसदी के बजाय 6 फीसदी ब्याज दर का लाभ मिल रहा है. वहीं, बैंक ने 180 से 210 दिन की एफडी की ब्याज दरों में भी 25 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी किया है. ऐसे में सामान्य ग्राहकों को अब 5.75 फीसदी के बजाय 6 फीसदी ब्याज दर का लाभ मिलेगा. वहीं 211 दिन से लेकर 1 साल तक की एफडी स्कीम पर बैंक सामान्य ग्राहकों को 6.00 फीसदी के बजाय 6.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 6.75 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है.

बल्क एफडी की ब्याज दरों में किया बदलाव

स्टेट बैंक ने रिटेल के अलावा बल्क एफडी की ब्याज दरों में भी बदलाव किया है. बैंक ने 7 से 45 दिन की एफडी स्कीम पर 25 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी की है. अब बैंक सामान्य ग्राहकों को 5.00 फीसदी के बजाय 5.25 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रही है. वहीं सीनियर सिटीजन को 5.50 फीसदी के बजाय 5.75 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रही है. वहीं 46 से 179 दिन की एफडी पर बैंक ने 50 बेसिस प्वाइंट्स की ब्याज दरों में इजाफा किया है. अब बैंक इस दौरान सामान्य ग्राहकों को 5.75 फीसदी के बजाय 6.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 6.25 फीसदी के बजाय 6.75 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है. वहीं बैंक ने 180 से 210 दिन की बल्क एफडी की ब्याज दरों में 10 बेसिस प्वाइंट्स का इजाफा किया है. अब सामान्य ग्राहकों को 6.50 फीसदी के बजाय 6.60 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 7.00 फीसदी के बजाय 7.10 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है. बैंक 1 से 2 साल की बल्क एफडी स्कीम पर 20 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी का फैसला किया है. अब ग्राहकों को इस दौरान 7 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 7.50 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है.

केनरा बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी सहित 13 कंपनियों को किया शामिल

नयी दिल्ली । केनरा बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, एनएचपीसी और जिंदल स्टेनलेस सहित 13 कंपनियों को एमएससीआई इंडिया सूचकांक में शामिल किया जाएगा. सूचकांक का संकलन करने वाले एमएससीआई के अनुसार, बॉश, केनरा बैंक, इंडस टावर्स, जिंदल स्टेनलेस, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, मैनकाइंड फार्मा, एनएचपीसी, पीबी फिनटेक, फीनिक्स मिल्स, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया, सुंदरम फाइनेंस, थर्मैक्स और टोरेंट पावर एमएससीआई इंडिया सूचकांक में शामिल होने वाली कंपनियां हैं. दूसरी ओर तीन कंपनियां बर्जर पेंट्स, इंद्रप्रस्थ गैस और वन97 कम्युनिकेशंस सूचकांक से बाहर हो गईं. इसमें कहा गया, एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स के घटकों में बदलाव 31 मई 2024 को कारोबार के अंत में होंगे. सूचकांक में शामिल की गईं कुछ कंपनियां बीएसई पर बढ़त के साथ कारोबार कर रही हैं. ग्लोबल इक्विटी पोर्टफोलियो को आंकने के लिए वैश्विक वित्त घराने 'एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स' का व्यापक रूप से इस्तेमाल करते हैं.

घटिया आयोडीन युक्त नमक का मामला

टाटा केमिकल्स लिमिटेड पर से अदालत ने हटा दिया जुर्माना

एजेंसी । नागपुर

बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने 2016 में महाराष्ट्र के बुलढाणा में खाद्य सुरक्षा अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा जारी उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें टाटा केमिकल्स लिमिटेड और अन्य कंपनियों पर घटिया आयोडीन युक्त नमक बनाने व बिक्री करने के लिए जुर्माना लगाया गया था.

न्यायमूर्ति अनिल एल. पानसरे ने अपने आदेश में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को भविष्य में ऐसे मामलों में प्रक्रियात्मक अनुपालन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उचित सलाह या परिपत्र जारी करने का भी निर्देश दिया. टाटा केमिकल्स लिमिटेड व अन्य बनाम महाराष्ट्र राज्य से जुड़े मामले में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 71(6) के तहत 13 अक्टूबर, 2016 के आदेश के खिलाफ अपील की गई थी.

2011 के नियमों को पालन नहीं किया गया : अपील टाटा केमिकल्स लिमिटेड और अन्य ने की थी. उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में मामले में कई गंभीर विसंगतियों और प्रक्रियात्मक खामियों को रेखांकित किया. पाया गया कि खाद्य विश्लेषक की रिपोर्ट जिसमें उत्पाद को गलत ब्रांड बताया गया, उसका अपीलकर्ताओं ने विरोध किया. इसके बाद मामले को आगे के विश्लेषण के लिए रेफरल फूड लेबोरेटरी (आरएफएल) को भेजा गया. आदेश में कहा गया है कि आरएफएल की रिपोर्ट यह निष्कर्ष निकाला गया कि उत्पाद घटिया है लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट से इसके लिए पर्याप्त तर्क या औचित्य प्रदान नहीं किए गए. पारदर्शिता की इस कमी से आरएफएल के निष्कर्षों की वैधता और प्रक्रिया की समग्र अखंडता पर सवाल उठते हैं. न्यायमूर्ति पानसरे ने आदेश में कहा, आरएफएल ने स्पष्ट रूप से 2011 के नियमों में निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया. इस तरह रिपोर्ट में अनिवार्य प्रावधानों का अनुपालन नहीं हुआ.

आईआईएफसीएल का मुनाफा 44 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली । इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एकल शुद्ध लाभ 44 प्रतिशत बढ़कर 1,552 करोड़ रुपये रहा. सार्वजनिक क्षेत्र की बुनियादी ढांचा वित्त कंपनी का वित्त वर्ष 20222-23 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 1,076 करोड़ रुपये रहा था. आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पी. आर. जयशंकर ने वार्षिक वित्तीय आंकड़ों की घोषणा करते हुए कहा कि कंपनी ने अभी तक का सबसे अधिक लाभ दर्ज किया. उन्होंने कहा, किसी वित्त वर्ष में पहली बार शुद्ध लाभ 2,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करते हुए 2,029 करोड़ रुपये रहा.

भिलाई इस्पात संयंत्र स्थापित करेगा सौर ऊर्जा प्रणाली

दुर्ग (छत्तीसगढ़) । भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) की इकाई भिलाई इस्पात संयंत्र अपने परिसर और टाउनशिप में सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करेगी. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं.

पहल | डिश टीवी द्वारा 'डिशटीवी स्मार्ट' सर्विसेज के साथ मनोरंजन इंडस्ट्री में आई क्रांति

किसी भी स्क्रीन पर देखें टीवी और ओटीटी एक साथ

संवाददाता । रांची

डिश टीवी ने भारत में मनोरंजन अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए एक अग्रणी पहल की है. अग्रणी डीटीएच प्रदाता ने अपनी इस पहल में अपने अभूतपूर्व प्रस्ताव 'डिश टीवी स्मार्ट' प्लस सर्विसेज की घोषणा की है. यह लॉन्च इस इंडस्ट्री में एक नया उदाहरण स्थापित कर रहा है, जो ग्राहकों को किसी भी स्क्रीन पर, कहीं भी, बिना किसी अतिरिक्त लागत के टीवी और ओटीटी दोनों कॉन्टेंट तक अपनी पहुंच प्रदान करता है. यह सुविधा, लचीलापन और उन्नत मनोरंजन विकल्प को सुनिश्चित करती है, जिससे ग्राहकों के देखने के अनुभव को और भी सशक्त बनाया जा सकता है.

'डिश टीवीस्मार्ट प्लस' सर्विसेज' के साथ, सभी डिश टीवी और डी2एच ग्राहक, जिनमें नए और मौजूदा ग्राहक भी शामिल हैं, अपने चुने हुए टीवी सब्सक्रिप्शन पैक के साथ लोकप्रिय ओटीटी ऐप्स का आनंद भी ले सकते हैं. डिश टीवी इन उपकरणों में अपनी सेवाओं को सहजता से एकीकृत करने के लिए शीर्ष (टॉप) टीवी और मोबाइल मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के साथ भी सहयोग करेगा, जिससे सभी उपयोगकर्ता को भरपूर अनुभव मिलेगा.

डिश टीवी अपने सभी ग्राहकों को अब टीवी सब्सक्रिप्शन के अंतर्निहित देगा ओटीटी सेवाएं, इंडस्ट्री में होगा पहला कदम

नए प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए, डिश टीवी इंडिया लिमिटेड के सीईओ, मनोज डोभाल ने कहा, अपनी स्थापना के बाद से, डिश टीवी ने मनोरंजन उपभोग परिदृश्य को बदल दिया है, लोगों को अपने पसंदीदा कॉन्टेंट का आनंद लेने के लिए कई नई चीजों को पेश किया गया. इस नए प्रस्ताव के साथ, हम व्यापक और सुलभ मनोरंजन अनुभवों के लिए एक नया मानक स्थापित करते हुए और भी बड़ा बदलाव लाने के लिए तैयार हैं. इसका लॉन्च सिर्फ एक प्रस्ताव से कहीं अधिक का प्रतिनिधित्व करता है

यह भारत में मनोरंजन की खपत को फिर से परिभाषित करने की दृष्टि का प्रतीक है, जो स्मार्ट और बड़ी होती जा रही है. विकल्पों से भरे इस बाजार में, ग्राहक अक्सर खुद को अभिभूत महसूस करते हैं. हमारा लक्ष्य समग्र और संपूर्ण मनोरंजन समाधान पेश करके उनकी पसंद को सरल बनाना है. हमारा दृढ़ विश्वास है कि पारंपरिक टेलीविजन और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों आज के युग में जरूरी हैं और हमारे प्रस्ताव के साथ, हमारा लक्ष्य उनके समान महत्व की पुष्टि करना है.

मनोज डोभाल ने आगे कहा, डिश टीवी में, ग्राहक संतुष्टि पर समझौता नहीं किया जा सकता है और हर निर्णय मूल्य और सुविधा प्रदान करने के आसपास केंद्रित होता है. ये न केवल हमारे ग्राहकों को मनोरंजन की अद्वितीय पहुंच प्रदान करके लाभान्वित करती हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि उनकी प्राथमिकताएं और संतुष्टि हमारे प्रयासों में सबसे आगे रहें.

पेज एक का शेष...

सरकार बनी तो 67%...

चौथे चरण के बाद बौखला गए हैं पीएम, हर दिन बोल रहे झूठ पर झूठ : जयराम रमेश ने दावा किया कि भाजपा पूरे दक्षिण में साफ हो चुकी है. जबकि उत्तर-पूर्व और पश्चिम में हाफ हो चुकी है. चौथा चरण समाप्त होने के बाद उनका बयान हर दिन बदल रहा है. अब वे 400 पार की बात नहीं बोल रहे. तीसरे चरण के बाद ही उन्हें इस बात का एहसास हो गया था कि मामला गड़बड़ है. इसी लिए वो धार्मिक ध्रुवीकरण, हिंदू-मुस्लिम और पाकिस्तान पर उतर आये. मगर चौथे चरण के बाद मंगलवार से उनका बयान बदल गया है. अब वे कहते फिर रहे हैं कि मैंने कभी हिंदू-मुस्लिम की बात नहीं की. ये दर्शाता है कि मोदी और शाह की जोड़ी को एहसास हो गया कि वे लोग पूर्व होने जा रहे हैं और चार जून के बाद इनकी विदाई की औपचारिकताएं निभाई जाएंगी.

टेपों से काला धन पहुंचाने वालों की जांच क्यों नहीं हुई : कांग्रेस नेता ने कहा कि जब देश का पीएम खुद कह रहा है कि अडानी-अंबानी टेंपो से काला धन कांग्रेस को पहुंचा रहे हैं, तो फिर उनकी जांच एजेसियां क्या कर रही हैं. अब तक इसकी ईडी, आईटी और सीबीआई जांच क्यों नहीं हुई. यह देश की जनता जानना चाहती है. मोदी सरकार में 21 पूंजीपतियों के पास इतना सारा धन इकट्ठा हो गया जितना देश के 70 प्रतिशत लोगों के पास भी नहीं है. इसलिए हमलोगों ने समानता की बात की है. रोजगार और लोगों के इनकम की बात की है. इसे मोदी जी गलत तरीके से जनता के समक्ष पेश कर रहे हैं. मोदी सरकार ने पूंजीपतियों का लाखों करोड़ का लोन माफ किया, मगर किसानों का नहीं. मोदी जी फ्री में हमारे मेनिफेस्टो का प्रचार कर रहे हैं. जिस दिन वे गलत बोलते है उसी दिन लाखों लोग कांग्रेस का मेनिफेस्टो डाउनलोड करके उसे पढ़ते हैं.

ब्रीफ खबरें

खेतड़ी खदान में फंसे 15 लोगों को निकाला

जयपुर। नीम का थाना जिले में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की खेतड़ी स्थित एक खदान में फंसे सभी 15 लोगों को बुधवार को बाहर निकाल लिया गया. आशंका जताई जा रही है कि खदान में एक व्यक्ति की मौत हो गई. हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है. नीम का थाना जिले के कलेक्टर शरद मेहरा ने बताया कि 14 लोगों को उपचार के लिए जयपुर के एसएमएस अस्पताल भेजा गया है. वहीं एक व्यक्ति की मौत की आशंका के चलते उसे जांच के लिए कंपनी के अस्पताल ले जाया गया है.

एपी : सड़क हादसे में छह लोगों की मौत

अमरावती (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिले में चिलकलूरिपेट के पास एक निजी बस के ट्रक से टकरा जाने के बाद उसमें आग लगने से छह लोगों की झुलसकर मौत हो गई. पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात को करीब एक बजे हुआ. अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में बस और ट्रक चालक सहित चार पुरुषों और एक महिला एवं एक बच्ची की मौत हो गई." मृतकों में एक आठ साल की बच्ची, उसकी दादी, दादा और एक अन्य यात्री शामिल हैं.

फ्लोरिडा: हादसे में बस सवार आठ की मौत

ओकाला (फ्लोरिडा)। फ्लोरिडा हाईवे गश्ती दल (एफएचपी) ने उस ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया है जिसने मंगलवार सुबह एक बस में टक्कर मार दी थी और आठ लोगों की जान चली गई थी. एफएचपी ने कहा कि ट्रक चालक ब्रायन मैक्लीन होवार्ड पर नशे की हालत में लोगों की जान लेने का मामला दर्ज किया गया है. घटना में कम से कम 40 लोग घायल हो गए. बस में 53 खेतिहर श्रमिकों को ले जाया जा रहा था तभी सुबह करीब 6.40 बजे ओर्लांडो के उत्तर में करीब 80 किलोमीटर दूर मेरियन काउंटी में यह हादसा हुआ.

मैक्सिको : गोलीबारी में 11 लोगों की मौत

मेरिडा। मैक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के एक छोटे से कस्बे में मंगलवार को सामूहिक गोलीबारी की घटना में 11 लोगों की मौत हो गई. राज्य अभियोजक कार्यालय ने बताया कि चियापास के चिकोमुसेलो कस्बे में गोलीबारी हुई थी. इस क्षेत्र को प्रवासियों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए जाना जाता है. राज्य अभियोजक के कार्यालय ने बताया कि इस क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करों के गिरोहों के बीच विवाद सामने आते रहे हैं और हाल में सोमवार को भी नशीले पदार्थ बेचने वाले समूहों में टकराव हुआ था.

'अवैध' गोदाम में लगी आग, एक की हुई मौत

नयी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में मंगलवार देर रात को कागज के एक 'अवैध' गोदाम में आग लगने से 45 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गयी. दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों (डीएफएस) ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि गोदाम के मालिक सोनू कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है. अधिकारियों के मुताबिक, शकरपुर इलाके में स्थित दो मंजिला इमारत में आग लगी थी, जहां कमरे में जले हुए कार्डबोर्ड के पीछे से सतेंद्र पासवान का शव बरामद किया गया.

कुछ दिन पहले ही पृथ्वी पर भयंकर सौर तूफान का प्रभाव पड़ा था

दो दशक में सूर्य से निकली सबसे बड़ी सौर ज्वाला

11 साल के इस सौर चक्र की यह सबसे बड़ी चमक है, जो अपने चरम पर पहुंच रही है

एजेंसी। केप कैनावेरल (फ्लोरिडा)

सूर्य से मंगलवार को निकली ज्वाला, उससे अबतक लगभग दो दशकों में पैदा हुई ज्वाला में सबसे बड़ी थी. कुछ दिन पहले ही पृथ्वी पर भयंकर सौर तूफान का प्रभाव पड़ा था. इसकी वजह से अज्ञात स्थानों पर चमकदार उत्तरी रोशनी पैदा हो गयी थी. 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (एनओएए) ने एक अद्यतन जानकारी में कहा 'अब तक नहीं हुआ....!" एनओएए के अनुसार, यह 11 साल के इस सौर चक्र की सबसे बड़ी चमक है, जो अपने चरम पर पहुंच रही है. अच्छी खबर यह है कि पृथ्वी इस बार आग के प्रभाव क्षेत्र से बाहर होनी चाहिए, क्योंकि सूर्य के एक हिस्से पर भड़की ज्वाला पृथ्वी से दूर जा रही है. नासा की सोलर डायनेमिक्स वेधशाला ने ज्वाला की 'एक्स-र' चमक को कैमरे में दर्ज किया. यह साल 2005 के बाद की सबसे गहरी चमक थी. कोलोराडो के बोल्डर में एनओएए के 'स्पेस वेदर प्रेडिक्शन सेंटर' में ब्रायन ब्रैशर ने कहा कि जब वैज्ञानिक अन्य स्रोतों से आंकड़े इकट्ठा करेंगे तो यह और भी चमकदार हो सकती है.

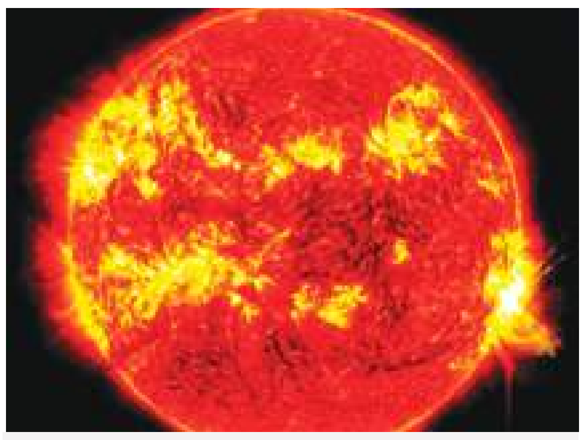

नासा के सोलर डायनेमिक्स ऑब्जर्वेटरी द्वारा जारी की गई एक सौर ज्वाला यह छवि दाहिनी ओर चमकदार फ्लैश दिखाती है. मंगलवार को सूर्य ने लगभग एक दशक में अपनी सबसे बड़ी चमक पैदा की. एपी/पीटीआई

मेरिल स्ट्रीप को मानद 'पाम डीओर' सम्मान के साथ कान फिल्म महोत्सव की शुरुआत

एजेंसी। कान

कान फिल्म महोत्सव का 77वां संस्करण मंगलवार को रुक-रुक कर हो रही बारिश के बीच अभिनेत्री मेरिल स्ट्रीप को मानद पाम डी'ओर पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के साथ शुरू हो गया. दस दिवसीय उत्सव का पहला लंबा 'स्टैंडिंग ओवेशन' स्ट्रीप को मिला, जिन्हें मंगलवार के उद्घाटन समारोह के दौरान मानद पाम डी'ओर से सम्मानित किया गया. कान की जूरी की प्रमुख के रूप में पहली अमेरिकी महिला फिल्मकार ग्रेटा गेरविग का मंच पर स्वागत हुआ. यह जूरी फैसला करेगी कि महोत्सव का शीर्ष पुरस्कार, पाम डी'ओर किसे मिलेगा. कान के कलात्मक निर्देशक थिएरी फ्रेमॉक्स ने सोमवार को ग्रेटा के काम और सिनेमा के इतिहास में उनकी रुचि को देखते हुए, कान के लिए "आदर्श निर्देशक" के रूप में उनकी प्रशंसा की. फ्रेमॉक्स ने कहा, "हम 'बार्बी' को बहुत पसंद करते हैं." फ्रांसीसी अभिनेत्री जूडिथ गोदरेचे बुधवार को अपनी लघु फिल्म "मोई ऑस्सी" का प्रीमियर करेंगी.

'कान' में नये नाम के साथ खुला 'इंडिया' मंडप

कान। प्रतिष्ठित कान फिल्म महोत्सव के 77वें संस्करण में 'इंडिया' मंडप बुधवार को नये नाम 'भारत' मंडप के साथ औपचारिक रूप से खुल गया. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने नाम बदले जाने के पीछे के कारण के बारे में कहा, 'यह हमारे देश की पारंपरिक कहानी सुनाने की प्रथाओं पर जोर दिये जाने का प्रतीक है जबकि यह बाकी दुनिया के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने की कोशिश भी है.' सचिव ने कहा, 'यह (भारत) दुनिया का सूत्रधार है. महोत्सव में भारतीय फिल्मों की बड़ी संख्या में मौजूदगी इस नये नाम को स्वीकारती है.'

अल्पसंख्यकों पर वार-पलटवार

कांग्रेस बजट का 15 प्रतिशत अल्पसंख्यकों को आवंटित करना चाहती थी : पीएम मोदी

- धर्म के आधार पर बजट को बांटने व नौकरियों या शिक्षा में आरक्षण की अनुमति नहीं देने का संकल्प

एजेंसी। नासिक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने पिछले शासन के दौरान सरकारी बजट का 15 प्रतिशत हिस्सा अल्पसंख्यकों के लिए आवंटित करना चाहती थी. इसके साथ ही उन्होंने धर्म के आधार पर बजट को बांटने और नौकरियों या शिक्षा में आरक्षण की अनुमति नहीं देने का संकल्प लिया. उत्तर महाराष्ट्र में नासिक जिले के पिंपलगांव बसवंत में महायुति उम्मीदवारों केंद्रीय मंत्री भारती पवार (भाजपा) और हेमंत गोडसे (शिवसेना) के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि धार्मिक आधार पर बजट को विभाजित करना खतरनाक है. मोदी ने कहा कि संविधान के मुख्य शिल्पी बाबासाहेब आंबेडकर नौकरियों और शिक्षा में धर्म आधारित आरक्षण के सख्त खिलाफ थे. उन्होंने दावा किया कि केंद्र में सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस ने कुल बजट का 15 प्रतिशत अल्पसंख्यकों को आवंटित करने की योजना बनाई थी. उन्होंने कहा, 'जब मैं (गुजरात का) मुख्यमंत्री था तो कांग्रेस ने यह प्रस्ताव रखा था. भाजपा ने इस कदम का कड़ा विरोध किया और इसलिए इसे लागू नहीं किया जा सका. लेकिन कांग्रेस इस प्रस्ताव को फिर से लाना चाहती है.' प्रधानमंत्री ने कहा कि आंबेडकर धर्म आधारित आरक्षण के खिलाफ थे लेकिन कांग्रेस अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण के अधिकार छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है. उन्होंने कहा, 'मोदी समाज के वंचित तबके के अधिकारों का चौकीदार है और कांग्रेस को उनके अधिकार कभी छीनने नहीं देगा.'मोदी ने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव एक ऐसे प्रधानमंत्री के चुनाव के बारे में है जो देश के लिए कड़े फैसले लेता है. प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में उनकी सरकार ने हर धर्म के लोगों को मुफ्त राशन, पानी, बिजली, घर और गैस कनेक्शन दिये हैं. उन्होंने कहा, 'कल्याणकारी योजनाएं हर किसी के लिए बनाई गई हैं.'

धर्म पर आधारित भाजपा की राजनीति में नहीं है कोई जवाबदेही : प्रियंका

रायबरेली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बुधवार को कहा कि पिछले दशक की राजनीति 'जवाबदेही की नहीं' थी. उन्होंने 'कुछ नहीं करने और धर्म के नाम पर वोट मांगने' के लिए भाजपा पर हमला बोला. कहा कि पिछले 10 साल में जो राजनीति हुई है, उसकी कोई जवाबदेही नहीं है, क्योंकि ये धर्म पर आधारित राजनीति है. रायबरेली में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि भाजपा के नेताओं को अहसास हो गया है कि वे धर्म के नाम पर आपको धोखा देकर, भगवान के नाम पर आपसे भाजपा को वोट देने का वादा लेकर सत्ता में आ सकते हैं. देश में जिस राजनीति का बोलबाला है, उसके नेता नरेंद्र मोदी से लेकर यहां के उम्मीदवार तक सब सोचते हैं कि जनता के लिए काम करने की जरूरत नहीं है और वोट के वक्त धर्म के नाम पर ध्यान भटकाते हैं या लोगों को धमकाते हैं. देश में दो तरह की राजनीति हो रही है. एक है सच्चाई, मतदाताओं के प्रति समर्पण और उनके लिए काम करने की इच्छाशक्ति. दूसरी है भाजपा की राजनीति जिसमें वे आपकी भावनाओं का इस्तेमाल करते हैं, वोट लेते हैं.

यह झूठ है कि प्रधानमंत्री हिंदू-मुस्लिम की राजनीति नहीं करते: जयराम रमेश

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक टिप्पणी को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की यह बात झूठ है कि वह हिंदू- मुस्लिम की राजनीति नहीं करते. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान प्रधानमंत्री के पास हिंदू-मुस्लिम की राजनीति को छोड़कर कोई एजेंडा नहीं था. प्रधानमंत्री मोदी ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा है, "अगर मैं हिंदू-मुसलमान करूंगा तो मैं सार्वजनिक जीवन में रहने योग्य नहीं रहूंगा.'' उनके बयान को लेकर रमेश ने 'एक्स'पर पोस्ट किया, "सारा देश भलीभांति जानता है कि निवर्तमान प्रधानमंत्री आदतन झूठ बोलते हैं और दो तरह की बातें उनकी प्रवृत्ति है. मोदी का यह दावा कि वह हिंदू-मुस्लिम राजनीति नहीं करते, यह दर्शाता है कि वह झूठ बोलने में दिन प्रति दिन नई गहराइयों तक गिरते जा रहे हैं." उन्होंने दावा किया, "19 अप्रैल 2024 के बाद से यह सार्वजनिक सच है, एक ऐसा सच जिसे हमारी सामूहिक स्मृति से नहीं मिटाया जा सकता है, भले ही मोदी अपनी निजी स्मृति से उस सच को मिटाना चाहिए थी लेकिन दुख की बात है कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ." कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस पूरे चुनाव अभियान के दौरान प्रधानमंत्री के पास हिंदू-मुस्लिम राजनीति को छोड़कर कोई एजेंडा नहीं था. उनका कहना है, "प्रधानमंत्री की पार्टी के घोषणापत्र में उनकी अपनी तस्वीरों की एक श्रृंखला के बीच शब्दों की कच्ची-पक्की खिचड़ी को जनता ने पूरी तरह नकार दिया है. पिछले कुछ महीनों में सरकारी खजाने से भारी कीमत चुकाकर प्रचारित की गई मोदी की गारंटी औंधे मुंह गिरी है और '400 पार' के खोखले नारे को चुपचाप दफना दिया गया है." कांग्रेस नेता ने दावा किया कि चुनाव अभियान में 'प्रधानमंत्री का अंतिम, हताशापूर्ण प्रयास है कि कांग्रेस पार्टी के बारे में झूठ बोला जाए और ''इंडिया जनबंधन'' के प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए समान विकास के एजेंडे को झुठला दिया जाए,' रमेश ने आरोप लगाया, "उनके (मोदी के) पद से हटने की निश्चितता ने अब उन्हें अपनी याददाश्त चले जाने का नाटक करने के लिए मजबूर कर दिया है." प्रधानमंत्री ने खुलेआम और बेशर्मी से सांप्रदायिक भाषा, प्रतीकों और संकेतों का निरंतर उपयोग किया है." रमेश ने कहा, "इस सच की ओर हमने निर्वाचन आयोग का ध्यान भी आकर्षित किया है. इस मसले पर कार्रवाई की जानी

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष बोले- भाजपा झूठ की फैक्ट्री

चार जून के बाद नरेंद्र मोदी पीएम नहीं रहेंगे : राहुल गांधी

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को फिर से दावा किया कि देश के हर कोने में 'इंडिया' गठबंधन की आंधी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 जून के बाद इस पद पर नहीं रहेंगे. उन्होंने कांग्रेस पार्टी की ओर से 'एक्स' पर जारी उनके भाषण से संबंधित दो वीडियो को फिर से पोस्ट करते हुए यह आरोप भी लगाया कि भाजपा 'झूठ की फैक्ट्री' चला रही है. कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा की ओर से राहुल गांधी के एक भाषण के एक अंश में कांट-छांटकर यह प्रचार किया गया कि नरेंद्र मोदी 4 जून के बाद हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री बने रहेंगे. मुख्य विपक्षी दल का कहना है कि राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा था कि नरेंद्र मोदी 4 जून के बाद हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे. राहुल गांधी ने कांग्रेस की इस पोस्ट को 'रिपोस्ट' करते हुए कहा, ' झूठ की फैक्ट्री' भाजपा खुद को कितना भी दिलासा दे ले, कोई फर्क नहीं पड़ने वाला. एक बार फिर कह रहा हूं कि 4 जून के बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे. देश के हर कोने में 'इंडिया' की आंधी चल रही है.'

सीएए के तहत 14 लोगों को दी गई भारत की नागरिकता

एजेंसी। नयी दिल्ली

संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के तहत नागरिकता प्रमाणपत्रों का पहला सेट बुधवार को जारी करने के साथ 14 लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान की गई. इसके साथ ही पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में प्रताड़ना के शिकार होकर भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता देने की प्रक्रिया शुरू हो गई. एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने एक निर्दिष्ट पोर्टल के माध्यम से आवेदनों पर ऑनलाइन मंजूरी के बाद 14 लोगों को प्रमाण पत्र सौंपे. सीएए को 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में प्रताड़ना के शिकार गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारत की नागरिकता प्रदान करने के लिए दिसंबर 2019 में लाया गया था. इनमें हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय के लोग शामिल हैं. कानून बनने के बाद, सीएए को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई लेकिन जिन नियमों के तहत भारत की नागरिकता दी जानी थी, उन्हें चार साल से अधिक की देरी के बाद इस साल 11 मार्च को जारी किया गया.

एक रिपोर्ट की पृष्ठभूमि में नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत ने किया दावा

भारत की रक्षा क्षमताएं काफी बढ़ीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले 10 साल के कार्यकाल के दौरान भारत की रक्षा क्षमताओं में काफी वृद्धि हुई है और अब देश केवल सशस्त्र बलों की तात्कालिक जरूरतों के लिए ही हथियारों के आयात पर ही निर्भर है. नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत ने बुधवार को यह जानकारी दी. रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व अध्यक्ष सारस्वत ने बताया कि वर्तमान समय में भारत के कुल 60 प्रतिशत हथियार और गोला-बारूदों को देश में तैयार किया जा रहा है. उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''पिछले 10 वर्षों में भारत की रक्षा क्षमता में काफी वृद्धि हुई है.' प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 2014 में सत्ता में आयी थी और फिर 2019 में उन्होंने प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सरकार बनाई. स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की एक हालिया रिपोर्ट को लेकर किए गए सवाल के जवाब में सारस्वत ने कहा, 'भारत की रक्षा का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र अब काफी हद तक स्वदेशी है. अब हम केवल सशस्त्र बलों की तात्कालिक जरूरतों या ऐसी किसी चीज के लिए ही आयात पर निर्भर हैं जिसके लिए हमारे पास तकनीक का अभाव है.'

रिपोर्ट में हथियारों के आयात में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि का दावा

स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) द्वारा 11 मार्च को पेश की गई रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारत दुनिया का शीर्ष हथियार आयातक देश बना हुआ है. रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2014-2018 और 2019-2023 के बीच भारत द्वारा हथियारों के आयात में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई. देश के कुछ हिस्सों में लू के प्रकोप के कारण इस गर्मी के मौसम में बिजली कटौती की आशंका संबंधी सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि देश की विद्युत क्षमता इन जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है.

अदालत ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 30 मई तक बढ़ाई

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 30 मई तक बढ़ा दी. सीबीआई और ईडी के लिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने मामले में आरोप तय करने पर आगे की दलीलों के लिए भी 30 मई की तारीख तय की. न्यायाधीश ने कहा कि आरोपों पर दलीलों को आगे बढ़ाने का एक आवेदन उच्च न्यायालय में लंबित है. सिसोदिया और हिरासत में बंद अन्य आरोपियों को जेल से ही वीडियो कॉन्फ्रेंस से अदालत के समक्ष पेश किया गया था. अदालत ने 30 अप्रैल को सिसोदिया जमानत याचिका खारिज कर दी थी.

सीजेआई ने 'ब्राजील में जे20 शिखर सम्मेलन को किया संबोधित

विमर्श की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बदल गई हैं भारतीय अदालतें : डीवाई चंद्रचूड़

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बुधवार को कहा कि भारतीय अदालतों की पुनर्कल्पना अब थोपे गये 'साम्राज्य' के बजाय विमर्श की लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में की गई है. प्रधान न्यायाधीश 'डिजिटल परिवर्तन और न्यायिक दक्षता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल' विषय पर ब्राजील के रियो डी जनेरियो में जे20 शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. जे-20 उच्चतम न्यायालयों और संवैधानिक अदालतों के मुख्य न्यायाधीशों का एक समूह है, जिसके सदस्य जी-20 देश हैं. इस साल जे-20 सम्मेलन का आयोजन 'ब्राजीलियन फेडरल सुप्रीम कोर्ट' की ओर से किया गया है. प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'भारतीय अदालतों की पुनर्कल्पना अब थोपे गये 'साम्राज्य' के बजाय विमर्श की लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में की गई है. कोविड-19 महामारी के कारण अदालतों की व्यवस्थाओं को रातों-रात बदलना पड़ा. उन्होंने मुकदमे से जुड़े पक्षों और कम 'कनेक्टिविटी' वाले स्थानों के बीच डिजिटल विभाजन और प्रतिनिधित्व संबंधी विषमता पर भी बात की. इन विषमताओं को 'अड़चनें' बताते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'हमें इनसे निपटना होगा. जब हम न्यायिक दक्षता की बात करते हैं, तो हमें न्यायाधीश की दक्षता से परे हटकर देखना चाहिए और समग्र न्यायिक प्रक्रिया के बारे में सोचना चाहिए. दक्षता न केवल नतीजों में निहित है बल्कि उन प्रक्रियाओं में भी है जिन्हें स्वतंत्र और निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करनी चाहिए.'

अध्ययन लू से जुड़ी मौतें गर्मी से संबंधित सभी मौतों का एक तिहाई और वैश्विक स्तर पर कुल मौतों का एक प्रतिशत

पिछले 30 वर्षों में लू से भारत में हुईं सबसे ज्यादा मौतें

20 दुनिया भर में प्रति वर्ष 1.53 लाख से अधिक मौतें भीषण गर्मी या लू के कारण होती हैं. इनमें से सबसे ज्यादा 20 फीसदी मौतें भारत में होती हैं.

एजेंसी। दिल्ली

दुनिया भर में प्रति वर्ष 1.53 लाख से अधिक मौतें भीषण गर्मी या लू के कारण होती हैं. इनमें से सबसे ज्यादा 20 फीसदी मौतें भारत में होती हैं. एक अध्ययन से यह जानकारी मिली. पिछले 30 वर्षों से अधिक के आंकड़ों के आधार पर यह अध्ययन किया गया. भारत के बाद चीन और रूस का स्थान है, जिनमें से प्रत्येक में क्रमशः लगभग 14 फीसदी और आठ फीसदी मौतें भीषण गर्मी से जुड़ी होती हैं. मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में पाया गया कि लू से जुड़ी मौतें गर्मी से संबंधित सभी मौतों का लगभग एक तिहाई और वैश्विक स्तर पर कुल मौतों का एक प्रतिशत है. शोधकर्ताओं ने यह भी पाया है कि हर साल गर्मियों में होने वाली कुल 1.53 लाख अतिरिक्त मौतों में से लगभग आधी एशिया में और 30 प्रतिशत से अधिक यूरोप में होती हैं. इसके अलावा, सबसे बड़ी अनुमानित मृत्यु दर (जनसंख्या के अनुपात में मृत्यु) शुष्क जलवायु और निम्न-मध्यम आय वाले क्षेत्रों में देखी गई.

प्रति दस लाख निवासियों पर कुल 236 मौतें

अध्ययन 'पीएलओएस मेडिसिन' में प्रकाशित हुआ है. शोधकर्ताओं ने लिखा है, '1990 से 2019 तक गर्म मौसम के दौरान, लू से संबंधित अतिरिक्त मौतों के कारण प्रति वर्ष 1,53,078 मौतें हुईं. इस तरह प्रति दस लाख निवासियों पर कुल 236 मौतें हुईं.' अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं ने ब्रिटेन स्थित मल्टी-कंट्री मल्टी-सिटी (एमसीसी) सहयोगात्मक अनुसंधान नेटवर्क के आंकड़ों का इस्तेमाल किया. इसमें 43 देशों के 750 स्थानों पर दैनिक स्तर पर मौतें और तापमान के विवरण शामिल थे. अध्ययन में 2019 तक के दशक की तुलना 1999 तक के दशक से करने पर, दुनिया भर में हर साल भीषण गर्मी की अवधि औसतन 13.4 से 13.7 दिनों तक बढ़ी हुई पाई गई, जिसमें हर दशक में वातावरण का औसत तापमान 0.35 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया. शोधकर्ताओं ने कहा कि पिछले अध्ययन ने स्थानीय स्तर पर लू या भीषण गर्मी के कारण अधिक मौतों की संख्या निर्धारित की है, लेकिन लंबी अवधि में दुनिया भर में इन अनुमानों की तुलना नहीं की है.

अनुकूल कदम उठाने से हो सकते संभावित लाभ

शोधकर्ताओं ने कहा है कि निष्कर्षों से पता चलता है कि स्वास्थ्य क्षेत्र को इनसे निपटने के लिए अनुकूल कदम उठाने से संभावित लाभ हो सकते हैं. उन्होंने लू या भीषण गर्मी के दौरान न केवल तत्काल स्वास्थ्य जोखिमों से निपटने के लिए 'व्यापक दृष्टिकोण' का आह्वान किया, बल्कि समुदायों में असमानताओं को कम करने के लिए दीर्घकालिक रणनीतियों को लागू करने का आह्वान किया. रणनीतियों में जलवायु परिवर्तन से निपटने की नीति, गर्मी से निपटने की योजना, जागरूकता कार्यक्रम, सामुदायिक सहभागिता आदि शामिल है.

दक्षिण एशिया में अप्रैल में लू की आशंका 45 गुना अधिक

एजेंसी। नयी दिल्ली

ओडिशा के भुवनेश्वर की अन्नू मिश्रा को अपना फूड स्टॉल काफी लंबे समय तक बंद रखना पड़ा क्योंकि यहां अप्रैल में लगातार 17 दिन तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा. वर्ष 1969 के बाद इतनी भीषण गर्मी की यह सबसे लंबी अवधि रही जिससे लोगों के स्वास्थ्य और आजीविका पर बुरा असर पड़ रहा है. प्रमुख जलवायु वैज्ञानिकों ने मौसम के आंकड़ों का हवाला देते हुए बुधवार को बताया कि इसी तरह की भीषण गर्मी का सामना प्रत्येक 30 साल में एक बार करना पड़ सकता है और जलवायु परिवर्तन के कारण पहले से ही इसकी संभावना लगभग 45 गुना अधिक हो गई है. 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन' समूह नामक वैज्ञानिकों की टीम ने इस बात पर जोर दिया कि प्रचंड लू पूरे एशिया में गरीबी में रहने वाले लोगों के जीवन को और मुश्किल बना रही है. कमजोर पड़ रहे 'अल नीनो' और ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती सांद्रता के बीच, दक्षिण एशिया में लाखों लोगों को अप्रैल में भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा.

- **1998 से 2017 के बीच लू के कारण 1,66,000 से अधिक लोगों की हुई मौतें:** भीषण गर्मी ने फिलीपींस, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया और म्यांमा में भी तापमान के रिकॉर्ड तोड़ दिए. जलवायु परिवर्तन के कारण सीरिया, लेबनान, इजराइल, फलस्तीन और जॉर्डन सहित पश्चिम एशिया में अप्रैल में 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान के साथ लू चलने का यह मौसम चक्र जल्द-जल्द लौट रहा है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जगप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - दीपक कुमार अम्बष्ठ*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)